THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 92 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आषाढ कृ.3 2083 शुक्रवार, 3 जुलाई-2026 प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

इसरो मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी तलाशी में कुछ नहीं मिला, फर्जी निकला ईमेल

बेंगलूरू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बेंगलूरू स्थित भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी वाला ईमेल मिलने के बाद गुरुवार को सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर व्यापक तलाशी अभियान चलाया। हालांकि, जांच में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली और बाद में यह धमकी फर्जी साबित हुई। पुलिस के अनुसार, धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद पुलिस टीम, डॉग स्क्वॉयड और बम निरोधक एवं बम खोजी दस्ता (बीडीडीएस) इसरो मुख्यालय पहुंचा।

तकाइची छोटी बहन और दूरदर्शी : पीएम मोदी

जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची से मिलते हुए पीएम मोदी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और जापान के बीच आज अहम द्विपक्षीय समझौते हुए। दोनों देशों के बीच हुए वार्षिक सम्मेलन के बाद आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के अलावा फार्मा सेक्टर से जुड़े समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए गए। इसके बाद दोनों प्रधानमंत्रियों ने संयुक्त प्रेस वार्ता भी की। अपनी गर्मजोशी और प्रधानमंत्री पद से इतर इंसानी रिश्ते के लिए दुनियाभर में मशहूर पीएम मोदी ने जापानी समकक्ष को अपनी छोटी बहन बताया।

पीएम मोदी ने क्या कहा :
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मेरी छोटी बहन, प्रधानमंत्री सनाए तकाइची, दोनों प्रतिनिधिमंडलों के सम्मानित सदस्य, मीडिया के सदस्य, नमस्कार और कोनिचिवा (इसका मतलब जापानी भाषा में हैलो होता है)।

उन्होंने आगे कहा कि भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए प्रधानमंत्री तकाइची की भारत की पहली यात्रा पर उनका स्वागत करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। इसके साथ ही एक दूरदर्शी और व्यापक रूप से सम्मानित नेता भी हैं। वे नारा प्रांत से आती हैं, जो भारत और जापान की साझा बौद्ध विरासत का एक प्रमुख केंद्र है।

'इंडो-पैसिफिक' क्षेत्र पर पीएम मोदी ने क्या कहा :
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, प्रधानमंत्री तकाइची की इस यात्रा के साथ, हम अपनी 'विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी' का एक नया अध्याय शुरू कर रहे हैं। आज, भारत और जापान दोनों ही दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं। एक स्वतंत्र, समृद्ध और नियमों पर आधारित 'इंडो-पैसिफिक' क्षेत्र हमारी साझा प्राथमिकता है। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक और बाजार-आधारित अर्थव्यवस्थाओं के तौर पर, हमने आज कई महत्वपूर्ण पहल की हैं।

जापान की प्रधानमंत्री ने क्या कहा
जापान की प्रधानमंत्री सनाए तकाइची ने कहा, जापान की मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स का एक डिस्ट्रॉयर और भारतीय नौसेना का एक जहाज संयुक्त अभ्यास करने की योजना बना रहे हैं। हम हिंद महासागर में अभ्यास बढ़ाएंगे, नौसेना के रखरखाव, मरम्मत और ओवरहॉल में सहयोग को बढ़ावा देंगे और 'मेक इन इंडिया' फ्रेमवर्क के तहत उपकरणों के मामले में सहयोग को मजबूत करेंगे। इस तरह के सहयोग को और गहरा करने के लिए, मैंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया है कि वे बातचीत करें और साल के अंत से पहले अगली जापान-भारत द्विपक्षीय बैठक आयोजित करें।

पीएम मोदी को बताया बड़ा भाई :
उन्होंने आगे का कि अगले साल हमारे राजनयिक संबंधों की 75वीं सालगिरह है और हम इस मौके का फायदा उठाकर 'इंडिया-जापान स्पेशल स्ट्रैटेजिक ग्लोबल पार्टनरशिप' के तहत अपने दोनों देशों के लोगों को और करीब लाना चाहते हैं, ताकि हम भरोसेमंद पार्टनर के तौर पर रणनीतिक दिशा को साझा कर सकें। मुझे यकीन है कि मेरे बड़े भाई प्रधानमंत्री मोदी के साथ मिलकर भारत-जापान संबंध एक नए दौर में आगे बढ़ेंगे।

मैं अगली बार जापान में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हूं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से की मुलाकात :
जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में ताकाइची को गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। भारतीय विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान के मुताबिक पीएम ताकाइची का यह दौरा भारत और जापान के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जापान एकमात्र ऐसा देश है जिसके साथ भारत ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए एक समर्पित संस्थागत तंत्र- 'भारत-जापान एक्ट ईस्ट फोरम' बनाया है।

एनडीए का मिशन 360

अब डीएमके-एनसीपी-सपा में सेंध की तैयारी : लोकसभा में दो-तिहाई का आंकड़ा पाने अब 41 सांसदों की जरूरत, बड़े संवैधानिक बदलाव करेगी

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार सियासी तस्वीर बदलने के लिए 'मिशन 360' में जुटे हैं। 17 अप्रैल को महिला आरक्षण व परिसीमन से जुड़े बिल पर लोकसभा में झटका लगने के बाद ही भाजपा ने संसद में दो-तिहाई बहुमत जुटाने की रणनीति तेज कर दी थी।

पार्टी का फोकस केवल इसी विधेयक तक सीमित नहीं बल्कि 'एक देश-एक चुनाव' और न्यायिक सुधारों जैसे बड़े संवैधानिक बदलावों के लिए जरूरी 'सुपर मेजोरिटी' हासिल करने पर है। इसके लिए भाजपा विपक्षी दलों में टूट, नए सहयोगी जोड़ने और जरूरत पड़ने पर मतदान के समय विपक्ष की गैरहाजिरी जैसे विकल्पों पर नजर रखे है। इसे संसद के मानसून सत्र तक पूरा करने का टारगेट है।

उद्धव गुट के 6 सांसद शिंदे की शिवसेना में शामिल
हाल ही में टीएमसी के 20 सांसदों के अलग होकर एनडीए को समर्थन करने और शिवसेना (उद्धव) के 6 सांसदों के शिंदे गुट में शामिल होने के बाद इस कयास को और बल मिल गया है। हालांकि इस जोड़तोड़ के बावजूद दो-तिहाई बहुमत के लिए 41 और सांसदों की जरूरत है।

इसके लिए भाजपा की निगाह अब सपा, डीएमके, एनसीपी (शरद) जैसे दलों पर की है। महाराष्ट्र भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि शरद पवार के 8 सांसदों में उनकी बेटी सुप्रिया सुले के अलावा बाकी 7 भाजपा के साथ हैं। हालांकि, सरकार बिलों के संबंध में सभी दलों से बात कर रही है।

पहला विकल्प : 41 सांसद और जुटाने होंगे :
विपक्ष के 41 सांसद टूट, विलय या समर्थन के जरिए एनडीए में शामिल हों या अलग गुट बनाकर सरकार का समर्थन करें।

दूसरा विकल्प : विपक्ष के सांसद गैरहाजिर रहें :
ऐसा करने से संसद में प्रभावी सदस्य संख्या घट जाएगी। फिर दो-तिहाई आंकड़ा 319 पर आ जाएगा। इसके लिए सपा (37), डीएमके (22), एनसीपी-शरद (8) और टीएमसी (8) यानी कुल 75 सांसदों में से 61 को गैरहाजिर कराना होगा।

7 निर्दलीय व छोटी पार्टियों के 10 सांसदों पर भी निगाह है। जरूरत पड़ी तो कांग्रेस (98) के भी कुछ सांसदों को गैरहाजिर रखने का प्रयास हो सकता है।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर ट्रस्ट ने दी सफाई
बैंक व्यवस्था को बताया जिम्मेदार

अयोध्या, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या स्थित राम मंदिर से जुड़े कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर लगातार नए खुलासे सामने आ रहे हैं। इस पूरे विवाद के बीच अब श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने सफाई देते हुए कई अहम बातें कही हैं। ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि दान की रकम की गिनती ट्रस्ट के कर्मचारियों द्वारा नहीं बल्कि बैंक की ओर से नियुक्त आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से की जाती थी। ऐसे में यदि किसी तरह की गड़बड़ी हुई है, तो उसकी जिम्मेदारी ट्रस्ट की नहीं बल्कि बैंक और उसकी व्यवस्था की बनती है।

प्रकाश गुप्ता ने कहा कि ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच इस काम को लेकर एक औपचारिक समझौता था। इस समझौते के तहत बैंक अपनी टीम या उससे जुड़ी एजेंसी के कर्मचारियों को काउंटिंग के लिए भेजता था। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट की ओर से केवल एक प्रतिनिधि वहां मौजूद रहता था, जिसका काम केवल निगरानी करना होता था, न कि गिनती या कैश हैंडलिंग में सीधे शामिल होना। ऐसे में यदि किसी प्रकार की अनियमितता सामने आई है, तो वह बैंक की प्रक्रिया से जुड़ा मामला है, न कि ट्रस्ट के संचालन से।

उन्होंने यह भी कहा कि अब जिन लोगों पर आरोप लगाए जा रहे हैं, वे सभी काउंटिंग प्रक्रिया में शामिल थे लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि ट्रस्ट के भीतर किसी तरह की मिलीभगत थी। उनके अनुसार, कई बार बिना ठोस आधार के भी आरोप लगाए जाते हैं, खासकर तब जब कोई संगठन या संस्था बड़े धार्मिक या सार्वजनिक कार्यों से जुड़ी हो। उन्होंने आरोप लगाने वालों पर सवाल उठाते हुए कहा कि जो लोग पहले से ही ट्रस्ट के विरोध में रहे हैं, वे इस तरह के मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। प्रकाश गुप्ता ने कहा कि जांच का दायरा बढ़ना अपने आप में अच्छी बात है क्योंकि इससे पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी। उन्होंने कहा कि जांच एजेंसियों को यह तय करना होगा कि वे किस समय से जांच शुरू करें, क्या यह जांच ट्रस्ट के गठन से शुरू होगी या किसी विशेष अवधि से। यह पूरी तरह जांच एजेंसी यानी एसआईटी पर निर्भर करता है कि वह किस दिशा में जांच को आगे बढ़ाती है।

उन्होंने यह भी दोहराया कि ट्रस्ट का इस मामले में किसी तरह का सीधा संबंध नहीं है। उनके अनुसार, बैंक द्वारा नियुक्त कर्मचारी और आउटसोर्स एजेंसी के लोग ही नकदी की गिनती और जमा करने का काम करते थे।

चुनाव आयोग पहुंचा टीएमसी का बागी गुट

ईसीआई चीफ ज्ञानेश कुमार से मिलकर सिंबल पर जताया हक

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने टीएमसी के 10 विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल साथ गुरुवार को चुनाव आयोग से मुलाकात की। यह मुलाकात पार्टी निधि के स्वामित्व को लेकर थी। प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली स्थिति चुनाव आयोग के मुख्यालय में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सहित चुनाव आयोग की पूर्ण पीठ से मुलाकात की।

चुनाव आयोग से मुलाकात के बाद ऋतब्रत बनर्जी ने कहा, जून महीने की 22 तारीख को कोलकाता में हमारा एक प्रतिनिधि सत्र आयोजित हुआ जिसके आधार पर ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस को चुना गया और अरूप राय को ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस (बागी गुट) का चेयरपर्सन चुना गया। जैसे ही हमारी ये विशेष बैठक हुई हमने चुनाव आयोग से 23 तारीख को मिलने के लिए समय मांगा।

ऋतब्रत बनर्जी ने कहा कि हमने चुनाव आयोग से निवेदन किया था कि वे जितने भी सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल को अनुमति देंगे, हम यहां आकर पूरी बेंच से मुलाकात करेंगे।

हम चुनाव आयोग को धन्यवाद देना चाहते हैं कि चुनाव आयोग की पूरी बेंच ने हमसे मुलाकात की। हम उम्मीद करते हैं कि चुनाव आयोग जल्द ही हमसे संपर्क करेगा।

उन्होंने आगे कहा कि हम ही ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस हैं। दो तिहाई से भी ज्यादा विधायक, जिला परिषद के सदस्य, पार्षद आदि सभी हमारे साथ है। ऐसे में (टीएमसी के चुनाव चिन्ह को लेकर) मांग की कोई बात ही नहीं है। जब भी पार्टी में इस तरह का सत्र होता है तो चुनाव आयोग को इसके बारे में तुरंत सूचित किया जाना चाहिए। हम शुक्रगुजार हैं कि पूरी बेंच ने हमसे मुलाकात की।

टीएमसी नेता शुभाशीष दास चुनाव आयोग से मिलने वाले प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा रहे। उन्होंने कहा कि मैं प्रतिनिधिमंडल के साथ था। हमारी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के साथ बैठक हुई। हमें जो कहना था, वह हमने उन्हें बता दिया है और उन्होंने उसे नोट कर लिया है बाद में वे हमें स्थिति के बारे में बताएंगे। हमने पार्टी के चुनाव चिह्न की मांग की।

टीएमसी विधायक संदीपन साहा कि 22 जून 2026 के दिन कोलकाता में हमारी एक बैठक हुई थी और वहां पर राष्ट्रीय कार्य समिति का गठन हुआ है।

नीतीश कुमार मोदी सरकार में नहीं बनेंगे मंत्री 'न इच्छा है और न संभावना'

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। नीतीश कुमार केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री बनने जा रहे हैं, ऐसी खबरें लगातार देखने सुनने को मिल रही हैं। लेकिन क्या ये सच है? क्या सही में बिहार में 20 साल तक सत्ता के शीर्ष पर काबिज रहे पूर्व सीएम नीतीश कुमार अब केंद्रीय मंत्री बनेंगे? इस बात में कितनी सच्चाई है?

नीतीश कुमार का ध्यान अब सिर्फ पार्टी पर :
एनडीए के हमारे विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि नीतीश कुमार का अब पूरा ध्यान अपनी पार्टी जदयू और उसके संगठन पर है। मुख्यमंत्री का पद त्यागने के बाद नीतीश कुमार ने अपना पूरा ध्यान जनता दल यूनाइटेड और उसके संगठन पर झोंक दिया है। नीतीश कुमार अब पार्टी के कील कवच दुरूस्त करने में लगे हैं। जहां कहीं भी उन्हें हल्के विरोध के लक्षण दिख रहे हैं, नीतीश कुमार खुद उसका 'इलाज' कर रहे हैं। उनकी कोशिश यही है कि अगले विधानसभा चुनाव से पहले जदयू बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बन कर उभरे।

नीतीश को केंद्रीय मंत्री पद की इच्छा ही नहीं :
हमारे सूत्र ने हमें साफ बताया कि नीतीश कुमार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल होने को लेकर रत्ती भर भी दिलचस्पी नहीं है। उनकी ऐसी कोई इच्छा नहीं है कि वो केंद्र में मंत्री बने। बिहार में उन्होंने 20 साल तक खुद नेतृत्व किया है, ऐसे में अब किसी के 'अंडर' मंत्री बनकर काम करें, ये बिल्कुल नामुमकिन है। इसलिए अगर ऐसी चर्चा हो रही है कि नीतीश कुमार केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल हो सकते हैं, नरेंद्र मोदी सरकार का हिस्सा बन सकते हैं, तो ये बेसिर पैर की बात है। नीतीश कुमार के अंदर अब न तो केंद्रीय मंत्री बनने की इच्छा है और न ही दूर-दूर तक इसकी कोई संभावना है।

टीआरएस अध्यक्ष कविता हिरासत में

क्या शहीद परिवारों से किया वादा भूली सरकार?

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को हैदराबाद के पास बोडुप्पल में तेलंगाना के शहीदों के परिवारों के लिए जमीन की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने तेलंगाना रक्षाना सेना (टीआरएस) की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता को हिरासत में ले लिया। पुलिस ने टीआरएस के उस विरोध प्रदर्शन को रोक दिया, जिसमें कांग्रेस सरकार से उन तेलंगाना आंदोलनकारियों के परिवारों से किया गया वादा पूरा करने की मांग की जा रही थी, जिन्होंने अलग तेलंगाना राज्य की लड़ाई में हिस्सा लिया और अपनी जान गंवा दी थी।

कब तनावपूर्ण हुआ माहौल :
विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए टीआरएस के सैकड़ों कार्यकर्ता सुबह से ही मेडचल-मलकजगिरी ज़िले के बोडुप्पल पहुंचने लगे थे। हालांकि पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति नहीं दी और टीआरएस कार्यकर्ताओं द्वारा लगाए गए टेंट हटा दिए। इसके बाद प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लेना शुरू कर दिया गया। स्थिति उस समय और तनावपूर्ण हो गई, जब कविता अपने समर्थकों के साथ मेडिपल्ली पहुंचीं और हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एचएमडीए) के लेआउट में आयोजित पूजा में शामिल हुईं।

कैसे शुरू हुई धक्का-मुक्की :
मौके पर तैनात बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों ने महिलाओं समेत प्रदर्शनकारियों को हटाने की कोशिश की। इसका विरोध होने पर दोनों पक्षों के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई की स्थिति बन गई। पुलिसकर्मी कविता को उठाकर पुलिस वाहन तक ले गए। बाद में उन्हें बोलारम पुलिस स्टेशन ले जाया गया। >14

भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में

भारत को मिलेगा प्रतिस्पर्धात्मक लाभ : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि भारत-अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर बातचीत अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। अधिकांश प्रमुख मुद्दों पर सहमति बन चुकी है और दोनों देश ऐसे समझौते की दिशा में काम कर रहे हैं, जिससे भारत को अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर व्यापारिक लाभ मिल सके। इंडो-जापान स्ट्रैटेजिक डायलॉग में बोलते हुए गोयल ने कहा कि वॉशिंगटन में हाल के कानूनी और नीतिगत घटनाक्रमों के बावजूद उन्हें भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर कोई बड़ी बाधा नजर नहीं आती।

उन्होंने कहा, हमें अमेरिका के साथ किसी तरह की कठिनाई नहीं दिख रही है। रियायतों और अन्य अधिकांश पहलुओं पर लगभग सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि भारत ने लगातार यह मांग की है कि उसे अपने प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में बेहतर बाजार पहुंच मिले और अमेरिकी प्रशासन ने इस दृष्टिकोण को समझा है।

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम (आईईईपीए) के तहत लगाए गए टैरिफ को रद्द किए जाने के बाद की स्थिति पर गोयल ने कहा कि अमेरिका अब एक वैकल्पिक व्यवस्था तैयार कर रहा है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त बनी रहे।

खदान हादसा में बिहार के 7 मजदूरों की मौत

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और पीएम मोदी ने जताया शोक, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

बेंगलुरू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बेंगलुरू जिले में एक पत्थर की खदान में हुए भीषण हादसे पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा दुख व्यक्त किया है। इस हादसे में सात मजदूरों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। आशंका जताई जा रही है कि मलबे के नीचे अभी भी कुछ मजदूर फंसे हो सकते हैं, जिसके चलते मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका बनी हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, कर्नाटक के बेंगलुरू शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करती हूं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी हादसे पर शोक जताते हुए कहा, कर्नाटक के बेंगलुरू शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुई दुर्घटना में बहुमूल्य जिंदगियों का जाना बेहद पीड़ादायक है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कर्नाटक के बेंगलुरू शहरी जिले में पत्थर की खदान में हुए हादसे में लोगों की जान जाने की खबर से बेहद दुख हुआ। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि दक्षिण बेंगलुरू तालुक के मदपट्टना में चट्टान टूटने से सात मजदूरों की मौत अत्यंत दुखद है। उन्होंने मृतकों की आत्मा की शांति और घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना की। साथ ही कहा कि खदानों में काम करने वाले मजदूरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना खदान मालिकों की जिम्मेदारी है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी।

अधिकारियों के अनुसार, यह हादसा गुरुवार सुबह करीब पांच बजे बेंगलुरू दक्षिण तालुक के मदपट्टना स्थित एक पत्थर की खदान में हुआ। शुरूआती जानकारी के मुताबिक, उस समय करीब 20 मजदूर खदान में काम कर रहे थे। एक दिन पहले ब्लास्टिंग होने के बाद मजदूर जमीन से लगभग 40 फीट नीचे खुदाई कर रहे थे, तभी अचानक चट्टान का एक बड़ा हिस्सा टूटकर उन पर आ गिरा।

हादसे में मारे गए मजदूरों की पहचान अभी नहीं हो सकी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतक बिहार के प्रवासी मजदूर हैं, जबकि कुछ घायल कर्नाटक के निवासी बताए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री से मिले जनरल धीरज सेठ

थलसेना प्रमुख बनने के बाद पहली मुलाकात

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय थलसेना के नए प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित रक्षा मंत्रालय, कर्तव्य भवन-2 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार भेंट की। जनरल धीरज सेठ के थलसेना प्रमुख का पदभार संभालने के बाद रक्षा मंत्री से हुई यह उनकी पहली मुलाकात रही। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री ने जनरल धीरज सेठ को नई जिम्मेदारी संभालने पर शुभकामनाएं दीं। दोनों के बीच भारतीय सेना की वर्तमान परिचालन तैयारियों, सीमाओं पर सुरक्षा स्थिति, सेना के आधुनिकीकरण, स्वदेशी रक्षा प्रणालियों को बढ़ावा देने तथा भविष्य की चुनौतियों से निपटने की रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श की संभावना जताई जा रही है।

बता दें कि जनरल धीरज सेठ ने हाल ही में भारतीय थलसेना की कमान संभाली है। पदभार ग्रहण करने के साथ ही उन्होंने बुधवार को 'विजय' नामक अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है।

सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई को अंतिम विदाई देने तेहरान जाएंगी महबूबा मुफ्ती, ईरान ने भेजा था न्योता

जम्मू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और इजराइल के हमले में मारे गए ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई का अंतिम संस्कार उनकी हत्या के 4 महीने बाद कराया जा रहा है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत सरकार की ओर से बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा शामिल होंगे। जबकि पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ईरान से न्योता मिलने के बाद अंतिम संस्कार में शामिल होंगी। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख और जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए आधिकारिक न्योता मिलने के बाद उन्हें आखिरी श्रद्धांजलि देने ईरान जा रही हैं। पीडीपी प्रमुख मुफ्ती ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, "यह मेरे लिए बहुत ही सम्मान की बात है,

यह न्योता (ईरान से) मिलना जीवन में एक बार मिलने वाला मौका है। मैं सुप्रीम लीडर को आखिरी श्रद्धांजलि देने के लिए वहां जाऊंगी।" इससे पहले इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान

के सुप्रीम लीडर के ऑफिस में अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग के निदेशक मोहसिन कुम्मी की ओर से महबूबा मुफ्ती को भारत की एक खास मेहमान के तौर पर इस गंभीर अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होने के लिए औपचारिक न्योता भेजा गया। महबूबा ने खामेनेई की हत्या के बाद खुलकर प्रदर्शन जताया था। न्योता पत्र में कहा गया कि ग्रैंड अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई की 28 फरवरी को हत्या कर दी गई थी, और राष्ट्रीय शोक की अवधि तथा इस्लामिक रिपब्लिक के प्रोटोकॉल के अनुसार, तेहरान में 3 से 6 जुलाई तक राजकीय अंतिम संस्कार समारोह आयोजित किया जाएगा। कुम्मी ने अपने न्योते में कहा, "ईरान और भारत को जोड़ने वाले गहरे ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंधों को देखते हुए, मैं भारत की एक खास मेहमान के तौर पर आपको इस गंभीर समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित करना बहुत सम्मान की बात मानता हूं।

महबूबा को लिखे पत्र में कहा गया, "आपकी मौजूदगी हमारी 2 महान प्राचीन सभ्यताओं के बीच गहरी दोस्ती और आपसी सम्मान का सबूत होगी।" कार्यक्रम के अनुसार, सुप्रीम लीडर खामेनेई को कल शुक्रवार (3 जुलाई) को तेहरान में इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसाला कॉम्प्लेक्स में अंतिम विदाई दी जाएगी, फिर अगले दिन श्रद्धांजलि सभा आयोजित होगी। जबकि 6 जुलाई को अंतिम संस्कार जुलूस निकाला जाएगा।

वहीं, भारत की ओर से खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार में बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर) सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्र मार्गेरिटा प्रतिनिधित्व करेंगे। सूत्रों का कहना है कि ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को दिए गए निमंत्रण के बाद, दोनों भारत सरकार की ओर से 3 जुलाई से शुरू होने वाले अंतिम संस्कार समारोह में शामिल होंगे। हालांकि पीएम मोदी के ईरान जाने की उम्मीद नहीं है क्योंकि उनका व्यस्त कार्यक्रम है।

उन्हें विदेश यात्रा के लिए रवाना होना है। इस विदेश यात्रा में पीएम मोदी को इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा करना है। खामेनेई की मौत के बाद पूरे खाड़ी क्षेत्र में सैन्य तनाव बढ़ गया था, कई दिन संघर्ष के बाद अमेरिका के साथ समझौता हुआ और युद्धविराम लागू हो गया। हालांकि जंग की वजह से राजकीय अंतिम संस्कार में देरी हुई। अब यह तेहरान के ग्रैंड मोसाला कॉम्प्लेक्स में उनके पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए रखे जाने के साथ शुरू होगा। 9 जुलाई को मशहद (खामेनेई का गृह नगर) में इमाम रजा दरगाह में दफनाने से पहले तेहरान और पवित्र शहर कोम में जुलूस निकाले जाएंगे।

अगले चुनाव माविगन बनाम अमरावती पर जनमत संग्रह होंगे: पूर्व सीएम जगनमोहन

विजयवाड़ा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। वाईएसआरसीपी प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने अपनी पार्टी के वैकल्पिक राजधानी के विज़न को दोहराया। उन्होंने घोषणा की कि पार्टी अपने मुख्य चुनावी मुद्दे के तौर पर मछलीपट्टनम-विजयवाड़ा-गुंटूर (माविगन) कॉरिडोर प्रस्ताव पर मजबूती से कायम रहेगी। उन्होंने कहा कि अगले विधानसभा चुनाव 'माविगन बनाम अमरावती' पर सीधे जनमत संग्रह होंगे। जगन ने कहा, हम देखेंगे कि जनता हमें कितना समर्थन देती है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि तटीय कॉरिडोर मॉडल अमरावती प्रोजेक्ट का एक सही विकल्प है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमरावती प्रोजेक्ट में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार और बहुत ज़्यादा लागत शामिल है। उन्होंने कहा कि माविगन प्रस्ताव में प्राकृतिक फायदे और पहले से मौजूद इंफ्रास्ट्रक्चर है। उन्होंने कहा कि इस प्रस्ताव को आधिकारिक तौर पर पार्टी के चुनावी अभियान और घोषणापत्र में शामिल किया जाएगा।

हालांकि, पत्रकारों के पूछने पर उन्होंने अपने पहले के तीन-राजधानी वाले प्रस्ताव पर कोई टिप्पणी नहीं की। जगन ने सीएम एन। चंद्रबाबू नायडू पर रियल एस्टेट घोटाला करने का आरोप लगाया। बेंगलुरु और हैदराबाद में 5-स्टार निर्माण की लागत भी केवल 4,500 प्रति वर्ग फुट है: जगन उन्होंने भारी वित्तीय अंतर की ओर इशारा करते हुए दावा किया कि जहां केंद्र सरकार ऑफिस की इमारतें 4,645 प्रति वर्ग फुट की लागत से बनाती है, वहीं राज्य सरकार 52 लाख वर्ग फुट के सचिवालय पर 20,439 प्रति वर्ग फुट की बहुत ज़्यादा लागत खर्च कर रही है।

जगन ने दावा किया, हैदराबाद या बेंगलुरु जैसे शहरों में, फाइव-स्टार निर्माण की लागत भी केवल 4,500 प्रति वर्ग फुट होती है। उन्होंने कहा कि अमरावती की अंदरूनी सड़कें 53 करोड़ प्रति किलोमीटर की लागत से बनाई जा रही हैं, जबकि नेशनल हाईवे की मानक लागत 24 करोड़ प्रति किलोमीटर है।

गर्म चाय पीते ही छात्र की गई जान? डॉक्टर ने बता दिया असली सच

कोलकाता, 2 जुलाई (एजेंसियां)। चाय पीने से क्या किसी की जान जा सकती है? ऐसा सुनने में तो कभी आया नहीं। मगर, अब एक बुरी खबर है। दुर्भाग्य से कोलाकाता में 12वीं के एक छात्र दिप्तांशु महतो की थर्मस से सीधे खौलती गर्म चाय पीने से जान चली गई। मरने से पहले छात्र ने अपने पिता को बता दिया था कि उसने गर्म चाय क्यों पी? मामले में एक एफआईआर दर्ज कराई गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, चाय पीने से बच्चे की मौत का मामला कोलकाता के नरेंद्रपुर स्थित रामकृष्ण मिशन आश्रम का है। यहां मंगलवार को खौलती चाय पीने से बारहवीं के एक छात्र की मौत हो गई। दिप्तांशु महतो के परिवार ने स्कूल अधिकारियों की घोर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। रिपोर्ट में प्रधानाध्यापक स्वामी इष्टेशानंद से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की, जिन्होंने कथित तौर पर अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। छात्रों के साथ मारपीट और उत्पीड़न के आरोप में स्कूल के तीन कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है।

एनएसटीआर ने ब्रीडिंग सीज़न के दौरान कोर एरिया में टूरिज़्म पर रोक लगाई

ओंगोल, 2 जुलाई (एजेंसियां)। वन विभाग ने नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी (एनटीसीए) की सालाना टाइगर ब्रीडिंग सीज़न की गाइडलाइंस के अनुसार, 2 जुलाई से 30 सितंबर तक नागार्जुनसागर-श्रीशैलम टाइगर रिज़र्व (एनएसटीआर) के कोर एरिया में

इको-टूरिज़्म और इंसानों की आवाजाही पर रोक लगा दी है। एनएसटीआर प्रकाशम, कुरनूल और गुंटूर ज़िलों में कुल 3,727.82 वर्ग किलोमीटर में फैला है, जिसमें 2,444 वर्ग किलोमीटर कोर एरिया और 1,283.82 वर्ग किलोमीटर बफ़र एरिया शामिल है।

पुराने प्रकाशम ज़िले में, मरकापुर और गिद्दलूर वन डिवीज़न टाइगर कंजर्वेशन में अहम भूमिका निभाते हैं। मरकापुर डिवीज़न में इको-टूरिज़्म प्रोजेक्ट और कई मशहूर तीर्थ स्थल भी हैं, जहाँ बड़ी संख्या में सैलानी आते हैं। तीन महीने की पाबंदी के दौरान, रिज़र्व के कोर एरिया में सभी इको-टूरिज़्म गतिविधियाँ बंद रहेंगी। नल्लामाला जंगल में लगभग 300 तरह के वन्यजीव पाए जाते हैं, जिनमें बाघ, तेंदुए, भालू, हिरण, सांभर और कई तरह के पक्षी शामिल हैं। यहाँ लगभग 70 तरह के स्तनधारी जीव, 30 तरह के सरीसृप और 100 तरह की तितलियाँ भी पाई जाती हैं। वन अधिकारियों ने बताया कि मॉनसून की शुरुआत कई प्रजातियों के लिए ब्रीडिंग सीज़न की शुरुआत होती है, जबकि बारिश से घास उगती है और जंगल की हरियाली बढ़ती है। पेद्दा डोरनाला फ़ॉरेस्ट रेंज ऑफ़िसर हरि और नेक्कंती फ़ॉरेस्ट रेंज इंचार्ज ऑफ़िसर साई कुमार ने कहा, 2 जुलाई से 30 सितंबर तक का यह तीन महीने का समय मॉनसून की शुरुआत का होता है और बाघों की ब्रीडिंग के लिए बहुत अच्छा होता है।

पति के खर्राटों से परेशान पत्नी ने मांगा तलाक:बोली-वे बहुत अच्छे हैं, पर रातभर जाग नहीं सकती

भोपाल, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिन में पति-पत्नी का रिश्ता सामान्य था, लेकिन रात होते ही पति के तेज खर्राटे दोनों के बीच तनाव की वजह बन जाते थे। लगातार नींद पूरी न होने से परेशान पत्नी ने तलाक लेने का फैसला कर लिया। फैमिली काउंसलर से उसने कहा, वे बहुत अच्छे हैं, पर मैं रातभर जाग नहीं सकती। डॉक्टरों के अनुसार, मोटापा और बदलती जीवनशैली के कारण खर्राटों और स्लीप एपनिया के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं।

यह समस्या केवल स्वास्थ्य तक सीमित नहीं है, बल्कि पारिवारिक और दांपत्य जीवन पर भी असर डाल रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज खर्राटों को सामान्य मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह स्लीप एपनिया का संकेत हो सकता है। इस स्थिति में सोते समय शरीर में ऑक्सीजन का स्तर 95 प्रतिशत से घटकर 50–60 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

'ऐसे कौन से नाम हैं जिनसे बृजभूषण शरण सिंह को भी खतरा'

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर अरविंद केजरीवाल का सवाल

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी के नेता और कैसरगंज से लोकसभा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह का जिक्र करते हुए बड़ा सवाल किया है। केजरीवाल ने सिंह का जिक्र उत्तर प्रदेश स्थित अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में किया। उन्होंने कहा कि इनके एक बड़े नेता हैं बृजभूषण। उनका कहना है कि अगर मैंने मुंह खोला तो बड़े बड़े नाम आएंगे और मुझे खतरा है। ऐसे कौन से नाम है जिनका नाम बृजभूषण को भी खतरा है। बाबा बागेश्वर भी कह रहे हैं कि बड़े नाम शामिल हैं, नाम लिया तो मुझ पर आंच आ सकती है।

ताकतवर लोग भी नाम लेने से डर रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि संजय सिंह घोटाले के दस्तावेज लेकर एसआईटी के पास गए तो जो जवाब मिला वह चौंकाने वाला था। एसआईटी ने कहा कि ज़मीन के घोटाले की जांच नहीं कर रहे हैं। आप नेता ने कहा कि चंदा चोरों के घर बुलडोजर क्यों नहीं चला? अभी तो चंपत राय को ही बचाया जा रहा है लेकिन बात उससे बहुत ऊपर की है। आप नेता ने आरोप लगाया कि जिन लोगों की गिरफ्तारी हुई है वो सारे प्यादे हैं। उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा चोरी के लिए गठित विशेष जांच समिति पर भी सवाल उठाए। केजरीवाल ने कहा कि बिना प्राथमिकी दर्ज किए कौन सी एसआईटी बनती है? दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि साल 2021 में जब अयोध्या में जमीनों से जुड़ी अनियमितिताएं सामने आईं थीं तब भी एक एसआईटी बनाई गई लेकिन कोई एक्शन नहीं हुआ है। मामला एसआईटी बनाकर रफा दफा कर दिया गया।

मुंबई में भारी बारिश, समुद्र से दूर रहने की चेतावनी

15 फीट ऊंची लहरें उठ सकती हैं; मानसून की राजस्थान में 7 दिन की देरी से एंट्री

भोपाल/जयपुर/लखनऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मानसून आने के बाद चार जिलों में भारी बारिश हो रही है। मुंबई, ठाणे, पालघर और रायगढ़ में रेड अलर्ट है। मुंबई में पिछले 24 घंटे में 172एमएम बारिश हुई। बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉर्पोरेशन (बीएमसी) ने गुरुवार दोपहर समुद्र में करीब 15 फीट ऊंची लहरें उठने की चेतावनी दी है। लोगों को समुद्र से दूर रहने की सलाह दी गई है। मानसून ने गुरुवार को 7 दिन की देरी से राजस्थान और 5 दिन की देरी से दिल्ली में एंट्री ली। दिल्ली में आज सुबह से ही तेज बारिश हो रही है। राजस्थान के जयपुर-दौसा समेत 25 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। इधर, मध्य प्रदेश के 7 जिलों में बुधवार को तेज बारिश हुई। इंदौर में बारिश में कार नाले में गिर गई। सीहोर में बारिश के तेज बहाव में बाइक भी बह गईं। खराब मौसम के चलते उत्तराखंड में केदारनाथ यात्रा रोक दी गई है।

जम्मू-कश्मीर में जल्द होगा कैबिनेट विस्तार

सीएम अब्दुल्ला की टीम में 3 नए चेहरे होंगे शामिल

जम्मू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कैबिनेट में फेरबदल और विस्तार पार्टी पर कहा कि यह जंतर-मंतर पर होने वाले विरोध प्रदर्शन के आस-पास होगा। उन्होंने मीडिया में यह घोषणा की और कहा कि कैबिनेट का विस्तार उनकी जिम्मेदारी है और यह जंतर-मंतर विरोध प्रदर्शन के आस-पास, यानी उससे पहले या बाद में होगा। उमर अब्दुल्ला सरकार तीन और मंत्रियों को शामिल कर सकती है, क्योंकि जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत नौ मंत्रियों तक की अनुमति है, जबकि अभी मंत्रिपरिषद की संख्या छह है। इस घोषणा के बाद उन लोगों के बारे में अफवाहों और अटकलों का दौर शुरू हो गया है, जिन्हें हटाया जा सकता है

और जिन्हें उमर अब्दुल्ला कैबिनेट में मौका मिल सकता है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के सूत्रों का कहना है कि कैबिनेट में निश्चित रूप से तीन नए चेहरे शामिल होंगे, लेकिन कैबिनेट के कुछ मौजूदा मंत्रियों के अहम विभाग छिन सकते हैं, और विस्तार के बाद, जब मुख्यमंत्री विभागों का बंटवारा और फेरबदल करेंगे, तो कम से कम दो मौजूदा मंत्रियों को हटाए जाने की संभावना है। जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन मॉनसून सत्र के पहले दिन होगा, जिसके 20 जुलाई से शुरू होने की संभावना है। कुछ मंत्रियों के कामकाज को लेकर पार्टी के भीतर के दबाव की ओर इशारा करते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, '3 जून को हुई दाचीगाम बैठक के बाद कैबिनेट विस्तार की दिशा में आगे बढ़ना जरूरी हो गया है।' बैठक में, सत्ताधारी एनसी के विधायकों और पार्टी का समर्थन कर रहे कुछ निर्दलीय सदस्यों ने फंड के बंटवारे और व्यवहार को लेकर मंत्रियों, खासकर डिप्टी सीएम की कड़ी आलोचना की।

'तमिलनाडु में टीवीके के विधायक तोड़ने के लिए 35-35 करोड़ का खेल शुरू'

संजय राउत का बड़ा आरोप

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में चल रहे सियासी घमासान के बीच शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने बीजेपी के एनडीए गठबंधन पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, मुझे लगता ही कि एक दिन अमित शाह और पीएम मोदी एक साथ बैठकर बोलेंगे की मैं तुझे फोड़ता हूं तु मुझे फोड़, पार्टी तोड़ने के बाकी कोई बचेगा नहीं। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने कहा, दोनों ही एक दूसरे को फोड़ेंगे। बीजेपी को ही फोड़ देंगे। लोगों में पार्टी फोड़ने का इतना नशा है कि अगर कुछ नहीं बचा तो अपनी पार्टी ही फोड़ देंगे। संजय राउत ने आगे आरोप लगाया कि तमिलनाडु में टीवीके के विधायक तोड़ने के लिए 35-35 करोड़ का खेल हो गया।

15 विधायक तोड़कर टीवीके सरकार गिराने की कोशिश की जा रही है। संजय राउत ने कहा, इन लोगों को चैन नहीं है। इन्हें नींद नहीं आती। अगर किसी को एक दिन नहीं तोड़ा तो इन लोगों को नींद नहीं आती। उन्होंने आगे कहा, क्या कर सकते हैं देश का लोकतंत्र इतने नीचे स्तर पर गिर चुका है। आने वाली पीढ़ी को बताना पड़ेगा कि लोकतंत्र था। उन्होंने विपक्ष को लेकर कहा कि विपक्ष क्या करेगा। सेंट्रल एजेंसी और पैसे का इस्तेमाल कर विपक्ष की पार्टियां तोड़ रहे हैं। जिस दिन यह लोग सत्ता में नहीं रहेंगे और सुरक्षा एजेंसियां हमारे पास आएगी तो बीजेपी के 10 मिनट में 10 टुकड़े हो जाएंगे। एक भी पार्टी नहीं बचेगी। न एकनाथ शिंदे, अजीत पवार गुट और न बीजेपी बचेगी।

सिर्फ 1 घंटे के लिए ईडी, सीबीआई हमें दे दो। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सदस्य संजय राउत ने केंद्र और जांच एजेंसियों पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि इस मामले में सिर्फ छोटे लोगों पर कार्रवाई की गई है, जबकि इस मामले में लिप्त गंभीर आरोपियों को भी गिरफ्तार किया जाना चाहिए। संजय राउत ने कहा, सबसे पहले चंपत राय को गिरफ्तार कीजिए। अनिल मिश्रा को गिरफ्तार कीजिए। गोपाल राय को गिरफ्तार कीजिए।

कांग्रेस में नहीं होगा एनसीपी-एसपी का विलय

शरद पवार ने कर दिया साफ

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजनीति से जुड़ी हुई एक बड़ी खबर सामने आ रही है। एनसीपी-एसपी की कांग्रेस में विलय की अटकलों पर शरद पवार ने ब्रेक लगा दिया है। एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने अपनी पार्टी के कांग्रेस में विलय के दावे को खारिज कर दिया है। शरद पवार ने साफ तौर पर कह दिया है कि ना ही हमारी पार्टी में कोई टूट होने जा रही है और ना ही पार्टी का कांग्रेस में विलय होगा। आपको बता दें कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने दावा किया था कि शरद पवार के गुट वाली एनसीपी का जल्द ही उनकी पार्टी में विलय होगा। कांग्रेस नेता ने कहा था कि इसके लिए दिल्ली में हाईकमान के साथ नेताओं की बैठक चल रही है।

हालांकि, अब शरद पवार ने उन सभी अटकलों को खारिज कर दिया है। दरअसल, महाराष्ट्र की राजनीति में बीते कई दिनों से ये चर्चा जारी थी कि क्या शरद पवार अपनी पार्टी का विलय कांग्रेस में करने जा रहे हैं? आपको बता दें कि शरद पवार ने साल 1999 में कांग्रेस का साथ छोड़ दिया था और एक अलग पार्टी नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की स्थापना की थी। हालांकि, साल 2023 में एनसीपी में टूट हो गई। शरद पवार के भतीजे अजित पवार ने बगावत की और एनसीपी उनके हाथों में चली गई। इसके बाद शरद पवार ने एनसीपी (शरदचंद्र पवार) की स्थापना की थी। अजित पवार की एनसीपी भाजपा के नेतृत्व वाले महायुति का हिस्सा बनी और शरद पवार की एनसीपी ने विपक्षी खेमे महाविकास अघाड़ी का साथ दिया।

कल्याण में एक ही स्कूल की 4 नाबालिग छात्राएं लापता राज्यभर में पुलिस कर रही तलाश; सर्च ऑपरेशन जारी

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के कल्याण शहर से एक बेहद हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ही स्कूल में पढ़ने वाली चार नाबालिग छात्राएं रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गई हैं। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है, जबकि परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर छात्राओं की तलाश के लिए टीमें गठित कर दी हैं। घटना बाजारपेठ पुलिस थाना क्षेत्र की है। थाना क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित उर्दू हाईस्कूल में पढ़ने वाली चारों छात्राएं 29 जून को रोज की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थींय। हालांकि, शाम तक वह अपने घर वापस नहीं लौटीं।

परिजनों ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो उन्होंने बाजारपेठ पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस हरकत में आ गई। पुलिस स्कूल परिसर, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। इसके अलावा छात्राओं की मोबाइल लोकेशन, कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) और अन्य तकनीकी साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है।

ग्रेट निकोबार परियोजना: कांग्रेस ने पीएम मोदी को याद दिलाईं पांच याचिकाएं

क्या तबाही की ओर बढ़ रहे हम?

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को विवादास्पद ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इस परियोजना के खिलाफ अपने वर्षों के विरोध को दर्ज किया है, जिसे उन्होंने पर्यावरणीय आपदा की ओर एक कदम करार दिया है।

एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने इस मुद्दे पर अपनी व्यापक सार्वजनिक भागीदारी का एक संकलित संग्रह सार्वजनिक किया, जिसमें सोशल मीडिया पोस्ट, संसदीय हस्तक्षेप और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों के साथ आधिकारिक पत्राचार के साथ-साथ उनकी प्रतिक्रियाएं भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना और उस अद्वितीय जैव विविधता से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र पर इसके विनाशकारी प्रभावों को लेकर पिछले कुछ वर्षों में मेरे व्यापक सार्वजनिक जुड़ाव को जानने में रुचि रही है।

यहां अधिकांश सोशल मीडिया पोस्ट, संसद में दिए गए कुछ संक्षिप्त भाषण और सबसे महत्वपूर्ण विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों को लिखे गए पत्र और उनके जवाबों का संकलन पेश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाना बनाते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यह विशाल विकास परियोजना द्वीप के प्राचीन, जैव

विविधता से समृद्ध पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक विनाशकारी खतरा पैदा करती है। रमेश ने कहा, 'इसमें कोई संदेह नहीं है कि प्रधानमंत्री ग्रेट निकोबार में पर्यावरणीय आपदा की ओर अपना कदम बढ़ाते रहेंगे, इसलिए इस तरह के और भी सार्वजनिक कार्यक्रम होंगे।' उन्होंने जनहितैषी और जागरूक नागरिकों और नागरिक समाज समूहों द्वारा दायर की गई पांच अलग-अलग याचिकाओं पर भी प्रकाश डाला, जिनकी सुनवाई कलकत्ता उच्च न्यायालय में हो रही है।

ये चुनौतियां इस प्रकार हैं।

कैम्पबेल बे राष्ट्रीय उद्यान से संबंधित पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र अधिसूचना के उल्लंघन पर आधारित चुनौती।

गलाथिया राष्ट्रीय उद्यान से संबंधित पर्यावरण संवेदनशील क्षेत्र अधिसूचना के उल्लंघन पर आधारित चुनौती।

वन अधिकार अधिनियम, 2006 और इसके नियम, 2008 के उल्लंघन पर आधारित चुनौती।

तटीय क्षेत्र विनियमन अधिसूचना, 2019 और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 के उल्लंघन पर आधारित चुनौती।

राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के 16 फरवरी, 2026 के आदेश को विभिन्न आधारों पर चुनौती। देश की पारिस्थितिक चेतना की परीक्षा हो रही है।

इस बीच, सरकार के अनुसार, यह परियोजना पूर्व-पश्चिम शिपिंग मार्ग से द्वीप की निकटता (लगभग 40 समुद्री मील की दूरी) का लाभ उठाने और रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों की पूर्ति के साथ-साथ विदेशी ट्रांसशिपमेंट बंदरगाहों पर भारत की निर्भरता को कम करने का प्रयास करती है।

सुविचार
"इच्छाओं का कभी अंत नहीं होता, एक इच्छा पूरी होते ही दूसरी जन्म ले लेती है। सच्चा सुख अपनी वर्तमान स्थिति में संतुष्ट रहने में है।"

एजेंसी क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त इंदिरम्मा आवास आवंटित करने की मांग की

आदिवासी विधायकों ने मुख्यमंत्री से मुलाकात की

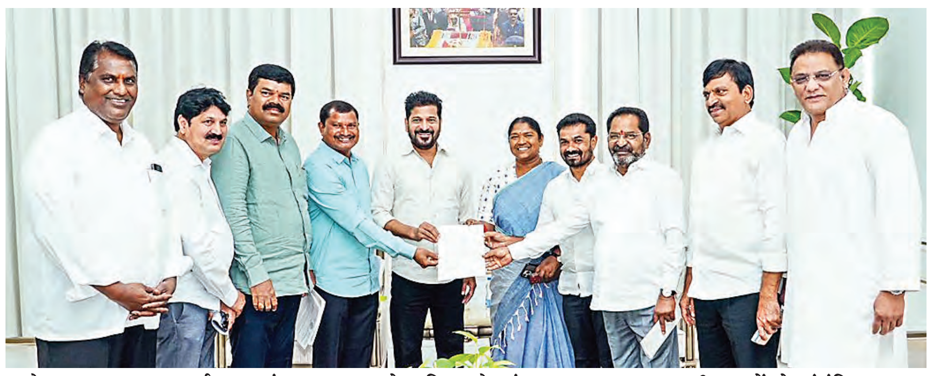

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी एवं जनजातीय विधायकों ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से एजेंसी क्षेत्रों के विधानसभा क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त 2,000 'इंदिरम्मा' आवास आवंटित करने का अनुरोध किया है। पंचायत राज मंत्री सीतक्का के नेतृत्व में आदिवासी विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से मुलाकात कर विभिन्न जनजातीय मुद्दों से संबंधित ज्ञापन सौंपे।

विधायकों ने मुख्यमंत्री से पोडू भूमि के लिए पट्टे जारी करने तथा 'इंदिरा गिरी जल विकासम' योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने की मांग की। उन्होंने जनजातीय आश्रम विद्यालयों को इंटरमीडिएट स्तर तक उन्नत करने और एकीकृत जनजातीय विकास अभिकरणों (आईटीडीए) को और अधिक सशक्त बनाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। प्रतिनिधिमंडल में जारे आदिनारायण, पायम वेंकटेश्वरलु, कोरम कनकैया, तेल्लम वेंकट राव और वेदमा बोज्जु शामिल थे। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, अदलुरी लक्ष्मण तथा अजहरुद्दीन भी उपस्थित रहे। विधायकों ने कहा कि एजेंसी क्षेत्रों के समग्र विकास और आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए इन मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

फर्जी वीजा के सहारे मस्कट जा रहीं 20 महिलाएं हिरासत में

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर बुधवार देर रात फर्जी वीजा के सहारे मस्कट जाने का प्रयास कर रहीं आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले की 20 महिलाओं को आव्रजन अधिकारियों ने हिरासत में ले लिया। अधिकारी सत्यापन के दौरान यात्रा दस्तावेजों में गड़बड़ी मिलने पर महिलाओं को विमान में सवार होने से रोक दिया गया। बाद में उन्हें आगे की जांच के लिए आरजीआईए पुलिस के हवाले कर दिया गया। पूछताछ में महिलाओं ने बताया कि एक ट्रैवल एजेंट ने विदेश में रोजगार दिलाने का झांसा देकर उन्हें कथित रूप से फर्जी वीजा उपलब्ध कराए थे। पुलिस मामले की जांच कर रही है और वीजा धोखाधड़ी में शामिल ट्रैवल एजेंट तथा अन्य संबंधित लोगों की तलाश में जुटी है।

डीएसपी के ठिकानों पर एसीबी की छापेमारी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) एस. भीम रेड्डी के आवास समेत करीब 20 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच के तहत की गई। एसीबी के अधिकारियों ने बताया कि डीएसपी माजिद अली खान की निगरानी में चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान भीम रेड्डी से जुड़ी कई चल और अचल संपत्तियों की जांच की गई। छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में संपत्ति से जुड़े दस्तावेज और अन्य सामग्री मिलने की जानकारी सामने आई है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अधिकारी करीब आठ करोड़ रुपये मूल्य के एक आलीशान विला में रह रहे थे। एसीबी की टीम बरामद संपत्तियों का मूल्यांकन करने और वित्तीय दस्तावेजों की जांच में जुटी हुई है।

भाजपा ने 2028 चुनाव अभियान की शुरूआत की

कांग्रेस और बीआरएस सरकार को निशाना बनाया

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव 2028 के लिए औपचारिक रूप से अपना राजनीतिक अभियान शुरू कर दिया है और राज्य को अपना मिशन तेलंगाना घोषित किया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि कांग्रेस सरकार और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) तेजी से कमजोर हो रही हैं। गुरुवार को जारी एक बयान में, तेलंगाना भाजपा के प्रवक्ता पीएल श्रीनिवास ने कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की हालिया हैदराबाद यात्रा राज्य में प्रमुख विकल्प के रूप में उभरने की पार्टी की दीर्घकालिक रणनीति की शुरूआत है। श्रीनिवास के अनुसार, भाजपा स्थानीय निकाय चुनावों से पहले बूथ स्तर पर विस्तार, संगठनात्मक पुनर्गठन और निरंतर जनसंपर्क के माध्यम से अपने जमीनी नेटवर्क को मजबूत करने की योजना बना रही है, जिसे पार्टी 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारी का एक महत्वपूर्ण कदम मानती है। भाजपा के लिए आगामी नगर निगम चुनाव केवल नागरिक प्रतिस्पर्धा नहीं हैं, बल्कि 2028 के विधानसभा चुनावों से पहले की पहली बड़ी राजनीतिक परीक्षा है। भाजपा ने कांग्रेस सरकार पर दो साल से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद अपने चुनावी वादों को पूरी तरह से लागू करने में विफल रहने का आरोप लगाया, जबकि पिछली बीआरएस सरकार को तेलंगाना को भारी कर्ज के बोझ तले छोड़ने के लिए जिम्मेदार ठहराया। पश्चिम बंगाल में भाजपा के संगठनात्मक विकास का जिक्र करते हुए श्रीनिवास ने कहा कि पार्टी का मानना है कि निरंतर कार्यकर्ता निर्माण और मतदाता संपर्क के माध्यम से तेलंगाना में भी इसी तरह का विस्तार संभव है। भाजपा द्वारा मिशन तेलंगाना की घोषणा 2028 के विधानसभा चुनावों की तैयारी की अग्रिम शुरूआत का संकेत देती है, जिसमें पार्टी सत्ताधारी कांग्रेस और बीआरएस दोनों के मुख्य प्रतिद्वंद्वी के रूप में खुद को स्थापित करने का लक्ष्य रखती है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की हैदराबाद यात्रा महज एक औपचारिक आयोजन से कहीं अधिक थी। यह पार्टी कार्यकर्ताओं, मतदाताओं और सबसे महत्वपूर्ण रूप से सत्ताधारी कांग्रेस और विपक्षी भारत राष्ट्र समिति को दिया गया एक सुनियोजित राजनीतिक संदेश था।

नेपाली श्रमिकों के पंजीकरण की व्यवस्था बनाने का प्रस्ताव

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना नेपाली कल्याण संघ ने राज्य में कार्यरत नेपाली श्रमिकों के लिए एक व्यवस्थित पंजीकरण प्रणाली लागू करने का प्रस्ताव राज्य सरकार को सौंपा है। प्रस्ताव के अनुसार, नेपाली श्रमिकों के पहचान पत्र, आवासीय पता, कार्यस्थल और अन्य आवश्यक विवरण एक केंद्रीय डेटाबेस में दर्ज किए जाएंगे तथा सरकारी स्वीकृति के बाद उन्हें संस्था की ओर से पहचान पत्र जारी किए जाएंगे।

संघ के महासचिव टेक बी. भंडारी ने कहा कि नियोक्ताओं को किसी भी नेपाली श्रमिक को काम पर रखने से पहले उसकी पहचान और दस्तावेजों का सत्यापन करना चाहिए। उन्होंने बताया कि नेपाली नागरिकता प्रमाण पत्र के साथ पासपोर्ट, राष्ट्रीय पहचान पत्र और अन्य दस्तावेजों की भी जांच की जानी चाहिए। संघ का कहना है कि यह व्यवस्था वास्तविक श्रमिकों की पहचान सुनिश्चित करने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस जांच में सहयोग देने में सहायक होगी। साथ ही नियोक्ताओं से नेपाली श्रमिकों की पृष्ठभूमि की पुष्टि के लिए संघ से संपर्क करने की भी अपील की गई है। संघ ने यह भी कहा कि घरेलू कार्यों में नियुक्त महिलाओं की भूमिका को देखते हुए पहचान सत्यापन की प्रक्रिया सभी श्रमिकों के लिए समान रूप से अपनाई जानी चाहिए।

मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट बनाने वालों पर शिकंजा

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस और एच-फास्ट टीम ने मिलावटी अदरक-लहसुन पेस्ट के निर्माण और बिक्री के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। 23 जून को खाद्य सुरक्षा अधिकारी के साथ शास्त्रीपुरम स्थित एक निर्माण इकाई पर छापेमारी के दौरान अधिकारियों ने अस्वच्छ परिस्थितियों में पेस्ट तैयार होते पाया।

जांच में घटिया गुणवत्ता के कच्चे माल के इस्तेमाल की भी जानकारी सामने आई। इससे पहले मार्च में कटेदान स्थित एक अन्य इकाई पर कार्रवाई करते हुए 4,032 किलोग्राम अदरक-लहसुन पेस्ट तथा 6,200 किलोग्राम से अधिक निम्न गुणवत्ता का कच्चा माल और अन्य सामग्री, जिसकी अनुमानित कीमत 22 लाख रुपये बताई गई, जब्त की गई थी। अधिकारियों के अनुसार, बिना खाद्य सुरक्षा प्रमाणपत्र के उत्पादों को खुले में रखा जा रहा था और उनकी आपूर्ति शहर के थोक किराना दुकानों, रेस्तरां तथा खानपान सेवाओं को की जा रही थी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने ऐसे मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों के सेवन से फूड पॉइजनिंग, पेट संबंधी संक्रमण, उल्टी, दस्त और एलर्जी जैसी समस्याओं का खतरा बताया है।

डायलिसिस तकनीशियनों और नर्सों के लिए सीएमई कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीडीसी किडनी केयर ने गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के सहयोग से सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें तेलंगाना के विभिन्न जिलों से 200 से अधिक डायलिसिस तकनीशियन और नर्सिंग पेशेवरों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य नेफ्रोलॉजी और डायलिसिस प्रबंधन से जुड़े नवीनतम ज्ञान, व्यावहारिक अनुभव और वैज्ञानिक उपचार पद्धतियों की जानकारी देकर स्वास्थ्यकर्मियों की दक्षता बढ़ाना था। इस दौरान डायलिसिस प्रक्रिया की गुणवत्ता, मरीजों की सुरक्षा और उपचार संबंधी मानकों पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में 14 नेफ्रोलॉजी विशेषज्ञों और वरिष्ठ चिकित्सकों ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। इनमें डॉ. मंजुषा यादला, डॉ. श्रीनिवास, डॉ. श्रीकांत तथा महबूबाबाद जिला अस्पताल के नेफ्रोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. हरिप्रसाद सहित कई विशेषज्ञ शामिल रहे।

मतदाता सूची सत्यापन को लेकर दुबई में तेलंगाना के प्रवासी श्रमिक चिंतित

दुबई, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान को लेकर दुबई में रह रहे तेलंगाना के प्रवासी श्रमिकों में चिंता बढ़ गई है। सोनापुर क्षेत्र में रहने वाले हजारों भारतीय श्रमिकों को आशंका है कि मतदाता सूची में नाम बनाए रखने के लिए उन्हें दस्तावेजों के सत्यापन हेतु भारत लौटना पड़ सकता है। कई प्रवासियों का कहना है कि उनके पास मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेज हैं, लेकिन आधिकारिक अभिलेखों में विसंगतियों और सत्यापन प्रक्रिया को लेकर असमंजस बना हुआ है। उनका कहना है कि अचानक भारत लौटने पर हवाई यात्रा का अतिरिक्त खर्च और रोजगार प्रभावित होने का खतरा है। प्रवासी श्रमिकों ने स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की मांग की है ताकि उन्हें अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े। उनका कहना है कि फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि किन परिस्थितियों में अतिरिक्त दस्तावेज मांगे जाएंगे और सत्यापन के लिए कौन-कौन से प्रमाण स्वीकार किए जाएंगे।

बुजुर्ग महिला की मौत

मंचेरियल, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के रेपालेवाड़ा गांव में गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-363 पार करते समय तेज रफ्तार लॉरी की चपेट में आने से 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतका की पहचान कट्टेकोला भूदेवी, पत्नी चंद्रैया, के रूप में हुई है। बताया गया कि दुर्घटना के समय लॉरी मंचेरियल की ओर जा रही थी। हादसे में गंभीर रूप से घायल भूदेवी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण लॉरी चालक की तेज और लापरवाहीपूर्ण ड्राइविंग बताया है। मामले की जांच की जा रही है।

280 एकड़ भूमि को आरक्षित वन घोषित करने की अधिसूचना जारी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने रंगारेड्डी जिले के शमशाबाद डिवीजन के मनखल गांव स्थित 280.09 एकड़ भूमि को सरदारनगर प्रस्तावित आरक्षित वन घोषित करने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। यह भूमि वर्ष 1977 में सामाजिक वानिकी विभाग को वृक्षारोपण और वन संरक्षण कार्यों के लिए आवंटित की गई थी। बाद में सामाजिक वानिकी और प्रादेशिक वन विभाग के विलय के बाद इसे आरक्षित वन घोषित करने का प्रस्ताव रखा गया, लेकिन प्रशासनिक कारणों और न्यायालयी मामलों के चलते यह प्रक्रिया करीब 25 वर्षों तक लंबित रही। हाल ही में वन विभाग ने भूमि का नया सर्वेक्षण कराया, अभिलेखों का सत्यापन किया और सभी आवश्यक वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करने के बाद सरकार ने जीओएम संख्या-21 जारी कर अधिसूचना प्रकाशित की। अधिकारियों के अनुसार, यह अधिसूचना क्षेत्र को आरक्षित वन घोषित करने की कानूनी प्रक्रिया का महत्वपूर्ण चरण है और अंतिम अधिसूचना जारी होने तक भूमि को कानूनी संरक्षण प्रदान करेगी।

तुरंत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए सरकार : बीआरएस

केटीआर ने कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने गुरुवार को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और उनके मंत्रिमंडल के मंत्रियों पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर राज्य के कर्ज पर बहस से कायरतापूर्ण तरीके से पीछे हटने का आरोप लगाया। गुरुवार को तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए केटी रामाराव ने कहा कि पूरे राज्य ने सत्ताधारी दल की घोर कायरता देखी, जिसने खुलेआम चुनौतियां देने के बाद पीछे हट गया। उन्होंने खुलासा किया कि पार्टी ने तेलंगाना भवन में विशेष रूप से एक कुर्सी और शॉल का इंतजाम किया था और मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव के लिए तीन घंटे से अधिक समय तक इंतजार किया, जिन्होंने बीआरएस मुख्यालय आने का दावा किया था। केटीआर ने कहा, मंत्री आने के बजाय छिप गए, और सरकार ने कहीं और तमाशा रचा। बीआरएस के वरिष्ठ नेता टी. हरीश राव और अन्य प्रमुख हस्तियों की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए, जो बहस के लिए गन पार्क जा रहे थे, केटी रामाराव ने इस कार्रवाई को कायरता का शर्मनाक प्रदर्शन बताया। इसे लोकतांत्रिक अधिकारों पर एक स्पष्ट हमला बताते हुए, केटीआर ने इस तथ्य की कड़ी निंदा की कि जब उन्होंने पैदल गन पार्क जाने का प्रयास किया तो प्रवेश द्वार पर ही पुलिसकर्मियों द्वारा उन्हें गैरकानूनी रूप से रोका गया। इस सरकार में लोकतांत्रिक बहस में हमारा सामना करने का साहस नहीं है। सुरक्षित ठिकानों में बैठकर चुनौती देना और विपक्ष को दबाने के लिए पुलिस बल का इस्तेमाल करना इस शासन की नैतिक गिरावट को उजागर करता है। उन्होंने कंचनबाग पुलिस स्टेशन में हिरासत में लिए गए लोगों से नेताओं को मिलने से रोकने के लिए पुलिस की कड़ी निंदा भी की। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री को चुनौती दी कि यदि सरकार में तथ्यों का सामना करने का साहस है तो वह तुरंत विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए। उन्होंने जोर देकर कहा, हमारे माइक्रोफोन अचानक बंद किए बिना हमें बोलने का मौका दें, और हम इस कांग्रेस शासन के ढाई साल के खोखले शासन और भ्रष्टाचार को पूरी तरह से उजागर करेंगे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह अपनी प्रशासनिक विफलताओं और 420 अधूरे चुनावी वादों से जनता का ध्यान हटाने के लिए 'शिखंडी राजनीति' का सहारा ले रही है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, JAYPRAKASH PARIHAR, aged 52 years, S/o. Ajitsingh Parihar, Resident of Plot No. 88, Ground Floor, Rainbow Meadows, Kistareddypet, Ameenpur, Sangareddy, Telangana - 502319, have changed my name to JAYPRAKASH AJITSINGH PARIHAR, vide affidavit dated: 02/07/2026 before Notary : Smt. I Padmaja, L.L.M., Hyderabad

I, Perveen Begum, W/o, No. 14520076, Ex- Sep, Late, Syed Karimullasha Khader, R/o, Dist: Visakhapatnam, Andhra Pradesh, changed my name from Perveen Begum to Mahamooda Mariyam, vide Affidavit No. BU 316236 dt. 01.07.2026, before Spl Judicial Magistrate at L B Nagar.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन ने पूरे किए 110 वर्ष

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के ऐतिहासिक काचीगुडा रेलवे स्टेशन ने सार्वजनिक सेवा के 110 वर्ष पूरे कर लिए हैं।

10 जून 1916 को तत्कालीन निजाम मीर उस्मान अली खान के शासनकाल में शुरू हुआ यह स्टेशन अपनी गोथिक शैली की वास्तुकला, भव्य गुंबदों और मीनारों के लिए प्रसिद्ध है तथा इसे विरासत संरचना का दर्जा प्राप्त है। दक्षिण मध्य रेलवे ने आधुनिकीकरण के बावजूद स्टेशन की ऐतिहासिक पहचान को सुरक्षित रखा है। यह स्टेशन हैदराबाद डिवीजन का मुख्यालय होने के साथ दिल्ली, बेंगलुरू, चेन्नई, तिरुपति, मैसूरु, इंदौर, भोपाल, मदुरै, मंगलुरु और नांदेड़ सहित कई प्रमुख शहरों के लिए रेल सेवाएं उपलब्ध कराता है। प्रतिदिन लगभग 50 हजार यात्री यहां से यात्रा करते हैं। स्टेशन सौर ऊर्जा प्रणाली से लैस है और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कई सम्मान भी प्राप्त कर चुका है। परिसर में स्थित काचीगुडा रेल संग्रहालय भी आकर्षण का केंद्र है, जहां पुराने सिग्नलिंग उपकरण, रेलवे टिकट, लोकोमोटिव मॉडल, ऐतिहासिक कलाकृतियां और वर्ष 1907 का स्टीम इंजन "सर एलेक" प्रदर्शित किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, काचीगुडा रेलवे स्टेशन आज भी अपनी ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक रेलवे सुविधाओं के संतुलित स्वरूप के लिए जाना जाता है।

हैदराबाद में घट रही कौवों की संख्या पर होगा सर्वे

संगारेड्डी, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में कौवों की घटती संख्या की चर्चाओं के बीच हैदराबाद बर्ड एटलस (एचबीए) ने उनके संरक्षण और वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए विशेष सर्वेक्षण शुरू करने का निर्णय लिया है। सर्वेक्षण का चौथा चरण 4 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें आउटर रिंग रोड (ओआरआर) के भीतर 180 स्थानों पर 22 दिनों तक पक्षियों की संख्या, आवास और व्यवहार का अध्ययन किया जाएगा।

एचबीए के संयोजक श्रीराम रेड्डी ने बताया कि सर्वेक्षण के आधार पर यह पता लगाया जाएगा कि शहर में कौवों की संख्या वास्तव में कम हो रही है या वे कुछ क्षेत्रों तक सीमित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सटीक निष्कर्ष के लिए अलग-अलग मौसमों में लगातार सर्वेक्षण किए जाएंगे। हाल के दिनों में पिंडदान के दौरान कौवे के नहीं आने से जुड़े एक वीडियो के वायरल होने और पक्षी बचाव दल द्वारा भी कौवों की संख्या में कमी महसूस किए जाने के बाद इस विषय पर चर्चा तेज हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस अध्ययन से कौवों के संरक्षण और उनके आवास की स्थिति को समझने में मदद मिलेगी।

भाकृ अनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500 959

विज्ञापन सं.08/2026/एनआईसीआरए

साक्षात्कार के माध्यम से दि.16-07-2026 के 10.00 बजे अस्थाई तौर पर सीनियर रीसर्च फेलो (05- पद) & यंग प्रोफेशनल -II (01-पद) के पदों को भरा जायेगा। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासन अधिकारी

भाकृ अनुप-केंद्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-500 959

विज्ञापन सं.09/2026/सीआरआईडीए

साक्षात्कार के माध्यम से दि.21-07-2026 के 10.00 बजे अस्थाई तौर पर यंग प्रोफेशनल-I (3 पद) के पदों को भरा जायेगा। अधिक जानकारी हेतु http://www.icar-crida.res.in/ पर जाएं।

हस्ता./-
सहायक प्रशासन अधिकारी

भारत-नेपाल बॉर्डर पर एसएसबी का बड़ा एक्शन, 28 चीनी बैटरी और 160 लीटर डीजल के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

अररिया, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के अररिया जिले में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी ने बड़ी कार्रवाई की है। एसएसबी के जवानों ने दो अलग-अलग स्थानों पर छापेमारी कर 28 पीस चाइनीज बैटरी और 8 प्लास्टिक कंटेनरों में भरा 160 लीटर डीजल बरामद किया है। इस दौरान मौके से तीन शातिर तस्करों को भी दबोचा गया है। एसएसबी अधिकारियों ने तस्करी में इस्तेमाल होने वाले एक ऑटो और दो साइकिलों को भी मौके से जब्त कर लिया है। इन सभी जब्त सामानों को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए फारबिसगंज कस्टम विभाग के सुपुर्द कर दिया गया है। सीमा पर लगातार हो रही इस तरह की सख्त कार्रवाई से तस्करों के बीच हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार, एसएसबी 52वीं वाहिनी लेलोकर कंपनी की बाहरी सीमा चौकी डुमरिया के जवानों ने सघन चेकिंग अभियान चलाया था।

'जो शॉर्टकट करेगा वो जेल जाएगा'

सीएम सम्राट बोले- मंत्री-विधायक से लेकर अधिकारी तक को गड़बड़ करने पर छोड़ा नहीं जाता

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पटना में आज बिहार सतर्कता जागरूकता दिवस के मौके पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसमें बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने अपने भाषण में कहा, देश के स्तर पर भ्रष्टाचार को रोकने और पारदर्शिता लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में विजिलेंस (सतर्कता) के व्यापक जागरूकता अभियान चलाए जाते हैं।

उन्होंने कहा, बिहार में भी 80 साल हो चुके हैं। यहां भी विशेष जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। ऐसे में पूरे बिहार में इस अभियान को चलाया जाएगा। इस दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने बिहार सतर्कता जागरूकता सप्ताह का शुभारंभ किया। यानी

कि पूरे एक हफ्ते यह अभियान राज्य में चलेगा। साथ ही उन्होंने विजिलेंस टीम को कैसे और किस तरह से काम करना है, इसके बारे में बताया। सीएम सम्राट चौधरी ने इस दौरान ट्रिपल 'टी' का जिक्र किया। उन्होंने कहा, ट्रिपल 'टी' यानी कि टेक्नोलॉजी, ट्रांसपेरेंसी और ट्रस्ट की शुरुआत कर रहे हैं। साथ ही सीएम ने विजिलेंस यूनिट के अच्छा काम करने को लेकर तारीफ भी की है। इसके अलावा उन्होंने गड़बड़ करने वालों को चेतावनी दी। उन्होंने कहा, बिहार में शॉर्टकट नहीं चलेगा।

जो शॉर्टकट करेगा वह बेऊर जाएगा। बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर उन्होंने अपनी बात रखी। सीएम सम्राट ने कहा, नेता, मंत्री और विधायक से लेकर अधिकारी तक, जो भी गड़बड़ी करते हैं, उन्हें छोड़ा नहीं जाता है। काम करने के लिए भी हमने समय सीमा तय कर दी है। किसी भी समस्या का 30 दिन में निपटारा करना है। कोई भी गलत आदेश देते हैं तो उसकी शिकायत कीजिए। साथ ही भ्रष्टाचारियों पर शिकंजा कसने का भी निर्देश दिया।

बंदूक की नोक पर पिता को किया कमरे में बंद, फिर 18 वर्षीय बेटी के साथ जो हुआ दहला देगी ये वारदात

शामली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। जिले के कांधला कस्बे में अज्ञात लोगों ने 18 वर्षीय एक लड़की की उसके घर में कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। मृतक लड़की की पहचान हिना पुत्री अहसान के रूप में हुई, जो संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। थाना प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, 2 अज्ञात लोग घर में घुस आए, उन्हें बंदूक की नोक पर दूसरे कमरे में बंधक बना लिया और घटनास्थल से भागने से पहले उनकी बेटी की गला दबाकर हत्या कर दी। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों को संदेह है कि हत्या प्रेम प्रसंग से जुड़ी हो सकती है,

'आरोपी नशे की हालत में था'

मस्जिद में शराब की बोतल फेंकने वाले की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद एचसी की रोक

प्रयागराज, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने धार्मिक भावनाओं को भड़काने के आरोपित की गिरफ्तारी पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। आरोप है कि उसने नशे की हालत में मस्जिद में शराब की बोतल फेंकी, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने दिया है। कहा है कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि चूंकि याची नशे की हालत में था, इसलिए उसका धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं रहा होगा।

आजमगढ़ की सिधारी पुलिस ने याची विक्रांत सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 298 (किसी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप है कि नशे की हालत में उसने शराब की वह बोतल मस्जिद में फेंक दी, जिससे वह पी रहा था।

गिरने पर बोतल टूट गई। पुलिस का दावा है कि इस हरकत से दूसरे समुदाय की धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। संबंधित एफआइआर को चुनौती देने वाली याचिका स्वीकार करते हुए खंडपीठ ने टिप्पणी की 'पहली नजर में याची नशे की हालत में था और ऐसा लगता है कि उसका धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा नहीं रहा होगा।' बेंच ने प्रतिवादियों को नोटिस भी जारी किया और उन्हें जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया। प्रकरण में आदेश के लिए 14 जुलाई की तारीख तय की गई है। खंडपीठ ने कहा कि अगले आदेश तक याची को इस मामले में गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

मौलाना मदनी बोले

संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है एसआईआर

सहारनपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। जमीयत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने एसआईआर प्रक्रिया को निष्पक्षता पर सवाल उठाए है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची का पुनरीक्षण पहले भी होता रहा है, लेकिन वर्तमान एसआईआरर की कार्यप्रणाली और उसके संभावित परिणामों को लेकर व्यापक आशंकाएं पैदा हुई हैं। जारी बयान में मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि एसआईआर केवल मतदाता सूची नहीं बल्कि नागरिकों के संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर विषय है। बड़ी संख्या में लोग विभिन्न दस्तावेज जमा करने और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं, फिर भी उनके नाम मतदाता सूची में बने रहने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। उन्होंने कहा कि एसआईआर कहीं एनआरसी का नया स्वरूप न बन जाए। विभिन्न राज्यों से मिल रही जानकारियां इन आशंकाओं को बल देती हैं। कई स्थानों पर विशेष रूप से मुस्लिम मतदाताओं को निशाना बनाए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं।

पश्चिम बंगाल में बड़ी संख्या में मतदाताओं को संदिग्ध बताया गया है। मदनी ने नागरिकों से सभी आवश्यक दस्तावेज पहले से तैयार रखने और बिना पूरी जानकारी के कोई भी प्रपत्र जमा न करने की अपील की और कहा कि एसआइआर की आड़ में नागरिक अधिकारों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चंपत राय-अनिल मिश्रा ट्रस्ट में रहेंगे या नहीं?

इस्तीफे पर होगी वोटिंग; दो तिहाई लोगों की जरूरत

अयोध्या, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर ट्रस्ट सूत्रों से ट्रस्ट की आगामी बैठक के बायलॉज से जुड़ी बड़ी जानकारी सामने आ रही है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक 6 जुलाई को होगी। सूत्रों के अनुसार महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ। अनिल मिश्र के इस्तीफों पर अंतिम निर्णय ट्रस्ट के बायलॉज के अनुसार वोटिंग से होगा। दोनों को इस्तीफा स्वीकार करने के लिए दो-तिहाई बहुमत जरूरी होगा। ट्रस्ट के बायलॉज में किसी पदाधिकारी को सिर्फ उसके पद एवं दायित्व से मुक्त करने का प्रावधान है। यदि चंपत राय को महासचिव पद से और अनिल मिश्र को हटाया भी जाता है तो वे ट्रस्ट के आजीवन सदस्य बने रहेंगे।

यही व्यवस्था अन्य पदाधिकारियों पर भी लागू होती है। वर्तमान में ट्रस्ट के 14 सदस्यों में से दो सदस्य इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में बैठक में 12 ट्रस्टियों की राय ली जाएगी। बता दें कि चंपत राय और अनिल मिश्रा ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले के बाद इस्तीफा दे दिया था। ट्रस्ट ने कहा कि वह समस्त रामभक्तों के प्रतिनिधि के रूप में मामले की न्यायपूर्ण जांच और श्रद्धालुओं का विश्वास बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ट्रस्ट ने बताया कि उसके महामंत्री चंपत राय और न्यासी अनिल मिश्र से त्यागपत्र प्राप्त हो गए हैं। इन त्यागपत्रों पर ट्रस्ट की आगामी बैठक में विचार किया जाएगा। राम मंदिर चढ़ावे में गड़बड़ी के मामले में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के समर्थन में उनके परिजन और स्थानीय लोग सामने आए हैं। उन्होंने चंपत राय पर लगाए जा रहे आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया और कहा कि उनका जीवन हमेशा सादगी, ईमानदारी और समाज सेवा के लिए समर्पित रहा है। उनका कहना है कि चंपत राय को जानबूझकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही है।

101 करोड़ के सरकारी जमीन घोटाले में बड़ा खुलासा, सहायक नगर आयुक्त गिरफ्तार

संभल, 2 जुलाई (एजेंसियां)। मुरादाबाद-संभल हाईवे किनारे 38 बीघा करीब 101 करोड़ रुपये मूल्य की सरकारी जमीन के घोटाले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए, वर्तमान में नगर निगम शाहजहांपुर में तैनात सहायक नगर आयुक्त और संभल नगर पालिका के तत्कालीन अधिशासी अधिकारी राजकुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि राजकुमार गुप्ता को बुधवार को शाहजहांपुर स्थित कार्यालय से पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था। पूछताछ के दौरान वह कई महत्वपूर्ण सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। इसके बाद उन्हें थाना कोतवाली संभल में दर्ज मुकदमा संख्या 162/2026 में नामजद करते हुए गिरफ्तार कर लिया गया। जांच में सामने आया है कि मुरादाबाद-संभल हाईवे किनारे सरकारी जमीन को फर्जी दस्तावेजों, अधिकारियों की साठगांठ और वर्ष 2013 में अधिशासी अधिकारी रहते हुए इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल शपथ पत्र के माध्यम से निजी लोगों के पक्ष में कराने का प्रयास किया गया, जिससे सरकार को 101 करोड़ रुपये से अधिक की क्षति पहुंची।

अगले 4 दिनों तक खराब रहेगा बिहार का मौसम

30 जिलों में आंधी-बारिश और बिजली गिरने की चेतावनी

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून एक्टिव है, लेकिन इसके बीच मौसम विभाग ने राज्य के 30 जिलों के लिए आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली का अलर्ट जारी किया है। इनमें 4 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट और 26 जिलों के लिए येलो अलर्ट घोषित किया गया है। विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। कुछ स्थानों पर 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है। साथ ही आकाशीय बिजली गिरने का भी खतरा बना हुआ है।

पिछले 24 घंटे के दौरान पटना, बेगूसराय, सीवान, मधेपुरा, सुपौल, गया, नालंदा, बगहा, जहानाबाद और पूर्णिया में अच्छी बारिश दर्ज की गई। वहीं बांका, बक्सर और औरंगाबाद में बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग के मुताबिक 3 जुलाई को पटना समेत दक्षिण और मध्य बिहार के कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश जारी रहेगी। वहीं

कैमूर, सासाराम और गया में तेज बारिश की संभावना है। 4 से 6 जुलाई के बीच मुजफ्फरपुर, बगहा, मधेपुरा, सहरसा, गोपालगंज और उत्तर-पूर्व बिहार के कई जिलों में भारी बारिश हो सकती है। बारिश के मौजूदा दौर के बावजूद मौसम विभाग ने जुलाई को लेकर चिंता जताई है। विभाग का अनुमान है कि इस महीने सामान्य से कम बारिश होगी, जबकि अधिकतम और न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रह सकता है। जुलाई में अधिकतम तापमान 32 से 34 डिग्री और न्यूनतम 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। जुलाई धान की रोपनी का सबसे महत्वपूर्ण महीना माना जाता है। ऐसे में बारिश कम होने पर किसानों को सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भर रहना पड़ सकता है। वहीं उमस और अधिक तापमान के कारण हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और मौसमी बीमारियों का खतरा भी बढ़ सकता है। जून में भी बिहार में सामान्य से 46 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई थी, जिससे मानसून की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है।

राम मंदिर मामले में नया मोड़

ट्रस्ट सदस्य महंत दिनेंद्र दास बोले- पूरे विवाद के लिए गोपाल राव जिम्मेदार हैं

लखनऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य महंत दिनेंद्र दास महाराज ने राम मंदिर दान गबन मामले को लेकर मंदिर के सहायक प्रशासक गोपाल राव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इस पूरे विवाद के लिए गोपाल राव जिम्मेदार हैं और वह मंदिर की परंपराओं से हटकर राजनीति कर रहे हैं। महंत दिनेंद्र दास ने कहा कि उत्तर प्रदेश के ट्रस्टी भगवान राम की परंपराओं का पालन करते हैं, जबकि गोपाल राव ऐसा नहीं करते।

उनके अनुसार गोपाल राव अनावश्यक रूप से मामले को उलझाते हैं और इसी वजह से यह विवाद गहराया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर प्रशासन में राजनीति का माहौल बनाया जा रहा है। उधर, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआईटी) की जांच निष्पक्ष होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए, लेकिन निर्दोष लोगों को भी बेवजह मामले में नहीं घसीटना चाहिए। उनका कहना था कि कुछ ऐसे लोगों से भी पूछताछ की जा रही है जिनका इस मामले से कोई संबंध नहीं है। प्रकाश गुप्ता ने बताया कि जिन लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है, उनके खिलाफ न्यायिक प्रक्रिया कानून के अनुसार आगे बढ़ेगी। अदालत में सुनवाई निर्धारित तिथियों पर होगी और आवश्यकता पड़ने पर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भी पेशी कराई जाएगी। इस बीच, उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी ने समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि एसआईटी निष्पक्ष जांच कर रही है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। भाजपा के राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा ने भी कहा कि मामले में एफआईआर दर्ज की जा चुकी है और अब तक आठ लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

'हिंसा का विषैला वातावरण'

महुआ मोइत्रा पर फेंके अंडे तो अखिलेश यादव ने सुनाई खरी-खरी

लखनऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा पर बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा अंडे फेंके गए हैं। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया है कि पुलिस की मौजूदगी में यह घटना घटी है। अब इस मामले ने राजनीतिक रुप ले लिया है। अंडे फेंके जाने की घटना पर आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं। इस बीच अखिलेश यादव ने घटना की कड़े शब्दों में निंदा की है। अखिलेश यादव ने महुआ मोइत्रा का वीडियो शेयर कर बीजेपी पर निशाना भी साधा है। उन्होंने लिखा, बीजेपी अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके बीजेपी शासित राज्यों विशेषकर प। बंगाल में राजनीतिक हिंसा का विषैला वातावरण बना रही है और पुलिस का राजनीतिकरण कर रही है। इस नकारात्मक-प्रहारात्मक व्यवहार से पूरे देश की जनता बेहद नाराज़ और आक्रोशित है। अखिलेश यादव ने आगे कहा, यहां तक कि बीजेपी के अपने नेता और कार्यकर्ता तक इस तरह के हिंसक हमलों के खिलाफ हैं, क्योंकि उन्हें लग रहा है कि आज जहाँ उनकी सरकारें नहीं हैं, वहाँ बीजेपीइयों और उनके संगी-साथियों के ऊपर अगर ऐसा प्राणघातक हमला होना शुरू हो गया तो क्या होगा या फिर कल को उनकी सरकार जाने के बाद क्या होगा। सपा चीफ अखिलेश यादव ने बीजेपी के बड़े नेता तो सुरक्षा घेरे में खुद को बचा लेंगे लेकिन आम कार्यकर्ता को सड़क पर जनाक्रोश का शिकार होने के लिए छोड़ देंगे। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से संज्ञान लेने के लिए कहा है। उन्होंने कहा, न्यायालय एवं लोकसभा अध्यक्ष तत्काल संज्ञान लें। यह घोर निंदनीय है। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ मोइत्रा ने बुधवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल के नादिया जिले में पार्टी विधायक अलीफा अहमद के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने उन पर अंडे फेंके और उनके खिलाफ नारेबाजी की। मोइत्रा कालीगंज के पलाशी में अहमद के घर पर तृणमूल की बैठक में शामिल होने गई थीं, तभी बाहर प्रदर्शनकारियों का एक समूह जमा हो गया और 'वापस जाओ' के नारे लगाने लगा। आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने अंडे भी फेंके और "चोर" के नारे लगाए। मोइत्रा ने सोशल मीडिया पर इस घटना का एक वीडियो साझा किया और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आरोप लगाया।

'गलत एनकाउंटर करने वालों को मिले कड़ी सजा' भरत तिवारी मामले में बोलीं विधायक मैथिली ठाकुर

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के भोजपुर जिले के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले पर बीजेपी की अलीनगर (दरभंगा) विधायक मैथिली ठाकुर ने बयान दिया है। उन्होंने इस एनकाउंटर को पूरी तरह गलत बताते हुए कहा कि जो एनकाउंटर की घटना (भरत तिवारी एनकाउंटर मामला) हुई, उसमें गंभीर अनियमितताएं शामिल थीं। उन्होंने आगे कहा कि मुझे लगता है कि जिस पुलिस अधिकारी ने यह गलत काम किया, उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। सरकार ने भी इस मामले का संज्ञान लिया है, और मेरा मानना है कि तुरंत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

वहीं विपक्ष द्वारा बिहार में कानून-व्यवस्था को लेकर उठाए जा रहे सवालों पर अलीनगर विधायक मैथिली ठाकुर ने कहा कि समय-समय पर उनके बयान आते रहते हैं उन्हें इस पर कुछ नहीं कहना है। उन्होंने बताया कि राज्य में कानून-व्यवस्था निश्चित रूप से और सख्त हुई है। कोई भी अपराधी अब अपराध करने से निश्चित रूप से डरता है। साथ ही उन्होंने अपने विधानसभा का क्षेत्र का जिक्र करते हुए कहा कि मैंने व्यक्तिगत रूप से अपने निर्वाचन क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति में सुधार देखा है।

भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में

रोहिणी आचार्य ने पुलिस अधिकारी की नई पोस्टिंग पर उठाए सवाल

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजद अध्यक्ष लालू यादव की पुत्री रोहिणी आचार्य ने भोजपुर के चर्चित भरत तिवारी कथित फर्जी एनकाउंटर मामले को लेकर बिहार सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने मामले में नामजद आरोपी रहे जगदीशपुर के तत्कालीन एसडीपीओ राजेश कुमार शर्मा को नई जिम्मेदारी दिए जाने पर सवाल उठाते हुए इसे आरोपी अधिकारी को 'पुरस्कृत' किए जाने जैसा बताया है। साथ ही उन्होंने जांच की धीमी गति और मामले में पारदर्शिता को लेकर भी सरकार तथा पुलिस प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया। रोहिणी आचार्य ने गुरुवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि जवइनिया गांव के गरीब विस्थापितों की लड़ाई लड़ने वाले और भोजपुर प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करने की बात करने वाले भरत तिवारी की कथित फर्जी पुलिस मुठभेड़ में हत्या के मामले में नामजद आरोपी पुलिस अधिकारी को नई जिम्मेदारी सौंपा जाना हैरान करने वाला फैसला है। उन्होंने कहा कि यह कदम आरोपी अधिकारी को पुरस्कृत किए जाने के समान है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के इस फैसले से मृतक के परिजनों और ग्रामीणों द्वारा लगाए गए आरोपों को बल मिलता है कि कथित फर्जी मुठभेड़ को सत्ता के शीर्ष स्तर, पुलिस के उच्चाधिकारियों और स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों की सहमति प्राप्त थी। रोहिणी आचार्य ने मुख्यमंत्री, बिहार सरकार और पुलिस महानिदेशक से कई सवाल भी पूछे।

उन्होंने कहा कि मृतक के परिजनों की ओर से दर्ज कराई गई प्राथमिकी में लगभग आधा दर्जन पुलिसकर्मियों को नामजद आरोपी बनाया गया है, लेकिन अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। उन्होंने यह भी पूछा कि आरोपियों से अब तक पूछताछ क्यों नहीं की गई और मामले की जांच इतनी धीमी गति से तथा बिना पारदर्शिता के क्यों आगे बढ़ाई जा रही है। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि कहीं जांच में देरी और आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने के पीछे किसी बड़े नाम को बचाने की कोशिश तो नहीं की जा रही है।

रिश्वतखोरी और आत्महत्या के लिए उकसाने की आरोपी बीएसए शालिनी श्रीवास्तव की जमानत खारिज, कोर्ट ने राहत देने से किया इनकार

गोरखपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरित करने और भ्रष्टाचार के आरोप में नामजद देवरिया की तत्कालीन बेसिक शिक्षाधिकारी (बीएसए) शालिनी श्रीवास्तव की जमानत अर्जी खारिज हो गई। विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम अभिषेक कुमार चतुर्वेदी ने अर्जी को खारिज की। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया आरोपों को गंभीर मानते हुए आरोपित को राहत देने से इंकार कर दिया। विशेष लोक अभियोजक घनश्याम त्रिपाठी ने न्यायालय को बताया कि वादिनी गुड़िया सिंह के पति की नियुक्ति एक जुलाई 2016 को कृषक लघु माध्यमिक विद्यालय, मदरसन देवरिया में सहायक अध्यापक के पद पर बेसिक शिक्षाधिकारी की संस्तुति पर हुई थी। वर्ष 2023 में उनके पति सहित तीन शिक्षकों की नियुक्ति निरस्त कर दी गई। इसके विरुद्ध उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की, जिस पर 13 फरवरी 2025 को हाईकोर्ट ने नियुक्ति निरस्तीकरण का आदेश रद्द करते हुए नया आदेश पारित करने का निर्देश दिया। अभियोजन के अनुसार, हाईकोर्ट के आदेश के अनुपालन के दौरान तत्कालीन बीएसए ने वादिनी के पति और दो अन्य शिक्षकों से 16 लाख रुपये रिश्वत की मांग की आरोप है।

'दुष्कर्म के झूठे आरोप भी असामान्य नहीं'; हाईकोर्ट का अहम फैसला, 24 साल पुराने मामले में आरोपित बरी

चंडीगढ़, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के झूठे आरोपों को असामान्य मानते हुए कहा है कि यह नहीं माना जा सकता कि हर मामले में पीड़िता हमेशा सच बोलती है। जस्टिस सूर्य प्रताप सिंह ने 24 वर्ष पुराने दुष्कर्म मामले में आरोपित की अपील स्वीकार करते हुए ट्रायल कोर्ट की दोषसिद्धि और सजा को रद कर उसे बरी कर दिया। अदालत ने कहा कि दुष्कर्म पीड़िता के लिए अत्यंत अपमानजनक है, लेकिन झूठा आरोप भी आरोपित के लिए मानसिक आघात और सामाजिक कलंक का कारण बन सकता है। अदालत ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में आरोपित को भी झूठे आरोपों से सुरक्षा मिलनी चाहिए। जस्टिस सिंह ने कहा कि दुष्कर्म का झूठा आरोप धन उगाही, बदला लेने या अन्य कारणों से लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि दुष्कर्म हुआ या नहीं, इसका निर्धारण प्रत्येक मामले के तथ्यों पर निर्भर करता है। यह मामला 20 जून 2002 को चंडीमंदिर थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 376, 452 और 506 के तहत दर्ज एफआईआर से संबंधित था।

सियासत: क्या मनीष तिवारी नाराज ?

पंजाब कांग्रेस में फेरबदल पर कहा- पार्टी को 45 साल दिए, काश! मेरे पास दवा होती

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। यह पोस्ट उन्होंने तब कि जब पार्टी ने पंजाब के लिए नए कार्यकारी अध्यक्षों और चुनाव पैनलों की घोषणा की। पार्टी के इस कदम से उन्हें संगठनात्मक फेरबदल से बाहर कर दिया गया। दरअसल, कांग्रेस सांसद 'पंजाब के लिए कांग्रेस द्वारा नए कार्यकारी अध्यक्षों और चुनाव आयोगों की नियुक्ति के बाद मनीष तिवारी हाशिए पर चले गए' इस शीर्षक वाले एक अखबार के लेख पर प्रतिक्रिया देते हुए, एक्स पोस्ट पर लिखा,'काश मेरे पास व्यक्तियों और संस्थाओं की असुरक्षाओं का कोई इलाज होता!

फिर भी, कांग्रेस ने पिछले 45 वर्षों में मुझे बहुत कुछ दिया है और मैंने दशकों से अपना पूरा जीवन भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सेवा में समर्पित किया है। जो होगा सो होगा। यह टिप्पणी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) द्वारा बुधवार को आगामी 2027

पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए महत्वपूर्ण संगठनात्मक नियुक्तियों की घोषणा के बाद आई है, जिसमें कई चुनाव संबंधी समितियों के अध्यक्षों और सह-अध्यक्षों के नाम घोषित किए गए हैं। वहीं, चंडीगढ़ से तीन बार के लोकसभा सदस्य और पंजाब में पार्टी के प्रमुख नेताओं में से एक कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी को कोई संगठनात्मक भूमिका नहीं सौंपी गई है। बता दें कि मनीष तिवारी वर्तमान में चंडीगढ़ से सांसद हैं। वे 2019 में पंजाब के आनंदपुर साहिब से सांसद थे और लुधियाना से भी सांसद रह चुके हैं। एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने तत्काल प्रभाव से इन नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। चरणजीत सिंह चन्नी को चुनाव प्रचार समिति का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं, विजय इंदर सिंगला चुनाव प्रबंधन एवं समन्वय समिति के अध्यक्ष होंगे। सुखजिंदर सिंह रंधावा को कोर कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है।

अमर सिंह घोषणापत्र समिति का नेतृत्व करेंगे। पार्टी ने यह भी पुष्टि की कि अमरिंदर सिंह राजा वारिंग पंजाब प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने रहेंगे, जबकि प्रताप सिंह बाजवा पंजाब में कांग्रेस विधायक दल के नेता बने रहेंगे। एआईसीसी ने पंजाब इकाई के लिए तीन कार्यकारी अध्यक्षों - सुखविंदर सिंह डैनी, राज कुमार वेरका और संगत सिंह गिलजियान की नियुक्ति की भी घोषणा की।

पत्नी की तकिया से मुंह दबाकर हत्या के बाद शव को कोबरा से डसवाया, पूर्व बैंक मैनेजर को उम्रकैद की सजा

इंदौर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर की जिला अदालत ने मुंह दबाकर एक महिला की हत्या करने और शव को कोबरा से डसवाने के जुर्म में उसके पति को उम्रकैद की सजा सुनाई है। साथ ही 45,000 रुपये का जुर्माना लगाया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश हेमंत कुमार रघुवंशी ने 24 जून को पारित निर्णय में अमितेश पटेरिया उर्फ शालू (43) को भारतीय दंड विधान की धारा 302 (हत्या), धारा 201 (अपराध के सबूत मिटाना) और वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की धारा 51 (संरक्षित वन्य जीव की हत्या) के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने कहा कि पटेरिया पर यह जुर्म युक्तियुक्त संदेह से परे प्रमाणित होता है कि उसने एक दिसंबर 2019 को अपनी पत्नी शिवानी की तकिये से मुंह दबाकर हत्या की।

इस अपराध के सबूत मिटाकर सजा से बचने के इरादे से उसे कोबरा सांप से डसवाया ताकि मान लिया जाए कि उसकी मृत्यु सांप के काटने के कारण हुई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने कहा कि पटेरिया ने घटना के बाद कोबरा को मार दिया। अपर लोक अभियोजक चंद्रशेखर चौधरी ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने पटेरिया पर कोर्ट में जुर्म साबित करने के लिए 28 गवाह पेश किए थे, जिनमें पुलिस अधिकारियों के साथ ही पोस्टमॉर्टम बोर्ड के सदस्य और पशु चिकित्सक शामिल थे। पटेरिया एक निजी बैंक का मैनेजर रह चुका है। अभियोजन के मुताबिक घटनास्थल के मुआयने के दौरान पुलिस को बिस्तर, तकिये के कवर और अन्य सामान के साथ ही मरा हुआ कोबरा सांप भी मिला था। हालांकि, शिवानी के शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में उल्लेख किया गया था कि उसकी मृत्यु मुंह दबाए जाने के कारण दम घुटने से हुई थी। मामले के एक जांच अधिकारी ने अपने बयान में कोर्ट को बताया कि पूछताछ के दौरान पटेरिया ने कहा था कि उसने राजस्थान के अलवर रेलवे स्टेशन पर एक सपेरे से 5,000 रुपये में कोबरा खरीदा था।

महुआ मोइत्रा पर अंडे फेंके जाने पर भड़कीं प्रियंका चतुर्वेदी

कहा- बीजेपी सरकार की ओर से भीड़ को जिस तरह का बढ़ावा मिल रहा है, वह शर्मनाक है

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद महुआ मोइत्रा ने बीजेपी कार्यकर्ताओं पर अंडे फेंकने का आरोप लगाया है। इस मामले को लेकर विवाद शुरू हो गया है। शिवसेना यूबीटी की पूर्व राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी की प्रतिक्रिया सामने आई है। प्रियंका चतुर्वेदी ने महुआ के साथ खड़े होने की बात कही है। प्रियंका चतुर्वेदी ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पश्चिम बंगाल में बीजेपी सरकार की ओर से भीड़ को जिस तरह का बढ़ावा मिल रहा है, वह शर्मनाक है। एक महिला सांसद पर अंडे फेंके जाते हैं और पुलिस मूकदर्शक बनी रहती है। यह बेहद अपमानजनक है। कानून-व्यवस्था राज्य की जिम्मेदारी है और सीएम सुवेंदु अधिकारी को अपनी बात पर अमल करना चाहिए। उन्होंने आखिर में लिखा हम महुआ मोइत्रा के साथ खड़े हैं। महुआ मोइत्रा ने दावा किया कि वह अपने लोकसभा क्षेत्र में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर रही थीं। इसी दौरान बीजेपी समर्थक वहां पहुंच गए और बाहर से अंडे फेंकने लगे। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर महुआ मोइत्रा ने एक वीडियो जारी कर कहा, पश्चिम बंगाल के डीजीपी मेरा फोन नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने आगे लिखा, मैं अपने लोकसभा क्षेत्र के कार्यालय में बैठक कर रही थी। इस दौरान बड़ी संख्या में बीजेपी के लोग पार्टी कार्यालय के बाहर एकत्र हो गए।

ये लोग खिड़की के जरिए अंडे और पत्थर फेंक रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी कार्यकर्ताओं द्वारा फेंके गए अंडे और पत्थर उन्हें भी लगे हैं और उनके कपड़े भी खराब हो गए। उन्होंने कहा, मैंने पुलिस को फोन किया, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। मैंने आपको फोन किया, उसके बाद पुलिस आई, लेकिन वह भी सिर्फ तमाशा देख रही है। महुआ मोइत्रा ने एक्स पर लिखा, पिछले दो घंटों से आपकी पुलिस तमाशा देख रही है और भीड़ को नहीं हटा रही है।

हापुड़ की डीएसओ सीमा चौधरी पर

मां ने लगाए धोखाधड़ी के आरोप, दर्ज हुई एफआईआर

सहारनपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। हापुड़ में तैनात जिला पूर्ति अधिकारी (डीएसओ) डॉ. सीमा चौधरी सहित पांच लोगों के खिलाफ सहारनपुर के सरसावा थाने में केस दर्ज हुआ है। केस किसी और ने नहीं, बल्कि उनकी मां ने ही दर्ज करवाया है। पुलिस ने सीमा चौधरी सहित इन लोगों पर धोखाधड़ी, जालसाजी और जान से मारने की धमकी जैसी गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया है। सहारनपुर के गांव मीरपुर सीतापुर में रहने वालीं मुनेश रानी ने आरोप लगाया है कि उनकी बेटी सीमा चौधरी ने उनकी जानकारी और इजाजत के बगैर उनके बैंक खाते का इस्तेमाल किया। मुनेश रानी ने सहारनपुर पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में बताया कि आईसीआईसीआई बैंक में मौजूद उनके खाते को उनकी बेटी अपनी ई-मेल आईडी के जरिए संचालित करती थी और खाते में होने वाले लेन-देन की जानकारी उनसे छिपाई जाती थी। मुनेश रानी ने यह भी आरोप लगाया कि उनके खाते में 15 लाख रुपये जमा कराए गए, लेकिन उन्हें इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। जब वह खुद बैंक पहुंचीं, तब उन्हें इस लेन-देन की जानकारी मिली। बड़ा आरोप लगाते हुए मुनेश रानी ने कहा कि यह रकम उनकी बेटी ने अपनी अवैध कमाई को छिपाने के मकसद से उनके खाते में डलवाई थी। अपने शिकायत पत्र में उन्होंने लिखा है कि उनकी बेटी कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर उनकी जमीन हड़पने की साजिश में शामिल थी। मुनेश रानी ने कहा कि संजीव कुमार चौधरी, राजेंद्र राणा, गंभीर और नरेश कुमार के साथ मिलकर उनकी संपत्ति पर कब्जा करने का प्रयास किया गया।

इसके लिए 16 सितंबर 2023 की एक कथित फर्जी रसीद तैयार की गई और जाली हस्ताक्षरों का इस्तेमाल किया गया। मुनेश रानी ने बताया कि तहसील प्रशासन से उन्हें इस पूरे मामले की जानकारी मिली। जब उन्होंने इसका विरोध किया तो उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

दिल्ली को दहलाने की साजिश नाकाम आईएसआई के 4 आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़े अंतरराज्यीय ऑपरेशन में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई समर्थित आतंकी और हथियार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में पंजाब और दिल्ली से चार आंतकियों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तानी हैंडलर के इशारे पर राजधानी को दहलाने की साजिश रच रहे थे। पकड़े गए आतंकियों के पास से तुर्की मेड जिगाना पिस्टल समेत दो विदेशी पिस्टल, नौ कारतूस और पांच मोबाइल फोन बरामद किए हैं। स्पेशल सेल के डीसीपी प्रवीण कुमार त्रिपाठी के मुताबिक एसीपी विवेक कुमार त्यागी, इंस्पेक्टर सतीश राणा और इंस्पेक्टर अशोक की टीम को तकनीकी और खुफिया इनपुट मिले थे कि पाकिस्तान में बैठा आईएसआई हैंडलर शाहजाद भट्टी अपने सहयोगियों के साथ मिलकर दिल्ली एनसीआर में किसी बड़ी आतंकी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

इसके लिए उसने पंजाब के स्थानीय युवाओं को अपने जाल में फंसाया था। शुरुआती जांच के बाद स्पेशल सेल ने भारतीय न्याय संहिता और आर्म्स एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। इसके बाद दिल्ली और पंजाब में कई जगहों पर ताबड़तोड़ छापेमारी की। सबसे पहले पंजाब के अमृतसर (मजीठा रोड) से शुभदीप सिंह उर्फ विशाल को गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक सेमी-आटोमैटिक पिस्टल, पांच कारतूस और दो मोबाइल मिले। पूछताछ में उसने कुबूल किया कि वह शाहजाद भट्टी नेटवर्क के पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में था और ड्रोन के जरिए हथियार व ड्रग्स की खेप रिसीव करता था।

शुभदीप से मिली जानकारी के आधार पर पंजाब से उसके दो और साथियों गुरजंत सिंह उर्फ ऋषि और साजन सिंह उर्फ हनी को दबोच लिया गया। इनके पास से 'जिगाना पिस्टल' और चार कारतूस बरामद हुए। इसी कड़ी में आगे कार्रवाई करते हुए पुलिस ने गगनप्रीत नाम के चौथे आतंकी को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। उसके मोबाइल से कई आपत्तिजनक सबूत मिले हैं।

पंजाब में पाकिस्तान बॉर्डर से लगते गांवों में कराई जा रही है

'बंधुआ मजदूरी', बीएसएफ बन रही फरिश्ता

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में पाकिस्तान बॉर्डर से लगते गांवों में 'बंधुआ मजदूरी' करने वाले भोले-भाले और दिमागी रूप से थोड़े कमजोर लोगों के लिए यहां तैनात बीएसएफ की 100वीं बटालियन फरिश्ता बन रही है। इस बटालियन ने दूसरे राज्यों से भटककर आने इस तरह के पांच मजदूरों को उनके परिजनों से मिलवाने का काम किया है। जो दूसरे राज्यों से भटककर यहां आ पहुंचे थे। फिर इन्हें रेलवे स्टेशन और बस अड्डे से उठाकर सीमावर्ती गांवों में ले जाया गया। जहां इनसे दिन-रात बंधुआ मजदूरों की तरह काम लिया जा रहा था। इसी तरह के एक ताजा मामले में पाकिस्तान बॉर्डर पर तैनात बीएसएफ की 100वीं बटालियन के कमांडेंट अजय तिवारी के नेतृत्व में बीएसएफ की टीम ने बेहद सराहनीय कार्य करते हुए उड़ीसा के रहने वाले एक शख्स को बंधुआ मजदूरी से मुक्त कराया।

जो सात महीने पहले किसी तरह से अपने घर से भटक कर यहां आ पहुंचा था। इनसे यहां खेत और पशुओं को चारा खिलाने और भैसों का दूध निकलवाने का काम कराया जा रहा था। वह भी बिना किसी मेहनताना दिए हुए।

सूत्रों ने बताया कि बीएसएफ की इस 100वीं बटालियन को इसकी भनक करीब 15 दिन पहले उस वक्त लगी। जब मजदूरी से मुक्त कराए गए उड़ीसा के बालासोर में एक गांव के रहने वाले बिकाश देवरी एक खेत में डरे-सहमे से काम कर रहे थे। तभी बीएसएफ के एक अधिकारी की नजर इनके ऊपर पड़ी। इनसे पूछताछ की गई तो इन्होंने उड़ीसा का नाम ना बताते हुए केवल अपने गांव का नाम बताया। फिर उस गांव की सर्च करने पर पता लगा कि वह गांव उड़ीसा के बालासोर जिले में है।

वहां बीएसएफ की टीम के एक हवलदार को भेजकर घर वालों से बिकाश के बारे में सारी जानकारी ली गई। मामला पता लग गया कि यह दिसंबर 2025 से अपने घर से किसी तरह से लापता हो गए थे। इसके बाद इनके परिजनों को अमृतसर बुलाया गया। जहां बीएसएफ ने बिकाश को उनके सुपुर्द किया।

चढ़ावे के मामले में श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर ने तोड़ा अपना ही रिकॉर्ड

कैश, सोना-चांदी और विदेशी मुद्रा के रूप में खूब मिला दान

चेन्नई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर ने चढ़ावे के मामले में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की खबरों के बीच तमिलनाडु के पलानी स्थित श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर ने अपने इतिहास में सबसे ज्यादा सालाना चढ़ावा कलेक्शन का रिकॉर्ड बनाया है। नए कलेक्शन के साथ मंदिर की कुल आय 61 करोड़ 21 लाख 95 हजार 3 सौ 87 रुपये हो गई है, जिसने पिछले 58 करोड़ 28 लाख 51 हजार 5 सौ 25 रुपये के सालाना रिकॉर्ड को पार कर लिया है।

बता दें कि श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर की यह आय भक्तों की तरफ से दान की गई राशि का हिस्सा है। इस गिनती की प्रक्रिया मंदिर के अधिकारियों, बैंक कर्मचारियों और स्वयंसेवकों, कॉलेज के छात्रों और स्टूडेंट्स की मौजूदगी में पूरी की गई थी। श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर भगवान कार्तिकेय को समर्पित सबसे प्रसिद्ध और धनी हिंदू मंदिरों में से एक है।

श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर, शिवगिरि पहाड़ी की चोटी पर स्थित है। यहां तमिल नव वर्ष, थाई पूसम और पंगुनी उथिरम जैसे त्योहार बहुत धूमधाम से मनाए जाते हैं। इनमें लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं और दिल खोलकर चढ़ावा चढ़ाते हैं। गौरतलब है कि तमिलनाडु में दिंडिगुल जिले के पलनी में स्थित श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर की हुंडी (दान-पात्र) की गिनती के दौरान 1 करोड़ 40 लाख 575 रुपये नकद धनराशि जमा हुई। मंदिर प्रशासन ने यह भी बताया कि दान के रूप में 187.200 ग्राम सोना, 4 किलो 35 ग्राम चांदी और 255 विदेशी मुद्रा के सिक्के मिले हैं। यह श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर के इतिहास में हुंडी से होने वाली सालाना आय का एक नया रिकॉर्ड है। इससे पहले, पिछले वित्तीय वर्ष में आय कुल 58 करोड़ 28 लाख 51 हजार 5 सौ 25 रुपये थी। इस साल की कमाई उस आंकड़े से लगभग 2 करोड़ 93 लाख 43 हजार 862 रुपये ज्यादा है। मंदिर प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों ने कहा कि इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय लगातार बढ़ती भक्तों की संख्या को जाता है और यह श्री दंडायुथापाणी स्वामी मंदिर के भगवान मुरुगन में उनकी गहरी आस्था को दर्शाता है।

अब महाराष्ट्र में तुलजा भवानी देवी मंदिर की 4000 एकड़ जमीन गायब, किसने की हिम्मत?

मुंबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अयोध्या के राम मंदिर दान चोरी का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ है कि महाराष्ट्र से एक हैरान कर देने वाली खबर सामने आई है। तुलजा भवानी मंदिर महाराष्ट्र के सबसे बड़े धार्मिक स्थलों में एक है। यहां एक बड़ी चोरी हुई है। यह चोरी मंदिर के खजाने, चंदा, दान या फिर फंड का नहीं है। यह चोरी चार हजार एकड़ जमीन की है।

अगर मंदिर संघ के आरोप सही साबित होते हैं, तो यह मामला केवल सरकारी रिकॉर्ड की गड़बड़ी नहीं बल्कि धार्मिक संपत्तियों की सुरक्षा व्यवस्था पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है। आखिर इतनी बड़ी जमीन सरकारी अभिलेखों से कैसे निकल गई? किसकी निगरानी में यह सब हुआ? और क्या इतने सालों तक किसी जिम्मेदार अधिकारी की नजर इस पर नहीं पड़ी? इन सवालों ने श्रद्धालुओं के साथ-साथ प्रशासन की कार्यप्रणाली पर भी बहस छेड़ दी है। अब हर किसी की नजर इस बात पर टिकी है कि जांच में सच्चाई सामने आती है या यह मामला भी केवल फाइलों तक सीमित रह जाता है। तुलजा भवानी मंदिर पहले भी सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य संपत्तियों से जुड़े विवादों के कारण चर्चा में रह चुका है। लेकिन इस बार मामला कहीं अधिक बड़ा माना जा रहा है क्योंकि आरोप 4,121 एकड़ जमीन के कथित अवैध हस्तांतरण का है। मंदिर संघ का कहना है कि यह जमीन देवी के नाम दर्ज थी और कानून के अनुसार इसकी खरीद-बिक्री नहीं हो सकती थी।

इसके बावजूद कुछ अधिकारियों और निजी लोगों की मिलीभगत से जमीन का स्वरूप बदल दिया गया। शिकायत के बाद राज्य सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं, इससे पूरे मामले ने राजनीतिक और प्रशासनिक महत्व भी हासिल कर लिया है। तुलजा भवानी मंदिर की संपत्तियों को लेकर यह पहला विवाद नहीं है। इससे पहले मंदिर के सोने-चांदी के आभूषणों और अन्य जमीनों से जुड़े मामलों ने भी सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि इस बार मामला हजारों एकड़ जमीन से जुड़ा होने के कारण इसे सबसे बड़े विवादों में से एक माना जा रहा है।

सोनम रघुवंशी की जमानत का विरोध मेघालय पुलिस पहुंची सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड में मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत को मेघालय पुलिस ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मेघालय पुलिस ने गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट में अर्जी देकर सोनम रघुवंशी को दी गई जमानत पर तुरंत रोक लगाने की मांग की। सोनम मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की कथित हत्या की मुख्य आरोपी है। पुलिस का कहना है कि अगर उसे रिहा किया गया तो वह न्याय से भाग सकती है। इस चर्चित मामले में राज्य की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने जस्टिस एमएम सुंदरेश और शील नागू की वेकेशन बेंच के सामने मामले को अर्जेंट लिस्टिंग के लिए मेंशन किया और शुक्रवार को सुनवाई की मांग की। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि हाई कोर्ट ने यह कहते हुए सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी है कि गिरफ्तारी के आधार उन्हें नहीं बताए गए थे।

हालांकि यह महज एक टाइपिंग गलती थी। हम उसकी जमानत के आदेश पर रोक लगाना चाहते हैं। रिहा होने पर वह फरार हो जाएगी। देश के बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत रद्द करने की याचिका को मेघायल हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। कोर्ट ने निचली अदालत के जमानत आदेश को बरकरार रखा था। पुलिस ने हाई कोर्ट में दलील दी थी कि मामले की गंभीरता को देखते हुए सोनम की जमानत रद्द की जानी चाहिए। हाई कोर्ट ने इस अपील को स्वीकार नहीं किया। मध्य प्रदेश के इंदौर के राज रघुवंशी की शादी मई 2025 में सोनम रघुवंशी से हुई थी।

52 आपराधिक मुकदमे बंद करने वाले कांग्रेस सरकार के फैसले पर रोक, हाईकोर्ट ने निर्णय में क्या कहा?

बंगलूरू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक सरकार के 52 आपराधिक मामलों को वापस लेने के फैसले पर हाईकोर्ट ने फिलहाल रोक लगा दी है। इन मामलों में 2022 के आलंद सांप्रदायिक दंगा मामले से जुड़े सात मुकदमे भी शामिल हैं। अदालत ने पहली नजर में माना कि सरकार ने मुकदमे वापस लेने की प्रक्रिया में कानूनी नियमों का सही तरीके से पालन नहीं किया। इसी वजह से हाईकोर्ट ने कैबिनेट के फैसले पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। इस फैसले के बाद राज्य में कांग्रेस और भाजपा के बीच राजनीतिक टकराव और तेज हो गया है।

सरकार ने हाल ही में कैबिनेट बैठक में 52 आपराधिक मामलों को वापस लेने का फैसला किया था। इन मामलों में किसानों, कन्नड़ संगठनों के कार्यकर्ताओं और अन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों के साथ-साथ आलंद सांप्रदायिक दंगे से जुड़े सात मामले भी शामिल थे। लेकिन हाईकोर्ट ने गिरीश भारद्वाज बनाम कर्नाटक सरकार मामले की सुनवाई के दौरान कहा कि पहली नजर में सरकार ने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 321 का इस्तेमाल उचित तरीके से नहीं किया है। अदालत ने यह भी कहा कि पहले दिए गए हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार सरकार को अभियोजन वापस लेने के लिए तय कानूनी प्रक्रिया अपनानी थी। कर्नाटक में पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के कार्यकाल में 21 मई को हुई एक कैबिनेट बैठक में 52 आपराधिक मामले वापस लेने का निर्णय लिया गया था।

इन मुकदमों में कन्नड़ कार्यकर्ताओं, कावेरी प्रदर्शनकारियों, कन्नड़ समर्थक और कलासा बंदूरी प्रदर्शनों से जुड़े मामले शामिल हैं। कन्नड़ कार्यकर्ता वाटल नागराज के खिलाफ 10 मामले और किसानों तथा दलित कार्यकर्ताओं पर दर्ज मामले भी वापस लिए जाएंगे। सरकार ने आलंद में लाडले मुश्ताक दरगाह विवाद से संबंधित सात मामले भी वापस लेने का फैसला किया। मंत्री एच के पाटिल ने बताया कि कुछ मामलों में उच्च न्यायालय का फैसला आना बाकी है।

विवाद की शुरुआत एक मार्च 2022 को कलबुर्गी जिले के आलंद तालुक में हुई थी। भाजपा के कुछ कार्यकर्ता हजरत लाडले मशक दरगाह परिसर में मौजूद शिवलिंग की कथित शुद्धि करना चाहते थे। उनका आरोप था कि शिवलिंग का अपमान किया गया है। इस विवाद के बाद इलाके में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। दंगे में कई पुलिसकर्मी, जिनमें एक डीएसपी भी शामिल थे, घायल हुए। इस मामले में कुल 13 मुकदमे दर्ज हुए थे, जिनमें से सात को वापस लेने का फैसला सरकार ने किया था। डीके शिवकुमार ने तब कहा था कि केवल आलंद दंगा ही नहीं, बल्कि किसानों, कन्नड़ संगठनों और अन्य आंदोलनों से जुड़े राजनीतिक रूप से प्रेरित मामलों को भी कानूनी राय लेने के बाद वापस लिया गया है।

बड़ा हादसा, पत्थर की खदान में चट्टान खिसकने से बिहार के सात मजदूरों की मौत

बेंगलुरु, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। यहां गुरुवार सुबह बेंगलुरु साउथ तालुक के मादापट्टना इलाके में एक पत्थर की खदान में एक विशालकाय चट्टान ढह गई। इस हादसे में बिहार के रहने वाले 7 मजदूरों की मलबे में दबकर मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य मजदूर घायल हो गए हैं। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा सुबह-सुबह उस समय हुआ जब मजदूर खदान में पत्थर तोड़ने और खुदाई के काम में लगे हुए थे। वहां मौजूद एक मजदूर ने बताया कि साइट पर करीब 18 लोग काम कर रहे थे, तभी अचानक लगभग 40 फीट की ऊंचाई से एक बहुत बड़ी चट्टान मजदूरों के ऊपर आ गिरी। जानकारी के अनुसार सभी मृतक दिहाड़ी मजदूर थे और वहां स्टोन क्रशर साइट पर काम करते थे। बता दें कि हादसे की खबर मिलते ही पुलिस और राहत बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और मलबे को हटाने का काम शुरू किया। हादसे में घायल हुए मजदूरों को तुरंत इलाज के लिए पास के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल घायलों की सटीक संख्या का पता लगाया जा रहा है।

अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार

में शामिल होंगे 2 करोड़ लोग

तेहरान, 2 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान अपने पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के जनाजे को भव्य बनाने की तैयारी में है। जनाजे का यह कार्यक्रम शनिवार से शुरू होकर छह दिनों तक चलेगा और ईरान और इराक के अलग-अलग शहरों से गुजरेगा। यह सब कड़ी सुरक्षा के बीच हो रहा है, क्योंकि ईरान को डर है कि इजरायल और अमेरिका खामेनेई के जनाजे को भी निशाना बना सकते हैं।

अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत फरवरी के अंत में हुए अमेरिकी और इजरायली हमलों में हुई थी। ऐसे में ईरान इसे अपने इतिहास का सबसे भव्य कार्यक्रम बनाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रहा है। खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में विदेशी गणमान्य लोगों को भी निमंत्रित किया गया है, जिनमें भारतीय और पाकिस्तानी भी शामिल हैं।

खामेनेई ने 37 वर्षों तक ईरान के अयातुल्ला के रूप में सेवा की। 1979 की क्रांति के बाद इस्लामिक रिपब्लिक की स्थापना के बाद से इस पद पर रहने वाले वे दूसरे सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले व्यक्ति थे।

खामेनेई के जनाजे का कार्यक्रम 6 दिनों तक चलेगा

1939 में मशहद में जन्मे अयातुल्ला अली खामेनेई ने 1981 से 1989 तक ईरान के राष्ट्रपति के रूप में कार्य किया। इसके बाद, अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी की मृत्यु के बाद 'असेंबली ऑफ एक्सपर्ट्स' (इस्लामिक विद्वानों की चुनी हुई संस्था जो सर्वोच्च नेता की नियुक्ति के लिए जिम्मेदार है) ने उन्हें अयातुल्ला चुना।

अमेरिका और इजरायल के हमलों की शुरुआत से ही अयातुल्ला अली खामेनेई का पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के इंतजार में रखा हुआ था।

चार महीने की यह देरी सीधे तौर पर युद्ध, युद्धविराम और उसके बाद की बातचीत की प्रक्रिया का नतीजा थी। अब अमेरिका के साथ संघर्ष विराम पर सहमति बनने और इजरायली हमलों के रुकने के बाद ईरान उनके अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहा है। ईरान यह सुनिश्चित करना चाहता है कि उसके सर्वोच्च नेता के अंतिम संस्कार में कोई असुविधा न हो और विदेशी मेहमान भी सुरक्षित रहें।

शनिवार को शुरू होगा अंतिम संस्कार

समारोह शनिवार और रविवार को तेहरान में मोसाला प्रार्थना परिसर में शुरू होंगे, जो बड़े पैमाने पर राजकीय धार्मिक आयोजनों के लिए तेहरान का मुख्य स्थल है। मोसाला का अर्थ है प्रार्थना का मैदान। मोसला में ईरान की वरिष्ठ हस्तियों के अंतिम संस्कार हुए हैं और यह राजकीय शोक समारोहों का प्रतीकात्मक केंद्र है।

मुख्य अंतिम संस्कार जुलूस सोमवार को इमाम हुसैन स्क्वायर से आजादी (यानी स्वतंत्रता) स्क्वायर तक 10 किलोमीटर के रास्ते पर निकाला जाएगा। यह विशाल सार्वजनिक स्थल ईरानी इतिहास की अहम जनसभाओं का गवाह रहा है, जिसमें 1979 की क्रांति से लेकर देश के सबसे बड़े विरोध प्रदर्शन तक शामिल हैं।

बिहार के राज्यपाल सैयद अता हसनैन और विदेश राज्य मंत्री पवित्रा मार्गेरिटा खामेनेई के अंतिम संस्कार में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे।

भारतीयों ने खून-पसीने से बनाई पनामा नहर

अब कब्जे के लिए 2 सुपर पावर में छिड़ी जंग

पनामा सिटी, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सेंट्रल अमेरिका के देश पनामा में स्थित पनामा नहर को लेकर अमेरिका और चीन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को पनामा नहर पर कब्जे के खिलाफ चीन को खुली चेतावनी दी है। बुधवार 1 जुलाई को राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि चीन पनामा नहर पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन वे उसे ऐसा करने नहीं देंगे। ट्रंप ने नहर का कंट्रोल पनामा को देने को एक बड़ी गलती बताया और कहा इसे कभी नहीं सौंपा जाना चाहिए था।

20वीं सदी की शुरुआत में बनी पनामा नहर अमेरिका की तकनीकी कुशलता और आर्थिक ताकत के प्रतीक के रूप में दुनिया में मशहूर हुई। इसने अटलांटिक और प्रशांत महासागर के बीच सीधा जलमार्ग शुरू करके समुद्री व्यापार में क्रांतिकारी बदलाव किया, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इंजीनियरिंग का कमाल कही जाने वाली इस नहर को बनाने में हजारों भारतीयों ने अपना खून-

पसीना बहाया था।

सेंट्रल अमेरिका के दक्षिणी छोर पर स्थित पनामा की भारत से दूरी 16000 किलोमीटर से भी ज्यादा है, लेकिन भारत के साथ इसका कनेक्शन 120 साल से भी पुराना है। ये संबंध 19वीं सदी के मध्य में शुरू हुए जब भारतीय समुदाय के लोग पनामा रेलवे और बाद में 20वीं सदी की शुरुआत में पनामा नहर के निर्माण के लिए पनामा पहुंचे। भारतीय विदेश मंत्रालय की वेबसाइट पर प्रकाशित जानकारी के अनुसार, पनामा में भारतीय समुदाय के लगभग 15000 लोग रहते हैं। ये मुख्य रूप से पंजाब, गुजरात और सिंध (अब पाकिस्तान का हिस्सा) से आए हैं। ऐसे ही लोगों में थे पंजाब के भाग सिंह, जो 1904 में पनामा पहुंचे और पनामा नहर के निर्माण में योगदान दिया। भाग सिंह लुधियाना के जगरांव के पास रूमी गांव के रहने वाले थे। 1914 में जब नहर का निर्माण पूरा हो गया, उसके बाद भी उन्होंने वॉचमैन के रूप में काम करना जारी रखा। पनामा नहर-पनामा रेलरोड कंपनी में उनकी सेवा के लिए भाग सिंह को 1968 तक पेंशन मिलती रही। भाग सिंह के पोते दर्शन सिंह ने पिछले साल हमारे सहयोगी TOI को एक इंटरव्यू में बताया जब भाग सिंह ने भारत लौटने की इच्छा जताई तो उन्हें घर लौटने के लिए ब्रिटिश पासपोर्ट जारी किया गया। 77 साल के दर्शन बीते साल स्वीटर के स्टॉकहोम में रह रहे थे।

दर्शन ने बताया कि 1951 में भारत लौटने के बाद भाग सिंह 17 साल अपने गांव में रहे। वे अक्सर लोगों को नहर निर्माण के दौरान मुश्किल हालात के बारे में बात करते थे। वह बताया करते थे कि कैसे इलाके के मुश्किल वातावरण और हैजा व पीला बुखार जैसी बीमारियों की वजह से सैकड़ों मजदूरों की मौत हो गई थी।

पनामा से नहर बनाने की शुरुआती कोशिश फ्रांस ने की थी। मिस्र में स्वेज नहर बनाने वाले फर्डिनेंड डी लेसेप्स के नेतृत्व में फ्रांसीसियों ने 1880 में खुदाई का काम शुरू किया।

मलेरिया, पीला बुखार और इलाके की बीमारियों ने इस अभियान को बहुत बाधित किया। आखिर में 9 साल बाद लगभग 20000 लोगों की जान जाने के बाद फ्रांसीसी प्रयास नाकाम हो गया।

यूएई में 2 भारतीयों ने लॉटरी में जीते साढ़े 9-9 करोड़ रुपये

दुबई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। यूएई के दुबई ड्यूटी फ्री मिलेनियम मिलियनेयर ड्रॉ में केरलम के दो लोगों, कबीर पूवाथिंगल और मोहम्मद शिबिल थय्यिल ने 1-1 मिलियन डॉलर (प्रत्येक ने 9.5 करोड़ रुपए) का इनाम जीता है। इस इनाम को जीतने के साथ दोनों यूएई के सबसे लोकप्रिय रैफल प्रमोशन में जीतने वाले भारतीयों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। दोनों ने इस जीत को जिंदगी बदलने वाला कहा है।

अबू धाबी में रहने वाले 48 साल के एविएशन ऑपरेटर कबीर पूवथिंगल और शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन में सेल्स एग्जीक्यूटिव के तौर पर काम करने वाले 30 साल के मोहम्मद शिबिल थय्यिल लकी विजेता बने हैं। पिछले 22 सालों से यूएई में रह रहे पूवथिंगल ने टिकट नंबर 3471 के साथ मिलेनियम मिलियनेयर सीरीज 547 जीती। यह टिकट उन्होंने 13 जून को

ऑनलाइन खरीदा था।

शादी के अगले महीने बने विजेता पूवथिंगल पांच बच्चों के पिता हैं और 12 सालों से लगातार दुबई ड्यूटी फ्री प्रमोशन में लगातार हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने अपनी इस जीत को सालों की कोशिशों का नतीजा बताया है। उन्होंने कहा, 'इस मौके के लिए दुबई ड्यूटी फ्री का शुक्रिया। यह जिंदगी बदलने वाला अनुभव है। मैं सभी से कहूंगा कि वे इस मौके का फायदा उठाएं।'

केरलम के ही मोहम्मद शिबिल थय्यिल भी विजेता बने हैं। शिबिल ने टिकट नंबर 4832 के साथ मिलेनियम मिलियनेयर सीरीज 548 जीती है। यह टिकट उन्होंने 18 जून को ऑनलाइन खरीदा था।

थय्यिल अक्टूबर 2025 में दुबई आए थे और अभी शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन में सेल्स का काम करते हैं। उनके लिए यह जीत दोगुनी खुशी लेकर आई है क्योंकि उनकी शादी एक महीना पहले ही हुई है।

शिबिल ने जीत के बाद कहा कि उन्हें यह जानकर हैरानी हुई कि प्रमोशन में अपना सिर्फ दूसरा टिकट खरीदने के बाद ही वे मिलियनेयर बन गए। उन्होंने कहा, 'आपने मेरी जिदगी बदल दी। यह अब तक की सबसे बड़ी खुशखबरी है। दुबई ड्यूटी फ्री का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं बहुत शुक्रगुजार हूं।'

केरल के रहने वाले ये दो लोग 1999 में शुरू हुए दुबई ड्यूटी फ्री मिलेनियम मिलियनेयर प्रमोशन को जीतने वाले 278वें और 279वें भारतीय नागरिक हैं। लंबे समय से चल रहे इस ड्रॉ में टिकट खरीदने वालों में भारतीय नागरिक सबसे बड़ा समूह हैं।

मिलेनियम मिलियनेयर ड्रॉ के बाद फाइनेस्ट सरप्राइज रैफल में एक और भारतीय प्रवासी कौशल वेद ने मर्सिडीज-बेंज S500 जीती है। इसी ड्रॉ में कुवैत में रहने वाले कनाडाई नागरिक महमूद हरिसी ने भी 'फाइनेस्ट सरप्राइज' प्रमोशन में अप्रिलिया आरएसवी4 1100 सुपरबाइक जीती है।

अंतरराज्यीय चेन छिनतई गिरोह का भंडाफोड़

सरगना समेत 5 आरोपी गिरफ्तार 48 हजार रुपए नगद बरामद

बोकारो, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बोकारो पुलिस ने महिलाओं को निशाना बनाने वाले एक अंतरराज्यीय चेन छिनतई गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना समेत पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। तीन विशेष जांच टीमों ने आठ दिनों के अभियान में यह सफलता हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों के पास से 48 हजार रुपए नगद, बिना नंबर की बाइक, सोने जैसा एक लॉकेट और एक जियो मोबाइल फोन बरामद किया गया है। पुलिस के अनुसार, गिरोह का सरगना 30 वर्षीय भोला दास ओडिशा के जाजपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ झारखंड, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। अन्य गिरफ्तार आरोपियों में धनबाद के राणा उर्फ रजनीश (18), बिट्टू सिंह (24), श्रवण सिन्हा (18) और परमानंद वर्मा (52) शामिल हैं।

रूस के हमले से दहली यूक्रेन की राजधानी

कीव में रात भर मिसाइल-ड्रोन की गर्जना से सहमे लोग, आठ लोगों की हुई मौत

कीव, 2 जुलाई (एजेंसियां)। रूस ने गुरुवार की सुबह यूक्रेन की राजधानी पर मिसाइलों और ड्रोन से बड़े पैमाने पर हमला किया। इसके कारण भीषण विस्फोट हुए और कीव कई घंटों तक हिलता रहा। कीव शहर के सैन्य प्रशासन प्रमुख तैमूर टकाचेंको ने बताया कि हमलों में आवासीय इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं, जिनमें आठ लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मेयर विटाली क्लिट्स्को ने कहा कि कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं।

बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों तथा ड्रोन से हुए हमले ने नीप्रो नदी के दोनों किनारों पर स्थित शहर के सभी 10 जिलों को प्रभावित किया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की और अन्य अधिकारियों द्वारा हमले की पहली चेतावनी जारी किए जाने के बाद कई निवासियों ने मेट्रो स्टेशनों पर शरण ली।

क्लिट्स्को के निवासियों ने क्या आग्रह किया? रूस ने हाल के

हफ्तों में कीव पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, यूक्रेन द्वारा रूसी सैन्य स्थलों और ऊर्जा सुविधाओं के खिलाफ किए गए लंबी दूरी के ड्रोन हमलों के कारण रूस के अंदर ईंधन की कमी हो गई है। इसके साथ ही आपूर्ति श्रृंखलाएं बाधित हो गई हैं। क्लिट्स्को ने निवासियों से आश्रय स्थलों में रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि शेवचेनकिस्की जिले में पांच लोग घायल हुए हैं और घायलों में से एक, जो एक पैरामेडिक है, उसकी हालत बेहद गंभीर है। क्लित्स्को ने बताया कि देसनियांस्की जिले में एक क्षतिग्रस्त नौ मंजिला आवासीय इमारत में लोग फंसे हुए थे और बचाव दल घटनास्थल की ओर रवाना हो गए। वहीं, होलोसिवस्की जिले में एक बहुमंजिला इमारत की छत पर आग लग गई।

स्विआतोशिन्स्की और डार्नीत्स्की जिलों में घरों में आग लग गई। कीव शहर के सैन्य प्रशासन के प्रमुख तिमुर टकाचेंको ने बताया कि हमले में देसनियांस्की जिले में एक आवासीय इमारत आंशिक रूप से नष्ट हो गई।

न्यूयॉर्क की एम्पायर स्टेट बिल्डिंग पर चढ़ा कपल, प्रपोज किया, दोनों गिरफ्तार

न्यूयॉर्क, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक कपल सुरक्षा व्यवस्था को चकमा देकर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की चोटी पर चढ़ गया। दोनों ने वहां व्हेन द पावर ऑफ लव बीट्स द लव ऑफ पावर, द वर्ल्ड नोज पीस लिखा बैनर लहराया और फिर एक-दूसरे को प्रपोज किया। इस पूरी घटना की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं।

इसके बाद पुलिस और इमरजेंसी सर्विस के जवान सीढ़ियों के जरिए दोनों तक पहुंचे और उन्हें सुरक्षित नीचे उतारा। एंजेला निकोलाउ और इवान कुजनेत्सोव के खिलाफ सेंधमारी, अवैध घुसपैठ, लापरवाही से जान खतरे में डालने और संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत कई धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि दोनों प्रतिबंधित इलाके तक कैसे पहुंचे।

आज बंद का आह्वान

भाजपा ने बुलाया बंद, विधायक ने कहा-अपराधियों के बढ़ते हौसलों से जूझ रहा शहर

जमशेदपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जमशेदपुर में बिगड़ती कानून व्यवस्था और बढ़ती आपराधिक घटनाओं के विरोध में 3 जुलाई को शहर बंद का आह्वान किया है। इस बंद से पहले गुरुवार शाम विभिन्न मंडलों में मशाल जुलूस निकाला जाएगा। यह जानकारी साकची स्थित भाजपा कार्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता में दी गई। भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता अभय सिंह ने प्रेसवार्ता में कहा कि शहर में अपराध लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

चीन ने भारत के जिस इलाके पर 1959 में किया कब्जा

अब बना रहा सड़क और मिलिट्री ढांचा, सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा

बीजिंग, 2 जुलाई (एजेंसियां)। हाल में आई सैटेलाइट तस्वीरों से भारतीय सीमा के पास चीन की नापाक हरकतों के बारे में पता चलता है। सैटेलाइट तस्वीरों में सामने आया है कि अरुणाचल प्रदेश से सटे तिब्बत-भारत सीमा के एक हिस्से पर चीन की नई सड़क का निर्माण कर रहा है। यह इलाका मैकमोहन रेखा के भीतर आता है, जो आधिकारिक नक्शों में दिखाई गई भारत की ऐतिहासिक सीमा है। हालांकि, इस इलाके में भारत और चीन की सोच में काफी अंतर है।

चीन के भारतीय क्षेत्र में कब्जा करने का मुद्दा हाल में चर्चा में आया, जब अरुणाचल प्रदेश के आदिवासी समूह ने दावा किया कि चीनी सेना ने भारत की सीमा के अंदर सड़कें और मिलिट्री कैंप बनाए हैं। बाद में भारतीय सेना ने इन दावों को खारिज कर दिया

और कहा कि चीनी घुसपैठ की रिपोर्ट गलत है। हालांकि, सैटेलाइट तस्वीरों के अध्ययन से पता चलता है कि चीन ने एलएसी के उस पार निर्माण किया है। भारत का इस इलाके पर ऐतिहासिक दावा है। दरअसल, भारत और चीन के बीच सीमा का निर्धारण मैकमोहन रेखा के जरिए होता रहा है, लेकिन पहले 1959 और फिर 1962 में भारत ने अपने कुछ इलाके चीन के हाथों गंवा दिए। चीन मैकमोहन रेखा के आगे बढ़कर बैठ गया जिसे वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) कहा गया।

हालांकि, भारत ने उस इलाके पर अपना दावा कभी नहीं छोड़ा, लेकिन दोनों देशों की सेनाएं वर्तमान में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर ही गश्त करती हैं और सुरक्षा करती हैं। सूत्रों का कहना है कि चीन का हालिया निर्माण वास्तविक नियंत्रण रेखा के उस पार है।

साल 2021 में इसी इलाके में चीन के एक गांव के बारे में पता चला था, जिसमें 50 घर थे। इस बस्ती को अब एक नई सड़क के जरिए 9.42 किलोमीटर दूर बनाए गए एक नए गांव से जोड़ा गया है। इस बस्ती का ज्यादातर हिस्सा चीन के ऐसे इलाके में है, जिस पर कोई विवाद नहीं है। लेकिन एक कंस्ट्रक्शन प्लांट और दो हेलीपैड भारत के मूल दावे वाले इलाके (मैकमोहन रेखा के अंदर) दिखते हैं।

अरुणाचल प्रदेश के हिस्सों में चीन की घुसपैठ को लेकर चिंताएं नई नहीं हैं। नवम्बर 2019 में बीजेपी सांसद तापिर गाओ ने लोकसभा में कहा था कि अरुणाचल प्रदेश में चीन के कब्जे की कोई कवरेज नहीं हो रही है।

बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत

बलरामपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले में गुरुवार दोपहर बिजली गिरने से मां और बेटी की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना उस वक्त हुई जब मां और बेटी खेत में काम कर रही थी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला राजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पतरापारा का है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम पतरापारा निवासी प्रमोद कुमार टेकाम (22 वर्ष) ने राजपुर थाने में मर्ग सूचना दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनकी परिजन मानती टेकाम (33 वर्ष) और उनकी बेटी कुमारी विमला टेकाम (14 वर्ष) खेत में काम करने गई थी। दोपहर लगभग 2:10 बजे अचानक मौसम खराब हो गया और तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से बचने के लिए दोनों खेत के पास स्थित एक सेमर के पेड़ के नीचे खड़ी हो गई।

बिजली गिरने से मां-बेटी की मौत इसी दौरान तेज गर्जना के साथ बिजली पेड़ के पास गिरी, जिसकी चपेट में आने से मां-बेटी गंभीर रूप से झुलस गई। घटना स्थल पर ही दोनों की मौत हो गई। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल घटना की सूचना परिजनों और पुलिस को दी।

सूचना मिलते ही राजपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई शुरू की। पुलिस द्वारा घटना की जांच की जा रही है तथा पंचनामा एवं अन्य कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की जा रही हैं।

राजपुर पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि वर्षा, गरज-चमक और बिजली की स्थिति में खुले मैदान, ऊंचे पेड़ों या बिजली गिरने की आशंका वाले स्थानों पर शरण न लें।

बंगाल की खाड़ी में लो प्रेशर एरिया, झारखंड में बारिश

लातेहार, लोहरदगा सहित 5 जिले में भारी बारिश, 6 जुलाई तक बरसेंगे बादल

रांची, 2 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड में आज से मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना के चलते राज्य के कई हिस्सों में बारिश, तेज हवा और वज्रपात की स्थिति बन सकती है। मौसम विभाग के अनुसार दो और तीन जुलाई को लातेहार, लोहरदगा, गुमला, सिमडेगा और पश्चिमी सिंहभूम में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है।

अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ तेज हवा चलने की संभावना है। चार जुलाई तक यह स्थिति बनी रह सकती है, जबकि पांच और छह जुलाई को रांची सहित कई जिलों में फिर से भारी वर्षा के आसार हैं। लगातार बारिश से अधिकतम तापमान में गिरावट आएगी लेकिन बीच-बीच में उमस बढ़ने की भी संभावना

बनी रहेगी। मौसम विभाग का अनुमान है कि पूरे जुलाई माह में सामान्य या सामान्य से कम वर्षा हो सकती है। महीने के पहले 10 दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद है, क्योंकि मानसून इस दौरान सक्रिय रहेगा। लेकिन इसके बाद वर्षा की गतिविधियों में कमी आ सकती है। इसका प्रमुख कारण प्रशांत महासागर में विकसित हो रही अल नीनो की स्थिति है। जो मानसून की रफ्तार को प्रभावित कर सकती है।

यही वजह है कि राज्य में मानसून पूरी तरह फैलने के बावजूद सभी जिलों में समान रूप से बारिश नहीं हो रही है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है, क्योंकि खेती के लिए लगातार और संतुलित बारिश बेहद जरूरी होती है।

दो महिलाओं ने बच्ची को ढाल बनाकर की चोरी

परसुडीह में दिनदहाड़े वारदात, स्थानीय लोगों ने पकड़ा

जमशेदपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के परसुडीह थाना क्षेत्र में संत रॉबर्ट स्कूल के पास एक घर में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। गुलगुलिया गैंग की दो महिला सदस्यों ने एक मासूम बच्ची को ढाल बनाकर इस वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, स्थानीय लोगों की सतर्कता के कारण दोनों महिलाओं को मौके से कुछ ही दूरी पर पीछा कर पकड़ लिया गया।

पीड़ित मकान मालिक अमन कुमार ने बताया कि घटना के समय परिवार के सभी सदस्य घर के दूसरे कमरे में मौजूद थे। इसी बीच, दोनों महिलाएं एक छोटी बच्ची के साथ घर में दाखिल हुईं ताकि उन पर किसी को शक न हो। योजना के तहत, एक महिला बाहर निगरानी कर रही थी, जबकि दूसरी महिला चुपके से कमरे में घुस गई और अलमारी से पैसे निकाल लिए।

परिजनों को आहट मिलने पर वे कमरे में आए, तब तक महिलाएं चोरी कर भागने लगी थीं। परिजनों के अनुसार, महिलाओं ने अलमारी से 500 रुपए निकाले थे, जो बाद में छानबीन के दौरान उनके पास से बरामद हो गए। भाग रही दोनों महिलाओं को अमन और स्थानीय लोगों ने पीछा कर कुछ ही दूरी पर दबोच लिया। घटना के तुरंत बाद पुलिस को सूचना दी गई। स्थानीय लोगों ने लगभग 45 मिनट से अधिक समय तक पुलिस वैन का इंतजार किया, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। देरी होते देख और किसी अप्रिय घटना की आशंका के मद्देनजर ग्रामीणों ने आखिरकार दोनों महिलाओं को छोड़ देना ही उचित समझा।

कोडरमा घाटी में एक साथ टकराई 5 गाड़ियां

मूसलाधार बारिश से ट्रक पलटा, फिर एक के बाद एक गाड़ियों में टक्कर, सड़क जाम

कोडरमा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कोडरमा घाटी के खतरनाक माने जाने वाले नौवां माइल क्षेत्र में बुधवार रात मूसलाधार बारिश ने हालात बिगाड़ दिए। रांची-पटना मेन रोड पर बिहार से रेडीमेड कपड़े लादकर आ रहा एक ट्रक रात करीब 8 बजे अनियंत्रित होकर पलट गया।

ट्रक पलटते ही उसमें लदे कपड़ों के कार्टून सड़क पर बिखर गए, जिससे यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। इस हादसे में चालक सुनील साव को हल्की चोटें आईं। सूचना मिलते ही कोडरमा सदर थाना प्रभारी अरविंद कुमार और एसआई धनेश्वर कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति को संभालने में जुट गए।

पहले हादसे से उबरने की कोशिश चल ही रही थी कि उसी जगह पर दूसरा बड़ा हादसा हो गया। केटीपीएस से राख (डस्ट) लेकर

बिहार जा रहा एक हाईवा भी फिसलन के कारण पलट गया। इससे सड़क पर राख फैल गई।

इसके बाद पीछे से आ रहे 3-4 वाहन भी अनियंत्रित होकर आपस में टकरा गए। लगातार हुए हादसों के कारण सड़क पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया और दोनों ओर वाहनों की कतारें खड़ी हो गईं। दुर्घटनाओं के बाद पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव कार्य शुरू किया। क्रेन की मदद से पलटे वाहनों को हटाने और सड़क साफ करने का प्रयास देर रात तक जारी रहा। हालांकि बारिश और फिसलन के कारण काम में बाधाएं आती रहीं। पूरी रात यात्री जाम में फंसे रहे और भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। सुबह होते-होते धीरे-धीरे जाम हटाया गया।

हर 12 साल में क्यों बदल दी जाती है जगन्नाथ जी की प्रतिमा?

जगन्नाथ जी के मंदिर की मूर्तियों का रहस्य

आज से आषाढ़ माह की शुरुआत हो गई है। इस माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि के दिन ओडिशा के पुरी स्थित मंदिर में भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा निकाली जाती है। रथयात्रा के दौरान उनके बड़े भाई बलभद्र और सुभद्रा देवी के रथ भी निकाले जाते हैं। इस साल भगवान जगन्नाथ जी का ये पावन पर्व 16 जुलाई से शुरू होकर 24 जुलाई तक चलेगा। धार्मिक मान्यता की रथयात्रा के दौरान रथों की रस्सियां खींचने से जन्म-जन्मांतर के पाप कट जाते हैं।

यही कारण है कि जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। जगन्नाथ जी के मंदिर के कई ऐसे रहस्य हैं, जिनके बारे में जानकर लोग चौंक जाते हैं। इन्हीं में से एक यह भी है कि हर 12 साल में इस धाम की मूर्तियों को बदल दिया जाता है। इस अनुष्ठान को 'नवकलेवर' कहा जाता है, जिसका अर्थ होता है नया शरीर। 'नवकलेवर' अनुष्ठान में जगन्नाथ मंदिर में स्थापित श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा देवी और सुदर्शन जी की प्रतिमा बदली जाती है।

बहुत ही गुप्त होता है अनुष्ठान

श्री जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा देवी और सुदर्शन जी की प्रतिमाओं को बदलने के पीछे की वजह ये है कि ये प्रतिमाएं लकड़ी से बनाई जाती हैं और ये खंडित न हों, इसलिए इन प्रतिमाओं को बदल दिया जाता है। नवकलेवर अनुष्ठान के दौरान पूरे शहर भर की लाइटें बंद करवा दी जाती हैं। इससे हर स्थान पर अंधेरा हो जाता है। ऐसा इसलिए किया जाता है, क्योंकि ये अनुष्ठान बहुत ही गुप्त रूप से होता है।

मंदिर के पुजारी भी अनुष्ठान को नहीं देखते धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस प्रक्रिया को इसलिए गोपनीय रखा जाता है, ताकि जब ये काम किया जाए तो इस पर किसी नजर न पड़े। यही नहीं मंदिर के जो पुजारी इस अनुष्ठान को करते हैं, वो भी इसको नहीं देखते। भगवान जगन्नाथ, बालभद्र, सुभद्रा और सुदर्शन जी की प्रतिमा को नीम की लकड़ी से बनाया जाता है। मंदिर के मुख्य पुजारी प्रतिमाएं बनाने के लिए पेड़ों का चुनाव करते हैं। मान्यता है कि नीम करीब 100 साल पुरानी होनी चाहिए और उसमें किसी भी प्रकार का दोष नहीं होना चाहिए।

निवर्तमान होकर भी वर्तमान में है गुरु तुलसी

आचार्य श्री तुलसी 30 वां महाप्रयाण दिवस पर विशेष

मुनि चैतन्य कुमार अमन

अध्यात्म जगत के उज्ज्वल नक्षत्र, भारतीय ऋषि परम्परा जैन परम्परा में वैडुर्यमणि, तेरापंथ धर्मसंघ को ऊचाईयां प्रदान कराने वाले, एक महान युगपुरूष थे-आचार्य श्री तुलसी। तुलसी एक ऐसा नाम-जिनका स्मरण मात्र व्यक्ति को समाज और राष्ट्र में अपनी नई पहचान बनाने के लिए प्रेरित करती है। उनका अतिशय-वचनातिशय आभामंडल आकर्षक तथा अनिवर्चनीय आनंद देने वाला था। उनका सम्पर्क, उनके साथ वार्तालाप संवाद करने वाला चाहे वो किसी भी सम्प्रदाय का क्यों न हो हमेशा के लिए उनके चरणों को अपने आचरण का केन्द्र बिन्दु मानने के लिए मजबूर हो जाया करता था। या यों कहा जा सकता है वो अपने दिल में तुलसी की छवि को हर-हमेशा के लिए स्थापित कर लेता था क्योंकि उनका वरद हस्त, आत्मीय भाव, स्नेहिल दृष्टि उसके जीवन का रूपान्तरण में निमित्त बन जाता था ऐसे थे आचार्य श्री तुलसी।

आचार्य श्री तुलसी

वर्तमान युग की समस्याओं का निराकरण करना वे बखूबी जानते थे। उनके बोधपाठ में व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की हर समस्या का समाधान था। कहा जा सकता है वे समाधायक पुरूष थे। युवापीढ़ी और भावीपीढ़ी किशोरपीढ़ी को आगे बढ़ाना, संस्कारित करना उनका ध्येय था। उनके सफल जीवन के लिए सदैव प्रयत्नशील रहते थे। युवापीढ़ी को सफल जीवन के लिए उनको अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए कुछ टिप्स दिए। लक्ष्य निर्धारण, आत्मविश्वास, दृढ़संकल्प, सम्यक पुरूषार्थ, सहिष्णुता, व्यसनमुक्त जीवन प्रत्येक युवा किशोर आत्मसात करे। क्योंकि आज की बाल पीढ़ी युवा पीढ़ी ही परिवार समाज और राष्ट्र का भविष्य है। राष्ट्र का उज्ज्वल भविष्य इन्हीं के मजबूत कंधों पर है। उनका कथन था धर्मसंघ को शक्तिशाली बनाने में युवक अपनी शक्ति का सम्यक नियोजन करे। वे पदलिप्सा, महत्वाकांक्षा की दौड़ से दूर रहे। उनकी नजरों में युवाशक्ति आज फैशन और नशे की गिरफ्त से दूर रहकर ही स्वयं और समाज का भला कर सकती है।

यद्यपि वे एक सम्प्रदाय विशेष के आचार्य अवश्य थे पर उनका दूरगामी चिन्तन मानवीय धरातल पर था। इसीलिए उन्होंने न केवल जैन तेरापंथ अपितु प्रत्येक धर्म-सम्प्रदाय को सम्मुख रखकर अणुव्रत प्रेक्षाध्यान, जीवन विज्ञान जैसे राष्ट्र विकास के अवदान देकर मानवीय एकता राष्ट्र एकता को मजबूती प्रदान की। राष्ट्र की हर इकाई को जोड़ने का सार्थक प्रयास और पुरूषार्थ किया। उनकी देह तो नहीं पर उनके विचार, उनके अवदान, उनके कार्य आज भी जीवित है तो मानना होगा कि आचार्य तुलसी जिन्दा है और हमेशा जिन्दा रहेंगें। व्यक्ति हमेशा जिन्दा नहीं रहता पर उसका व्यक्तित्व, कर्तृव्व, अवदान जीवित रहते है। जो उसको भी व्यक्ति व्यक्ति के दिलों में जीवन्तता प्रदान करते रहते है।

आचार्य तुलसी के जीवन में आन्तरिक और बाह्य अनेक संघर्ष आए पर वे संघर्षों की आग में तपकर निखरते गए। तपकर ही सोना निखार को प्राप्त होता है। उसकी चमक बढ़ती जाती है। उसी तरह आचार्य तुलसी भी संघीय, समाज और राष्ट्रीय स्तर पर संघर्षों की ताप में तपकर सदैव निखार को प्राप्त करते रहे। इसीलिए तो संघीय, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर अनेक सम्बोधन विशेषण प्राप्त होते रहे। और धर्मसंघ के साथ वैश्विक स्तर पर एक नई पहचान मिली।

ऐसे महामानव के बारे में जितना कहा जाय-लिखा जाय कम ही होगा। उनकी पुण्यतिथि पर सदैव उनके द्वारा प्रशस्त मार्ग पर चलना ही उनकी पुण्य स्मृति होगी। सौहार्द सहिष्णुता नैतिकता के बीज मंत्र थे-गुरू तुलसी शाश्वततथ्यों के विज्ञाता अनुशास्ता थे गुरू तुलसी कीर्तिमानों की दीर्घश्रृंखला, दिल के अरमान है गुरू तुलसी निवर्तमान होकर भी ह्रदयपटल पर वर्तमान है गुरू तुलसी अन्त में उनका नाम था तुलसी। तुलसी का पौधा बड़ा ही गुणकारी होता है। वैसे ही ज्ञानवान, गुणवान, भगवान की महान आत्मा तुलसी को शत-शत नमन ।

श्राप या वरदान, किस वजह से द्रौपदी को करना पड़ा पांचों पांडवों से विवाह

द्रौपदी का पांचों पांडवों से विवाह एक श्राप नहीं, बल्कि पूर्वजन्म में शिव जी द्वारा दिया गया वरदान था. एक कन्या के रूप में द्रौपदी ने पांच सुयोग्य पतियों का वरदान मांगा था. माता कुंती की आज्ञा और श्रीकृष्ण के स्पष्टीकरण के बाद, द्रौपदी ने महादेव के वरदान का सम्मान करते हुए यह विवाह स्वीकार किया.

महाभारत की कथा में कई अहम किरदार मिलते हैं। इन्हीं में शामिल है द्रौपदी। द्रौपदी के चीरहरण की कहानी सभी ने देखी और सुनी है। द्रौपदी के अपमान को महाभारत युद्ध के प्रमुख कारणों में से एक माना जाता है। द्रौपदी पांचों पांडवों की पत्नी थीं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि द्रौपदी की ऐसी कौन सी मजबूरी थी कि उनको पांचों पांडवों से विवाह करना पड़ा? इसके पीछे कोई श्राप नहीं है, बल्कि एक वरदान है। आइए जानते हैं द्रौपदी के विवाह की कहानी। पौराणिक कथाओं के अनुसार, द्रौपदी यज्ञकुंड की अग्नि से उत्पन्न हुईं थीं। वो पांचाल के महाराजा द्रुपद की पुत्री थीं। द्रौपदी को इंद्राणी भी कहा जाता है। द्रौपदी पिछले जन्म में एक सुंदर कन्या थीं, लेकिन उस कन्या को विवाह के लिए योग्य वर नहीं मिला। तब कन्या ने शिव जी की तपस्या की। तपस्या से प्रसन्न होकर शिव जी ने उससे वर मांगने को कहा। कन्या ने पांच सुयोग्य वर मांग लिए। शिव जी ने भी वरदान दे दिया। इस तरह से उसको पांच पतियों का वरदान मिला।

द्रौपदी ने अर्जुन के गले में वरमाला डाली

उसी कन्या का जन्म जब द्रौपदी रूप में हुआ तो राजा द्रुपद ने पुत्री के स्वयंवर का आयोजन किया। इसमें पांडव ब्राह्मण बनकर पहुंचे। अर्जुन ने द्रौपदी का स्वयंवर जीता और द्रौपदी ने उनके गले में वरमाला डाल दी। इसके बाद पांचों भाई द्रौपदी समेत माता कुंती के पास पहुंचे। अर्जुन ने माता कुंती से कहा कि देखो हम कैसी वस्तु लाए हैं। कुंती ने बिना देखे ही पांचों भाइयों से कहा कि वो जो भी लाए हैं उसको आपस में बांट लें। कुंती ने जब पलटकर देखा तो द्रौपदी थीं।

द्रौपदी ने रखा महादेव के वरदान का मान

इसके बाद उनको बहुत पछतावा हुआ, लेकिन कुंती भी क्या कर सकती थीं। उनकी बात तो स्वयं महादेव का वो वरदान था, जो द्रौपदी ने शिव जी से पिछले जन्म में एक सुंदर कन्या के रूप में मांगा था। द्रौपदी को उनके मांगे हुए वरदान के बारे में भगवान श्रीकृष्ण ने बताया। इसके बाद द्रौपदी ने महादेव के वरदान और माता की कुंती की आज्ञा का मान रखते हुए पांचों पांडवों से विवाह कर लिया। पांच पांडवों की पत्नी होने के चलते है ही द्रौपदी को पांचाली भी कहा जाता है।

अगर योजना अच्छी हो और संसाधनों का सही इस्तेमाल हो

किसी भी काम की सफलता उसकी योजना पर निर्भर करती है, इसलिए कहा जाता है कि निर्माण से महत्वपूर्ण योजना होता है। अगर योजना सही हो, तो काम समय पर और सही ढंग से पूरा हो जाता है। योजना बनाते समय यह तय करना चाहिए कि कार्य कब शुरू होगा, कितने समय में पूरा होगा और किन साधनों की आवश्यकता होगी। योजना के साथ उपलब्ध संसाधनों का सही इस्तेमाल करना चाहिए। अगर मन में शुभ संकल्प हो, तो कठिन कार्य भी पूरा किया जा सकता है।

स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

धार्मिक रुझान तो बढ़ा है, आध्यात्मिक जागरण भी हो

बाजार की दुनिया में कहा जाता है कि दुनिया संतानों का अर्थशास्त्र है। इसीलिए बाजार ने बच्चों, युवाओं और महिलाओं को योजनाबद्ध ढंग से अपना उपभोक्ता बनाया और धीरे-धीरे ये उपभोक्ता बाजार का सामान ही बन गए। अब यह सारी बातें परिवार पर जोड़ी जाएं कि परिवार का अर्थशास्त्र संतानों पर टिका है और परिवार का भविष्य पीढ़ी-दर-पीढ़ी इन्हीं संतानों से चलता है।

बाहर की दुनिया में रोबोट धीरे-धीरे हावी हो रहे हैं। रोबोट एक ऐसी वृत्ति है, जो मनुष्य के भीतर की भावनाओं को पी जाएगी। इसके खतरे परिवार में भी दिखेंगे। परिवार में लोग जीते-जागते रहते हुए भी रोबोट की तरह व्यवहार करेंगे। मां-बाप बच्चों को रोबोट जैसा तैयार कर रहे हैं और रोबोट एक दिन इतना निरंकुश हो जाएगा कि वह किसी मनुष्य के वश में नहीं रहेगा।

इसका सबसे बड़ा खतरा परिवार में यह देखने को मिलेगा कि आने वाली पीढ़ियां परिवार को बोझ मानेंगी। इसलिए हमारे परिवारों में धार्मिक रुझान तो बढ़ा है, लेकिन आध्यात्मिक जागरण भी होना चाहिए। आत्मा का स्वाद जिस परिवार ने समझा, उसका अर्थशास्त्र बहुत दूरगामी होगा।

मां शारदा के धाम में कपाट खुलने से पहले ही हो जाती है पूजा, गूंजती है घंटियों की आवाज

मध्य प्रदेश के मैहर में त्रिकुट पर्वत पर स्थित माता शारदा (मैहर माता) का मंदिर एक चमत्कारी शक्तिपीठ है। यहां माता सती के गले का हार गिरा था। इस मंदिर का सबसे बड़ा रहस्य है बंद कपाटों के बाद भी घंटियों की आवाज सुनाई देना। लोकमान्यता है कि माता के परम भक्त आल्हा और ऊदल आज भी यहां गुप्त रूप से पूजा करते हैं, जो इसे भक्तों के लिए और भी अद्भुत बनाता है।

भारत आस्था, आध्यात्म और चमत्कारी मंदिरों की भूमि है। यहां हिमालय से लेकर कन्याकुमारी तक बहुत से प्राचीन और रहस्यमयी मंदिर हैं, जिनके बारे में जानकर लोग हैरान हो जाते हैं। ऐसा ही एक मंदिर मध्य प्रदेश के मैहर में भी है। ये मंदिर त्रिकुट पर्वत पर 600 फीट की ऊंचाई पर है। ये मंदिर माता शारदा का है। इसको मैहर माता का मंदिर भी कहा जाता है।

यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ रहती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, ये मंदिर शक्तिपीठ है। कहा जाता है कि यहां माता सती के गले का हार गिरा था। इस कारण इस स्थान का नाम मैहर (मां का हार) पड़ा। इस मंदिर की सबसे बड़ी हैरान करने वाली बात ये है कि यहां कपाट बंद होने के बाद भी माता की पूजा हो जाती है और घंटियों की आवाज सुनाई देती है।

आल्हा और ऊदल मंदिर में आकर पूजा करते हैं

कहा जाता है कि शाम के समय मंदिर के कपाट बंद होने और चारों ओर सन्नाटा छाने के बाद भी मंदिर के अंदर लगातार घंटियों के बजने की आवाज सुनाई देती है। ये घटना लोगों की आस्था और जिज्ञासा का केंद्र है। लोक मान्यता है कि माता शारदा के परम भक्त आल्हा और ऊदल मंदिर में आकर पूजा करते हैं। यही कारण है कि मंदिर के कपाट बंद होने के बाद भी घंटियों की आवाज सुनाई देती है।

ब्रह्म मुहूर्त में भी मंदिर के आसपास घंटियों की आवाज आती है। मंदिर के पुजारी जब सुबह कपाट खोलते हैं, तो मां की प्रतिमा पर फूल चढ़े हुए मिलते हैं। श्रद्धालुओं का मानना है कि आज भी आल्हा और ऊदल को मां की पूजा सबसे पहले करने का सौभाग्य प्राप्त होता है। आल्हा और ऊदल माता शारदा के बहुत बड़े भक्त माने जाते हैं।

माता ने दिया था अमरत्व का वरदान

मान्यता है कि इन दोनों के कठोर तप से प्रसन्न होकर माता ने इनको अमरत्व प्रदान किया था। इन दोनों की गिनती महान योद्धाओं में की जाती है। इन्होंने पृथ्वीराज चौहान को हराया था। बाद में गुरु गोरखनाथ के कहने पर आल्हा ने संन्यास ले लिया था। माता के मंदिर में आज भी आल्हा की निशानियां सुरक्षित हैं। यहां आल्हा की तलवार और खड़ाऊ के भक्त दर्शन किया करते हैं।

क्या आपके घर में इस दिशा में रखा है सोफा और टीवी?

हर इंसान के लिए घर और उसमें रखी चीजें बहुत महत्वपूर्ण होती हैं। इंसान को अपने घर की कुछ चीजों से बहुत लगाव हो जाता है।सोफा और टीवी घर की विशेष चीज मानी जाती है। सोफा आराम करने के लिए उपयोग किया जाता है और टीवी मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होता है। इन दोनों चीजों को रखने का स्थान काफी महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि सोफा और टीवी के स्थान का प्रभाव मानसिक सेहत, आर्थिक स्थिति और पारिवारिक संबंधों पर होता है।

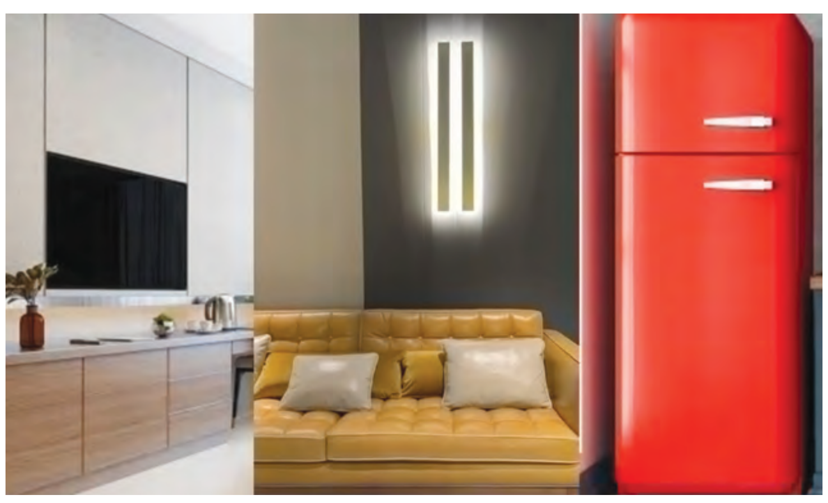

अक्सर बहुत से घरों में सजावट के चक्कर में सोफा और टीवी कहीं भी रख दिया जाता है, लेकिन वास्तु के जानकार बताते हैं कि गलत दिशा में रखा सोफा और टीवी घर में नकारात्मक उर्जा को बढ़ा सकते हैं।

इन दिशाओं में न रखें सोफा और टीवी

वास्तु शास्त्र में कहा गया है कि सोफा और टीवी कभी भी उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) और दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य कोण) दिशा में रखने से बचें। उत्तर-पूर्व में सोफा और टीवी रखने से मानसिक तनाव और पैसों की समस्याएं हो सकती हैं। इन दोनों दिशाओं में रखा सोफा और टीवी परिवार में कलह और अशांति का कारण भी बन सकता है।

सोफा रखने के लिए शुभ दिशाएं

लिविंग रूम में सोफा हमेशा दक्षिण या पश्चिम दिशा की दीवार से सटाकर ही रखना चाहिए। सोफा रखने के लिए ये दोनों दिशाएं शुभ मानी जाती हैं। इससे घर के सदस्यों में आपस में प्रेम बना रहता है।

टीवी किन दिशाओं में रखें?

घर का टीवी हमेशा दक्षिण-पूर्व दिशा में रखें। टीवी रखने के लिए ये दिशा सबसे अच्छी मानी जाती है। वास्तु के अनुसार, ये दिशा अग्नि का प्रतीक है। इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी इसी श्रेणी में आते हैं। अगर दक्षिण-पूर्व दिशा में जगह न हो, तो टीवी उत्तर या पूर्व दीवार पर भी लगाना चाहिए।

सोफे और टीवी से जुड़े महत्वपूर्ण वास्तु टिप्स

टीवी स्क्रीन और सोफे के नीचे धूल जमा नहीं होने देनी चाहिए। रोजाना सफाई करनी चाहिए। क्योंकि गंदगी नकारात्मकता को बुलाती है। लिविंग रूम में पर्याप्त प्राकृतिक रोशनी का होना बहुत जरूरी है। लिविंग रूम के कोनों में छोटे इनडोर पौधे जैसे- स्नेक प्लांट या मनी प्लांट रखना चाहिए। इन पौधों को लगाने से घर में सुख-शांति बढ़ती है।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 3 जुलाई - 2026

पीओके में बढ़ता असंतोष

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से लगातार विरोध-प्रदर्शनों की तस्वीरें सामने आ रही हैं जो केवल कानून-व्यवस्था का मामला नहीं हैं, बल्कि वे वर्षों से पनप रहे गहरे जन-असंतोष का प्रतिबिंब है। हजारों लोग सड़कों पर उतर कर महंगाई, बेरोजगारी, बिजली संकट, करों में वृद्धि और प्रशासनिक उपेक्षा के खिलाफ आवाज बुलंद कर रहे हैं। जाहिर है यदि किसी क्षेत्र की जनता बार-बार अपने ही शासन के विरुद्ध प्रदर्शन करने को मजबूर हो जाए, तो स्वाभाविक है कि वहां की नीतियां और प्रशासन जनता की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर रहे हैं। लोकतंत्र की असली कसौटी जनता का विश्वास होता है, और जब वही कमजोर पड़ने लगे तो सत्ता को आत्ममंथन करना ही चाहिए। पीओके का मुद्दा अक्सर अंतरराष्ट्रीय मंचों पर राजनीतिक विमर्श तक सीमित रह जाता है, लेकिन वहां रहने वाले लोगों के दैनिक जीवन की वास्तविक समस्याओं पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, उद्योग, रोजगार और बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव वहां की सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ है। आर्थिक संकट से जूझ रहे पाकिस्तान के लिए इस क्षेत्र में पर्याप्त निवेश और विकास सुनिश्चित करना भी कठिन हो रहा है। इससे आम नागरिकों में लगातार निराशा बढ़ रही है और समय-समय पर उसका रूप बड़े जनआंदोलनों के रूप में सामने आता रहा है। हाल के वर्षों में पीओके में महंगाई, बिजली संकट, कर वृद्धि और आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के विरोध में अनेक प्रदर्शन हुए हैं। कुछ स्थानों पर भारत के प्रति समर्थन और पाकिस्तान की नीतियों के विरोध से जुड़े नारे भी सामने आए, जिनकी विभिन्न स्रोतों द्वारा अलग-अलग व्याख्या की गई। ऐसे संवेदनशील विषयों पर किसी भी निष्कर्ष तक पहुंचने से पहले तथ्यों, स्थानीय परिस्थितियों और अंतरराष्ट्रीय संदर्भों का संतुलित मूल्यांकन आवश्यक है। इतना स्पष्ट है कि जब किसी क्षेत्र के लोगों को सम्मानजनक जीवन, विकास के अवसर और प्रभावी शासन नहीं मिलता, तब असंतोष का स्वर तेज होना स्वाभाविक है। दूसरी ओर, भारत प्रशासित जम्मू-कश्मीर में हाल के वर्षों में सड़क, रेल, पर्यटन, निवेश, शिक्षा और बुनियादी ढांचे के विकास को लेकर उल्लेखनीय प्रयास किए गए हैं। हालांकि दोनों क्षेत्रों की परिस्थितियों की सीधी तुलना हमेशा संभव नहीं होती, फिर भी यह निर्विवाद है कि किसी भी सरकार की सबसे बड़ी सफलता जनता का विश्वास, सुशासन, पारदर्शिता और विकास सुनिश्चित करने में निहित होती है, न कि केवल राजनीतिक दावों में। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को चाहिए कि वह पीओके के लोगों के मानवाधिकार, विकास और लोकतांत्रिक अधिकारों से जुड़े प्रश्नों पर निष्पक्ष तथा तथ्य आधारित दृष्टिकोण अपनाए। किसी भी क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की आवाज को दबाने के बजाय संवाद, संवेदनशीलता और लोकतांत्रिक मूल्यों के माध्यम से समाधान खोजने की आवश्यकता है। मानवाधिकारों और नागरिक स्वतंत्रताओं के प्रश्न किसी भी राजनीतिक सीमा से बड़े होते हैं। पीओके की घटनाएं स्पष्ट संकेत देती हैं कि किसी भी क्षेत्र में स्थायी शांति, राजनीतिक नारों से नहीं बल्कि सुशासन, विकास, पारदर्शिता और नागरिकों के अधिकारों के सम्मान से स्थापित होती है। अब आवश्यकता है कि विश्व समुदाय पीओके की वास्तविक परिस्थितियों पर गंभीरता से ध्यान दे और वहां के लोगों की आवाज़ को उचित महत्व मिले। यही किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी पहचान और सबसे मजबूत नींव है।

117 नागरिकों की अपील पर क्या रहेगा भारत का रुख ?

अशोक भाटिया

हाल ही में भारत और पाकिस्तान के 117 नागरिकों द्वारा दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों—नरेंद्र मोदी और शहबाज शरीफ को लिखा गया संयुक्त पत्र दक्षिण एशिया के राजनीतिक परिदृश्य में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और सामयिक हस्तक्षेप है। इस पत्र से माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मोर्चे पर जब भी भारत अपने हितों की रक्षा के लिए कोई कड़ा और निर्णायक कदम उठाता है, तो उसकी गूँज केवल सीमा पार ही सुनाई नहीं देती। आश्चर्यजनक रूप से, उसकी सबसे तीखी प्रतिक्रिया देश के भीतर बैठे एक विशिष्ट वर्ग से आती है। हाल के दिनों में जब भारत ने पाकिस्तान की ओर जाने वाली अपनी नदियों के पानी पर अपना वैधानिक हक जताते हुए उसे रोकने या मोड़ने की दिशा में ठोस कदम उठाए, तो सीमा पार से अधिक कोहराम भारत के लुटियंस ज़ोन, कुछ खास बौद्धिक गलियारों और स्वघोषित 'शांति दूतों' के खेमे में मच गया।

यह स्थिति बरबस ही एक पुरानी कहावत को चरितार्थ करती है-पानी पाकिस्तान का बंद हुआ है, मगर गला यहाँ के 'शांति दूतों' का क्यों सूख रहा है? यह केवल एक व्यंग्यपूर्ण वाक्य नहीं है, बल्कि यह भारत की आंतरिक सुरक्षा, कूटनीति और वैचारिक युद्ध (नैरेटिव वॉर) की उस गहरी कड़वी सच्चाई को उजागर करता है, जिससे हमारा देश दशकों से जूझ रहा है। इस पूरे विवाद की जड़ को समझने के लिए हमें सबसे पहले भारत के जल कूटनीति के रुख को देखना होगा। 1960 में हुई सिंधु जल संधि दुनिया के इतिहास में सबसे उदार संधियों में से एक मानी जाती है। इस संधि के तहत भारत ने अपनी विशालकाय नदियों (सिंधु, झेलम और चेनाब) का लगभग 80 प्रतिशत पानी पाकिस्तान को दे दिया, जबकि खुद के लिए केवल पूर्वी नदियों (रावी, ब्यास और सतलुज) का पानी रखा।

दशकों तक पाकिस्तान ने भारत की इस उदारता का जवाब पीठ में छुरा घोंपकर दिया। सीमा पार से आतंकवाद, घुसपैठ, और कश्मीर में अस्थिरता फैलाना पाकिस्तान की घोषित नीति बन गया। भारत सरकार ने अब 'अमन की आशा' के छलावे से बाहर निकलते हुए रणनीतिक बदलाव किया है। शाहपुर कंडी बांध परियोजना जैसी योजनाओं के माध्यम से रावी नदी का जो पानी तकनीकी खामियों या बुनियादी ढांचे की कमी के कारण बहकर पाकिस्तान जा रहा था, उसे पूरी तरह रोककर जम्मू-कश्मीर और पंजाब के खेतों की तरफ मोड़ दिया गया है। भारत का यह संदेश साफ है: रक्त और पानी एक साथ नहीं बह सकते। जब पाकिस्तान को पानी की एक-एक बूंद के लिए तरसाने की कूटनीति शुरू हुई, तो देश के भीतर एक खास तबके की छटपटाहट देखने लायक थी। इस वर्ग में कुछ वामपंथी बुद्धिजीवी, चुनिंदा मानवाधिकार कार्यकर्ता, लुटियंस मीडिया के पत्रकार और तुष्टीकरण की राजनीति करने वाले नेता शामिल हैं। इन्हें ही जनमानस में 'शांति दूत' या 'कैंडल गैंग' के नाम से जाना जाता है।

इनका गला सूखने यानी इनके भीतर छटपटाहट पैदा होने के पीछे निम्नलिखित चार प्रमुख कारण हैं:1. वैचारिक और राजनीतिक प्रासंगिकता का संकट- इन तथाकथित शांति दूतों की पूरी राजनीति और बौद्धिक दुकानदारी 'भारत-पाकिस्तान भाई-भाई' और 'क्रिकेट कूटनीति' के इर्द-गिर्द घूमती है। जब भारत सरकार पाकिस्तान के खिलाफ कोई कड़ा आर्थिक या रणनीतिक कदम उठाती है, तो इन विचारकों का पूरा नैरेटिव ध्वस्त हो जाता है। इन्हें डर है कि यदि पाकिस्तान पूरी तरह से अलग-थलग पड़ गया, तो वैश्विक मंचों पर भारत-पाक शांति वार्ता के नाम पर मिलने वाले फंड, पुरस्कार और विदेशी दौरों के अवसर समाप्त हो जाएंगे। 2. मानवाधिकार का 'चयनित' चश्मा -इन शांति दूतों का सबसे पसंदीदा तर्क यह होता है कि पानी रोकना एक अमानवीय कृत्य है, इससे पाकिस्तान के गरीब किसान और आम जनता प्रभावित होगी। लेकिन यहाँ इनका दोहरा चरित्र उजागर हो जाता है। जब पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादी भारत के निर्दोष नागरिकों, जवानों और कश्मीरी अल्पसंख्यकों का खून बहाते हैं, तब इन शांति दूतों के होंठ सिल जाते हैं। तब इन्हें उन भारतीय पिताओं, माताओं और अनाथ बच्चों के मानवाधिकार याद नहीं आते। पाकिस्तान के आम नागरिकों के प्रति इनकी सहानुभूति, भारत के वीर शहीदों के प्रति सम्मान पर भारी पड़ने लगती है।

'अंतरराष्ट्रीय छवि' का अनावश्यक भय--इस वर्ग द्वारा यह डर फैलाया जाता है कि यदि भारत ने सिंधु जल संधि के नियमों को कड़ाई से लागू किया या पानी रोका, तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि एक 'आक्रामक और अविश्वसनीय' देश की बन जाएगी। यह तर्क पूरी तरह से खोखला है। आज का भारत वैश्विक मंच पर एक मजबूत आर्थिक और सामरिक शक्ति है। दुनिया उगते सूरज को सलाम करती है, न कि पाकिस्तान जैसे आतंकवाद के गढ़ को। लेकिन यह शांति दूत वर्ग आज भी हीनभावना से ग्रसित है और चाहता है कि भारत हमेशा वैश्विक ताकतों के सामने एक 'कमजोर और सहिष्णु' देश बनकर याचना करता रहे।- 4. 'अमन की आशा' का छलावा और फंडिंग का खेल-यह कोई रहस्य नहीं है कि भारत में कई ऐसे थिंक-टैंक और एनजीओ काम करते रहे हैं, जिन्हें विदेशों से ट्रैक-2 कूटनीति के नाम पर भारी फंडिंग मिलती है। इनका काम दोनों देशों के बीच सिर्फ बातचीत का माहौल बनाए रखना है, चाहे नतीजा कुछ भी निकले। जब भारत सरकार सीधे तौर पर पानी रोकने या सर्जिकल स्ट्राइक जैसे कड़े फैसले लेती है, तो इन संस्थाओं की प्रासंगिकता और उनके वित्तीय स्रोतों पर सीधा प्रहार होता है। सवाल यह भी उठता है कि पानी रोकना रणनीतिक रूप से क्यों जरूरी है?पाकिस्तान जैसे देश के साथ, जो अपनी हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं है, केवल बातों से काम नहीं चल सकता। चाणक्य नीति भी कहती है कि साम, दाम, दंड और भेद का सही समय पर उपयोग ही राज्य की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

आतंकवाद की कमर तोड़नाः पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था पहले से ही वेंटिलेटर पर है। यदि उसकी कृषि व्यवस्था (जो पूरी तरह सिंधु नदी तंत्र पर निर्भर है) संकट में आती है, तो पाकिस्तानी हुक्मरानों और वहां की सेना पर आतंकवाद को पालना बंद करने का चौतरफा दबाव बढ़ेगा।अपने किसानों का हकः दशकों तक हमारे हिस्से का पानी पाकिस्तान में बहता रहा और हमारे पंजाब, राजस्थान और जम्मू-कश्मीर के किसान सूखे की मार झेलते रहे। भारत सरकार का यह कदम अपने नागरिकों को उनका हक दिलाने की दिशा में एक न्यायसंगत कदम है। इस पूरे परिदृश्य को देखकर देश के आम नागरिक के मन में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या किसी भी देश के भीतर बैठे नागरिकों की सहानुभूति अपने देश के हितों से ऊपर किसी दुश्मन देश के लिए हो सकती है?जब पाकिस्तान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध लड़ रहा है, तो भारत के भीतर बैठा यह शांति दूत वर्ग जाने-अनजाने में पाकिस्तान के 'प्रोपोगैंडा टूल' के रूप में काम करने लगता है।

डिजिटल प्राइवेसी की नई परत, लेकिन भीतर छिपे बड़े खतरे

आरके जैन

मोबाइल नंबर अब तक डिजिटल पहचान का सबसे भरोसेमंद आधार रहा है, लेकिन अब उसकी जगह यूजरनेम लेने की तैयारी है। बदलाव जितना आधुनिक दिखता है, जोखिम भी उतने ही बड़े हैं। व्हाट्सऐप यूजरनेम सुविधा ला रहा है, जिससे उपयोगकर्ता अपना मोबाइल नंबर छिपाकर यूजरनेम के माध्यम से नए संपर्कों से बातचीत कर सकेंगे। दावा है कि इससे निजता मजबूत होगी, लेकिन भारत सरकार ने इसके संभावित खतरों को समय रहते भांप लिया।

मेटा को नोटिस भेजकर इस फीचर के भारत में रोलआउट पर अस्थायी रोक लगाना महज तकनीकी कदम नहीं, बल्कि भारत के 50 करोड़ से अधिक व्हाट्सएप यूजर्स की डिजिटल सुरक्षा का सवाल है। जिस देश में रोज हजारों साइबर ठगी होती हों, वहां पहचान को नंबर से हटाकर केवल यूजरनेम के भरोसे छोड़ना क्या अपराधियों को नया हथियार नहीं देगा? आखिर डिजिटल दुनिया में प्राथमिकता सुविधा को मिले या सुरक्षा को?

पहली नजर में मेटा का यह प्रस्ताव बेहद आकर्षक लगता है। इसके तहत हर उपयोगकर्ता 3 से 35 कैरेक्टर्स (अक्षर, संख्या, पीरियड और अंडरस्कोर) वाला यूनिक यूज़रनेम चुन सकेगा। इसके बाद बातचीत के लिए मोबाइल नंबर साझा करने की जरूरत नहीं होगी। नंबर केवल अकाउंट वेरिफिकेशन तक सीमित रहेगा, जबकि चैट में उसकी जगह यूजरनेम दिखाई देगा। कंपनी का दावा है कि ₹यूजरनेम की₹ जैसी अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था अनचाहे संदेशों और संदिग्ध संपर्कों पर प्रभावी नियंत्रण रखेगी। कागज पर यह व्यवस्था निजता को मजबूत करती दिखाई देती है, लेकिन तकनीक का इतिहास बताता है कि हर नई सुविधा अपने साथ नए जोखिम भी लाती है। इसलिए असली सवाल यह नहीं कि यह फीचर कितना आकर्षक है, बल्कि यह है कि इसकी सुरक्षा कितनी अभेद्य और भरोसेमंद है। भारत की चिंता वाजिब है। यहां साइबर अपराध पहले ही महामारी बन चुके हैं। डिजिटल अरेस्ट, फर्जी बैंक अलर्ट, निवेश घोटाले, ओटीपी फ्रॉड, सोशल मीडिया इमपर्सनेशन और भावनात्मक ठगी लाखों लोगों को शिकार बना चुके हैं। ऐसे में यदि कोई ठग किसी अधिकारी, पत्रकार, उद्योगपति, लोकप्रिय हस्ती या आम नागरिक के नाम जैसा यूजरनेम पहले ही ले ले (यूजरनेम स्क्वाटिंग), तो छद्मवेश (इमपर्सनेशन) और पहचान की चोरी आसान हो जाएगी। इसके जरिए फर्जी प्रोफाइल बनाकर पैसे ऐंठना, संवेदनशील जानकारी हासिल करना, अफवाह फैलाना और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ना आसान होगा। तब यह केवल व्यक्ति का नहीं, बल्कि जनविश्वास, कानून-व्यवस्था और राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा का संकट बन जाएगा। इसलिए सरकार की आशंका कल्पना नहीं, डिजिटल हकीकत है।

इन्हीं आशंकाओं के बीच केंद्र सरकार ने मेटा से तीन दिनों में विस्तृत जवाब मांगा है। कंपनी को फीचर का डिजाइन, प्राइवेसी प्रोटोकॉल, सुरक्षा तंत्र, पहचान सत्यापन और दुरुपयोग रोकने के उपाय स्पष्ट करने होंगे। साथ ही समीक्षा पूरी होने तक भारत में इसका रोलआउट रोकने को कहा गया है। यह फैसला तकनीकी प्रगति का विरोध नहीं, बल्कि जिम्मेदार डिजिटल शासन का संकेत है। सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, साइबर सुरक्षा नीतियों और डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून के तहत विदेशी डिजिटल प्लेटफॉर्मों का भारतीय कानूनों और सुरक्षा मानकों का पालन करना अनिवार्य है। डिजिटल भारत में किसी वैश्विक कंपनी की सुविधा से अधिक महत्वपूर्ण नागरिकों की सुरक्षा है।

फिर भी इस प्रस्ताव के सकारात्मक पक्षों को नकारा नहीं जा सकता। आज सेवाओं, व्यापार, फ्रीलांसिंग, ऑनलाइन शिक्षा, कंटेंट क्रिएशन और व्यावसायिक संपर्क के लिए मोबाइल नंबर साझा करना लगभग अनिवार्य हो गया है। इसका नतीजा अनचाहे कॉल, स्पैम संदेश, डेटा लीक और निजी जानकारी के दुरुपयोग के रूप में सामने आता है। यदि नए संपर्कों से केवल यूजरनेम से संवाद हो, तो मोबाइल नंबर काफी हद तक छिपा रह सकता है। इसलिए अनेक उपयोगकर्ता इस सुविधा का स्वागत कर रहे हैं, क्योंकि इससे गोपनीयता मजबूत होगी और डिजिटल ट्रैकिंग घटेगी। लेकिन अच्छी मंशा सुरक्षा की गारंटी नहीं होती; मजबूत सुरक्षा के बिना सबसे उपयोगी तकनीक भी सबसे खतरनाक दरवाजा बन सकती है। साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की सबसे बड़ी चिंता यही है। उनके अनुसार यह फीचर यूजरनेम स्क्वाटिंग, फर्जी खातों और सोशल इंजीनियरिंग हमलों को बढ़ावा दे सकता है। भारत जैसे देश में, जहां भाषाई विविधता, अलग-अलग लिपियां, समान नामों की भरमार और ग्रामीण-शहरी डिजिटल अंतर है, वहां पहचान का सत्यापन अधिक जटिल है। यदि मेटा ने भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप पर्याप्त स्थानीय परीक्षण नहीं किए, तो जोखिम कई गुना बढ़ सकते हैं। केवल एल्गोरिद्म पर्याप्त नहीं; स्थानीय भाषाओं की समझ, प्रभावी शिकायत निवारण, त्वरित सत्यापन और संदिग्ध खातों पर फौरन कार्रवाई भी अनिवार्य होगी।

दरअसल, यह विवाद केवल व्हाट्सएप के एक फीचर का नहीं, बल्कि वैश्विक टेक कंपनियों और राष्ट्र-राज्यों के बीच बढ़ते उस संघर्ष का है, जिसमें सवाल है कि डिजिटल दुनिया के नियम कौन तय करेगा। मेटा जैसे वैश्विक प्लेटफॉर्म हर देश की सामाजिक, कानूनी और सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावित करते हैं। भारत पहले ही डेटा लोकलाइजेशन, इंटरमीडियरी गाइडलाइंस और डिजिटल डेटा संरक्षण जैसे मुद्दों पर स्पष्ट कर चुका है कि विदेशी कंपनियों को यहां केवल कारोबार नहीं, बल्कि भारतीय कानूनों और राष्ट्रीय हितों का भी सम्मान करना होगा। व्हाट्सएप का यह मामला उसी सोच की अगली कड़ी है, जहां डिजिटल संप्रभुता नारा नहीं, राष्ट्रीय आवश्यकता बन चुकी है।

असल चुनौती यूजरनेम नहीं, उस पर कायम होने वाला विश्वास है। जिस डिजिटल पहचान की विश्वसनीयता संदिग्ध हो, उसकी प्राइवेसी भी अर्थहीन हो जाती है। मेटा को अपने सुरक्षा मानकों, पहचान सत्यापन प्रणाली और दुरुपयोग रोकने की रणनीति पूरी पारदर्शिता से सार्वजनिक करनी चाहिए। वहीं, उपयोगकर्ताओं को भी ऐसे यूजरनेम चुनने से बचना होगा जो आसानी से अनुमानित हों या अन्य प्लेटफॉर्मों पर पहले से इस्तेमाल हो रहे हों, और किसी भी संदिग्ध प्रोफाइल या संदेश पर बिना पुष्टि भरोसा नहीं करना चाहिए। सरकार का यह समयोचित हस्तक्षेप स्पष्ट करता है कि डिजिटल भारत में नवाचार का स्वागत होगा, लेकिन नागरिकों की सुरक्षा की कीमत पर नहीं। क्योंकि यदि पहचान की सुरक्षा कमजोर पड़ी, तो आने वाले समय में मोबाइल नंबर नहीं, नाम ही सबसे बड़ी चोरी बन जाएगा।

इलाज की राह में उम्मीद और इम्तिहान

कुमार कृष्णन

स्वास्थ्य व्यवस्था किसी भी राज्य के सुशासन की सबसे महत्वपूर्ण कसौटी होती है। सड़क, बिजली और पानी के साथ यदि लोगों को समय पर गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध नहीं हो, तो विकास का दावा अधूरा रह जाता है। बिहार लंबे समय से कमजोर स्वास्थ्य ढांचे, विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी, संसाधनों के अभाव और भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से जूझता रहा है। ऐसे समय में राज्य के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार द्वारा स्वास्थ्य व्यवस्था में व्यापक सुधार के लिए उठाए गए कदम इस क्षेत्र में एक नए अध्याय की शुरुआत का संकेत देते हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने विभाग में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए लगभग 15 हजार सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में डिजिटल निगरानी प्रणाली लागू करने का निर्णय लिया है। सभी सरकारी अस्पतालों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं ताकि डॉक्टरों और कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित हो सके। वर्षों से सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की अनुपस्थिति और लापरवाही आम शिकायत रही है। यदि डिजिटल निगरानी प्रभावी ढंग से लागू होती है तो यह केवल अनुशासन स्थापित नहीं करेगी, बल्कि सरकारी अस्पतालों के प्रति जनता का विश्वास भी बढ़ाएगी।

स्वास्थ्य सेवाओं में जवाबदेही लाने के लिए केवल निगरानी पर्याप्त नहीं होती। इसके साथ प्रशासनिक इच्छाशक्ति और पारदर्शी व्यवस्था भी आवश्यक है। डिजिटल रिकॉर्ड, ऑनलाइन मॉनिटरिंग और प्रशासनिक प्रक्रियाओं के डिजिटलीकरण जैसे कदम इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इससे मरीजों के इलाज का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा, दवा वितरण में पारदर्शिता आएगी तथा अधिकारियों के लिए अस्पतालों की वास्तविक स्थिति पर नजर रखना आसान होगा।

बिहार में सड़क दुर्घटनाओं और अन्य गंभीर हादसों में समय पर उपचार का अभाव भी लंबे समय से चिंता का विषय रहा है। इस समस्या को देखते हुए सरकार ने 11 नए ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने का निर्णय लिया है। चिकित्सा विज्ञान में गोल्डन ऑवर का विशेष महत्व माना जाता है। दुर्घटना के बाद पहले एक घंटे के भीतर उचित इलाज मिलने पर हजारों लोगों की जान बचाई जा सकती है। यदि ये ट्रॉमा सेंटर आधुनिक सुविधाओं और प्रशिक्षित विशेषज्ञों से लैस होंगे तो निश्चित रूप से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आ सकती है।

इसी प्रकार आयुष्मान भारत योजना से वंचित रह गए पात्र लोगों के लिए विशेष अभियान चलाकर कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने की पहल भी सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गरीब परिवारों के लिए बीमारी अक्सर आर्थिक संकट बन जाती है। यदि अधिक से अधिक लोगों को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिलेगा तो निजी अस्पतालों में इलाज का आर्थिक बोझ काफी कम होगा। लेकिन इन सकारात्मक प्रयासों के बीच बिहार की सबसे बड़ी चुनौती विशेषज्ञ चिकित्सकों की भारी कमी है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार प्रति एक हजार आबादी पर एक डॉक्टर होना चाहिए, जबकि बिहार इस मानक से काफी पीछे है।

यही कारण है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों की लंबी कतारें दिखाई देती हैं और अंततः अधिकांश लोगों को महंगे निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ता है। स्थिति केवल डॉक्टरों की संख्या तक सीमित नहीं है। सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, एनेस्थेटिस्ट और रेडियोलॉजिस्ट जैसे विशेषज्ञ चिकित्सकों के हजारों पद वर्षों से रिक्त हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों की स्थिति और भी चिंताजनक है, जहां कई स्थानों पर नियमित डॉक्टर तक उपलब्ध नहीं हैं। इससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित होती हैं।

हाल ही में नियुक्त किए गए 175 विशेषज्ञ एवं सामान्य चिकित्सा पदाधिकारियों द्वारा निर्धारित समय सीमा के भीतर योगदान नहीं देना स्वास्थ्य विभाग के लिए नई चुनौती बन गया है। सरकार ने ऐसे चिकित्सकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई के संकेत दिए हैं। यह आवश्यक भी है, क्योंकि नियुक्ति प्रक्रिया में वर्षों का समय और सार्वजनिक संसाधन खर्च होते हैं। यदि चयनित डॉक्टर सेवा ही नहीं दें, तो इसका सीधा नुकसान गरीब मरीजों को उठाना पड़ता है।

स्वास्थ्य व्यवस्था की एक और गंभीर समस्या बुनियादी चिकित्सा उपकरणों का अनुपयोगी होना है। अनेक जिला अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड मशीनें, एक्स-रे मशीनें और अन्य जांच उपकरण खराब पड़े रहते हैं। कई बार डॉक्टर उपलब्ध होते हैं, लेकिन मशीनें नहीं चलतीं; और कई स्थानों पर मशीनें हैं, पर उन्हें संचालित करने वाले विशेषज्ञ नहीं हैं। ऐसी स्थिति में मरीजों को निजी जांच केंद्रों पर निर्भर होना पड़ता है, जिससे इलाज का खर्च कई गुना बढ़ जाता है।

सरकार द्वारा सरकारी डॉक्टरों की निजी प्रैक्टिस पर रोक लगाने का निर्णय भी व्यापक बहस का विषय बना हुआ है। इस निर्णय का उद्देश्य सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की उपलब्धता सुनिश्चित करना है ताकि मरीजों को सरकारी संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सेवा मिल सके हालांकि इस व्यवस्था को सफल बनाने के लिए सरकार को डॉक्टरों की कार्यस्थितियों, आवास, सुरक्षा, पदोन्नति और प्रोत्साहन संबंधी मुद्दों पर भी समान गंभीरता से काम करना होगा।

क्या शाकाहारियों को स्वच्छ हवा में सांस लेने का अधिकार नहीं?

डॉ. शैलेश शुक्ला

लोकतांत्रिक समाज में प्रत्येक नागरिक को अपनी पसंद का भोजन करने की स्वतंत्रता प्राप्त है। यह स्वतंत्रता व्यक्तिगत गरिमा और जीवनशैली का महत्वपूर्ण हिस्सा है किंतु वही संविधान प्रत्येक नागरिक के जीवन, स्वास्थ्य, गरिमा और सुरक्षित वातावरण के अधिकार की भी रक्षा करता है। इसलिए प्रश्न यह नहीं है कि कौन क्या खाए, बल्कि यह है कि किंतु किसी भी अधिकार की सीमा वहीं तक होती है, जहाँ से दूसरे व्यक्ति के अधिकारों का हनन प्रारंभ होता है। यदि किसी व्यक्ति की भोजन संबंधी स्वतंत्रता के कारण दूसरे व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई हो, उसे उल्टी, घबराहट, एलर्जी या गंभीर असुविधा का सामना करना पड़े, तो यह केवल व्यक्तिगत पसंद का विषय नहीं रह जाता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक सुविधा और प्रशासनिक उत्तरदायित्व का विषय बन जाता है। हाल ही में अभिनेता पंकज त्रिपाठी द्वारा साझा की गई एक फेसबुक पोस्ट ने इसी संवेदनशील प्रश्न को सार्वजनिक विमर्श के केंद्र में ला दिया। उन्होंने विमान यात्रा के दौरान अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए बताया कि आसपास बैठे यात्रियों द्वारा खोले गए मांसाहारी भोजन की तीव्र गंध के कारण उन्हें और उनके भाई को पूरी यात्रा रुमाल से मुंह ढककर बितानी पड़ी। यह घटना किसी एक व्यक्ति का अनुभव भर नहीं है। देश और दुनिया में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें कुछ प्रकार के भोजन, तीव्र गंध, मसालों या अन्य सुगंधों से वास्तविक शारीरिक परेशानी होती है। ऐसे अनुभव यह सोचने के लिए विवश करते हैं कि क्या सार्वजनिक परिवहन और अन्य साझा स्थानों में सभी नागरिकों के लिए समान रूप से सहज वातावरण सुनिश्चित करने की आवश्यकता नहीं है?

यह स्पष्ट कर देना आवश्यक है कि यह बहस शाकाहार और मांसाहार के बीच श्रेष्ठता सिद्ध करने की नहीं है। भारत सहित विश्व के अनेक समाजों में दोनों प्रकार की भोजन परंपराएं लंबे समय से साथ-साथ अस्तित्व में हैं। संविधान प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जीवनशैली और भोजन संबंधी पसंद रखने की स्वतंत्रता देता है। सार्वजनिक स्थानों पर ऐसा संतुलन कैसे बनाया जाए जिससे किसी की स्वतंत्रता दूसरे के लिए असहनीय कष्ट का कारण न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि सार्वजनिक स्थानों पर व्यवहार संबंधी अनेक नियम पहले से लागू हैं। विमान, रेल, बस, अस्पताल, पुस्तकालय और न्यायालय जैसे स्थानों पर धूम्रपान निषिद्ध है क्योंकि उसका धुआं दूसरों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। कई देशों और संस्थानों में अत्यधिक तीव्र परफ्यूम या सुगंधित उत्पादों के उपयोग को भी हतोत्साहित किया जाता है क्योंकि कुछ लोगों को उनसे एलर्जी या सांस संबंधी समस्या हो सकती है। यदि धुएं और तीव्र रासायनिक गंध के संदर्भ में ऐसी संवेदनशीलता स्वीकार की जा सकती है, तो तीव्र गंध वाले भोजन के संबंध में भी व्यावहारिक और संतुलित दिशानिर्देशों पर विचार करना असंगत नहीं कहा जा सकता। भारत में करोड़ों लोग जन्म से या अपनी व्यक्तिगत आस्था, स्वास्थ्य अथवा जीवनशैली के कारण शाकाहारी हैं। अनेक लोगों को मांसाहारी भोजन की गंध से मतली, उल्टी, सिरदर्द या बेचैनी महसूस होती है। वहीं दूसरी ओर कुछ लोगों को दूध, मूंगफली, समुद्री भोजन अथवा अन्य खाद्य पदार्थों से गंभीर एलर्जी होती है। आधुनिक सार्वजनिक नीति का उद्देश्य किसी एक वर्ग की पसंद को दूसरे पर थोपना नहीं, बल्कि ऐसे साझा मानदंड विकसित करना होना चाहिए जिनसे सभी नागरिकों को न्यूनतम असुविधा के साथ सार्वजनिक सुविधाओं का उपयोग करने का अवसर मिले। विशेष रूप से विमान यात्रा जैसे बंद वातावरण में यह प्रश्न और अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। विमान के केबिन में यात्री कई घंटों तक सीमित स्थान में साथ रहते हैं।

अंतिम दवा

सुरेश कुमार मिश्रा

शहर के उस आखिरी छोर पर बनी भूरी इमारत के बाहर कोई चमकीला साइनबोर्ड नहीं था। वहाँ केवल एक धुंधला सा शीशा टंगा था जिस पर लिखा था कि यहाँ खोई हुई चीजों का इलाज होता है। अंदर की हवा में सूखी गेंदे के फूलों और पुरानी कॉपियों की एक ऐसी गंध घुली थी जो सीधे अतीत के किसी बंद कमरे का दरवाजा खोल देती थी। काउंटर के पीछे एक बूढ़ा आदमी बैठा था जिसकी आँखें ठहर चुकी थीं। वह अपनी कांपती उंगलियों से कांच की छोटी शीशियों को तरतीब से लगा रहा था। उन शीशियों के भीतर कोई तरल पदार्थ नहीं था बल्कि उनमें सिर्फ एक खालीपन दिखाई देता था। एक युवक ने हाँफते हुए दुकान के भीतर कदम रखा। उसकी आँखें रोते-रोते सूज चुकी थीं और उसका पूरा वजूद किसी फटे हुए लिफाफे की तरह बिखर रहा था। उसने काउंटर पर दोनों हाथ टिका दिए। वह हांफते हुए बोला क्या आपके पास ऐसी कोई दवा है जो मेरे सीने के इस भारीपन को हमेशा के लिए शांत कर दे बूढ़े ने बिना नजरें उठाए एक पारदर्शी शीशी को कपड़े से पोंछा। उसने अत्यंत शांत स्वर में कहा यहाँ हर तरह के मर्ज की खुराक मिलती है पर इसकी कीमत बहुत भारी है युवक की आँखों से एक आंसू टपक कर काउंटर के मटमैले शीशे पर फैल गया। उसने जेब से कुछ मुड़े हुए नोट निकाले और आगे बढ़ा दिए। वह रोते हुए बोला मैं अपनी पूरी जमापूँजी देने को तैयार हूँ बस मुझे इस दर्द से मुक्ति दिला दो बूढ़े ने नोटों को छुआ तक नहीं और गहरी सांस लेकर खिड़की से बाहर देखने लगा जहाँ रात धीरे-धीरे पैर पसार रही थी। वहाँ का सन्नाटा इतना गहरा था कि घड़ी की टिक-टिक भी किसी के दिल के टूटने की आवाज जैसी लग रही थी। दुकान के भीतर की अलमारियाँ अजीब तरह से वर्गीकृत थीं। एक कोने में लिखा था कि यह टूटे हुए वादों का हिस्सा है और दूसरी तरफ लिखा था कि यहाँ अधूरी मुलाकातों का मलबबा रखा जाता है। युवक ने एक शीशी को छूना चाहा तो बूढ़े ने उसे टोक दिया। बूढ़े ने कहा इन्हें मत छुओ इनमें उन लोगों का रुदन बंद है जो यहाँ से अपनी यादें बेचकर जा चुके हैं युवक ने अपनी शर्ट की आस्तीन से आँखों को पोंछा।

वह बोला क्या कोई अपनी यादें भी बेच सकता है बूढ़े ने सिर हिलाया। उसने कहा जब यादें नासूर बन जाएँ तो उन्हें शरीर से अलग करना ही एकमात्र रास्ता बचता है युवक काउंटर के पास लगी लकड़ी की बेंच पर ढह गया। उसका रोना अब सिसकियों में बदल चुका था। उसने अपनी दास्तान सुनानी शुरू की। उसने कहा मैं उससे बहुत प्यार करता था हमने साथ जीने के सपने देखे थे पर कल सुबह उसने बिना कुछ कहे मेरा हाथ छोड़ दिया और एक ऐसी दुनिया में चली गई जहाँ से कोई वापस नहीं आता उसकी आवाज का दर्द उस बंद कमरे की दीवारों से टकराकर वापस लौट रहा था। उपमाओं के धनी उस बूढ़े ने युवक को देखा जिसकी हालत उस पेड़ जैसी थी जो हरी पत्तियों के रहते ही भीतर से सूख चुका हो। बाहर सड़क पर गाड़ियों का शोर था पर दुकान के भीतर एक मुकम्मल खामोशी पसरी थी। संवादों का यह सिलसिला जैसे किसी पुरानी डायरी के पन्नों को पलटने जैसा था। युवक ने पूछा इस शीशी को पीने के बाद क्या मैं सचमुच सब कुछ भूल जाऊंगा बूढ़े ने काउंटर के नीचे से एक मटमैली पुड़िया निकाली। उसने कहा तुम उसे पूरी तरह भूल जाओगे उसका चेहरा उसकी आवाज उसका नाम और वह सब कुछ जो तुम्हारे बीच हुआ था पर याद रखना कि इस विस्मृति के बाद तुम्हारे भीतर कुछ भी शेष नहीं बचेगा युवक ने पुड़िया को अपने हाथ में ले लिया। उसकी उंगलियाँ थरथरा रही थीं। उसने कहा मुझे कुछ भी नहीं बचाना है यह दर्द मेरे फेफड़ों को गला रहा है मुझे सांस लेने में तकलीफ होती है बूढ़े की आँखों में भी एक अजीब सी नमी तैरने लगी थी जैसे वह कोई दुकानदार नहीं बल्कि खुद उस दर्द का एक हिस्सा हो जिसे वह बेच रहा था।

'एक चतुर नार' ने ताजा कर दीं बचपन की यादें किशोर कुमार के बेटे ने सुनाया किस्सा

भारतीय सिनेमा के महान गायक किशोर कुमार के गाने आज की पीढ़ी के बीच भी काफी लोकप्रिय है। हाल ही में उनके बेटे सुमित कुमार ने अपने पिता से जुड़ी कुछ यादें साझा कीं। दरअसल, सुमित कुमार टीवी शो 'इंडियन आइडल' में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुए थे। इस दौरान वह एक कंटेस्टेंट की परफॉर्मेंस को देख इमोशनल हो गए। सुमित कुमार ने कहा, मेरा बचपन संगीत और स्टेज शोज के बीच बीता है। मैंने अपने पिता किशोर कुमार को अक्सर स्टेज पर परफॉर्म करते हुए देखा।

खासकर गाने 'ईना मीना डीका' और 'एक चतुर नार' मेरे लिए सिर्फ गाने नहीं थे, बल्कि बचपन की यादों का हिस्सा थे। जब भी ये गाने स्टेज पर बजते थे, तो पूरा माहौल मनोरंजन और हंसी से भर जाता था। उन्होंने बताया, जब कंटेस्टेंट मनराज ने परफॉर्म किया, तो मैं तुरंत अपने बचपन की यादों में पहुंच गया। इस परफॉर्मेंस ने मुझे पुराने दिन याद दिला दिए, जब मैं अपने पिता और परिवार को स्टेज पर देखता था। उस समय स्टेज पर संगीत के साथ एक अलग तरह की जुगलबंदी और मजेदार माहौल होता था, जिसे दर्शक भी बहुत पसंद करते थे। सुमित कुमार ने गाने 'एक चतुर नार' का जिक्र किया।

उन्होंने बताया, इस गाने की परफॉर्मेंस के दौरान कई बार ऐसा होता था कि स्टेज पर मजाकिया अंदाज में स्थिति बदल जाती थी और पूरा माहौल हंसी से भर जाता था। बचपन में मैं यह सब देखकर हैरान भी होता था और खुश भी। मुझे यह सब इतना अच्छा लगता था कि कई बार मैं खुद भी मंच पर जाकर इस मजेदार माहौल का हिस्सा बन जाता था।

उन्होंने गाने 'ईना मीना डीका' के बारे में भी बताया, 'यह गाना मेरे पिता किशोर कुमार के हर लाइव शो का अहम हिस्सा हुआ करता था। चाहे कोई भी कार्यक्रम हो। यह गाना जरूर गाया जाता था और दर्शक इसे बहुत पसंद करते थे।

किशोर कुमार को भारतीय सिनेमा के सबसे महान गायकों में गिना जाता है। उन्होंने अपने लंबे करियर में हजारों गाने गाए और कई भारतीय भाषाओं में अपनी आवाज दी।

उनके मशहूर गीत जैसे 'रूप तेरा मस्ताना', 'मेरे सपनों की रानी', 'ओ मेरे दिल के चैन', 'ये शाम मस्तानी' और 'जिंदगी एक सफर है सुहाना' आज भी लोगों के दिलों में बसे हुए हैं।

बहन निशा को बचपन में कैसे परेशान करती थीं काजल अग्रवाल

फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल, जिन्हें उनकी दमदार एक्टिंग के लिए जाना जाता है और उन्होंने साउथ और कुछ हिंदी फिल्मों में भी शानदार काम किया है। उन्होंने बताया कि कैसे वह बचपन में अपनी बहन निशा अग्रवाल को चिढ़ाया करती थीं। 'सिंघम' एक्ट्रेस काजल अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर कर बताया कि वह निशा को परेशान करने के लिए कहती थीं कि उन्होंने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है, और अगर वह ठीक से पेश नहीं आएगी तो वे उसे वापस कर देंगे। काजल ने लिखा कि जब हम छोटे थे तो मैं अपनी बहन को यह कहकर परेशान करती थी कि हमने उसे सड़क के उस पार वाले डिपार्टमेंट स्टोर से उठाया है और अगर वह बदमाशी करेगी तो उसे क्रेडिट नोट के साथ वापस कर देंगे।

काजल का यह पोस्ट एक यूजर द्वारा निशा से पूछे गए मजेदार सवाल के जवाब में आया है। सवाल-जवाब के एक सेशन के दौरान, एक इंस्टाग्राम यूजर ने निशा से पूछा, आप काजल अग्रवाल जैसी क्यों दिखती हैं?

इस पर उन्होंने मजेदार जवाब देते हुए कहा कि भाई-बहन अक्सर ऐसे ही होते हैं। एक ही माता-पिता, एक जैसे जीन, थोड़ी-बहुत समानता तो होती ही है।

इसी बीच, फिल्म अभिनेत्री काजल अग्रवाल के आने वाले प्रोजेक्ट की बात करे तो अभिनेत्री 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइजन' में श्रेयस तलपड़े के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

अभिनेत्री ने बताया कि यह फिल्म आज के समय में कई माता-पिता के डर और चिंताओं को दिखाती है।

काजल ने कहा कि द इंडिया स्टोरी एक ऐसी फिल्म है, जिसमें समाज के लिए एक मजबूत सामाजिक संदेश है। एक मां के तौर पर, यह कहानी मुझे बहुत निजी स्तर पर छू गई, क्योंकि यह उन डरों और चिंताओं को दिखाती है जो आज कई माता-पिता के मन में

होते हैं। जी स्टूडियोज द्वारा एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से पेश की जा रही 'द इंडिया स्टोरीः स्लो पॉइज़न' को सागर बी. शिंदे ने लिखा है। इस कोर्टरूम ड्रामा के इस साल 24 जुलाई को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। यह हिंदी, तेलुगु और तमिल सहित कई भाषाओं में उपलब्ध होगी।

शुद्ध हिंदी बनाम ओरीः उर्वशी रौतेला ने कर दिया उन्हें पूरी तरह कन्फ्यूज

सोशल मीडिया स्टार ओरी और अभिनेत्री उर्वशी रौतेला एक बार फिर अपने मजेदार रील के साथ दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं। इस बार दोनों एक बस स्टॉप पर बैठे नजर आते हैं, तभी वहां से गुजर रहा एक शख्स उनसे पूछता है, आप यहां क्या कर रहे हो? इसके बाद शुरू होती है एक ऐसी बातचीत, जो देखते ही देखते बेहद हास्यास्पद मोड़ ले लेती है। जैसे ही ओरी, उर्वशी के साथ अपनी दोस्ती का मतलब समझाने की कोशिश करते हैं, वह सही शब्द तलाशने में उलझ जाते हैं और अपनी बात ठीक से नहीं रख पाते। तभी उर्वशी पूरे आत्मविश्वास के साथ आगे आती हैं और शुद्ध हिंदी में अपनी दोस्ती की विस्तृत व्याख्या करती हैं। उनकी भाषा और अंदाज सभी को प्रभावित कर देते हैं, लेकिन ओरी पूरी तरह हैरान रह जाते हैं। उर्वशी की शुद्ध हिंदी सुनकर ओरी के चेहरे पर उलझन साफ नजर आती है। वह चुपचाप यह समझने की कोशिश करते रहते हैं कि आखिर उन्होंने कहा क्या है। दोनों की शानदार केमिस्ट्री, बेहतरीन कॉमिक टाइमिंग और हल्के-फुल्के हास्य से भरपूर यह रील मनोरंजन के उद्देश्य से बनाई गई है और दर्शकों को खूब पसंद आ रही है।

'अगर सुधार करना है तो अपना बचाव करना बंद करो' कंगना रनौत ने राम कपूर को लगाई फटकार

अभिनेत्री कंगना रनौत ने रियलिटी शो 'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' के रूप में एंट्री की। इस दौरान उन्होंने फराह खान और रितेश देशमुख के साथ मिलकर प्रतियोगियों से बातचीत की। शो के दौरान कंगना ने लोकप्रिय टीवी अभिनेता राम कपूर को उनके रवैये को लेकर खरी-खरी सुनाई। कंगना ने राम कपूर से कहा कि अगर वह खुद में सुधार करना चाहते हैं तो उन्हें हर बात पर अपना बचाव करना बंद करना होगा।

'क्वीन' अभिनेत्री ने राम कपूर से कहा, रामजी, आपको इस गेम को इतनी गंभीरता से नहीं लेना चाहिए था और अगर आपको लगता है कि आप इस जेल के लिए बहुत बड़े हैं तो फिर यहां आए ही क्यों? अपनी बेवकूफी दिखाने के लिए?

इस पर राम कपूर ने अपना बचाव करते हुए कहा, जब सही समय आएगा, तब मैं अपनी सच्चाई स्वीकार करूंगा और यहां मौजूद किसी भी व्यक्ति से बेहतर तरीके से करूंगा।

इस पर कंगना ने उन्हें दोबारा चेतावनी देते हुए कहा, अगर खुद में सुधार करना चाहते हैं तो अपना बचाव करना बंद कर दीजिए।

इससे पहले फराह खान ने भी राम कपूर को इसी तरह का रियलिटी चेक दिया था। 'चार्जशीट' सेगमेंट के दौरान फराह ने कहा कि राम कपूर अपने हर शो में मुख्य भूमिका निभाते हैं, लेकिन 'लॉक अप 2' में आने के बाद वह बैकग्राउंड कलाकार बनकर रह गए हैं। फराह ने कहा, मैं आपसे पूछना चाहती हूं, हर शो में आप लीड रोल निभाते हैं, लेकिन यहां आने के बाद आप बैकग्राउंड एक्टर बन गए हैं। राम कपूर ने इस प्रतिक्रिया को सकारात्मक तरीके से नहीं लिया। उन्होंने फराह को रोकने के अंदाज में अपना हाथ उठा दिया। यह देखकर फराह ने कहा, जो मैं देख रही हूं, वह राम मुझे पसंद नहीं आ रहा। यह मजाकिया भी नहीं है।

इसके बावजूद राम कपूर ने कहा, मेरे लिए तो यह मजाकिया है। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं।

फराह ने एक बार फिर समझाने की कोशिश करते हुए कहा, आप यहां जो लेक्चर दे रहे हैं, आप असल में ऐसे बिल्कुल नहीं हैं। लेकिन राम कपूर अपनी बात पर अड़े रहे। उन्होंने कहा, तो निकाल दो मुझे। मैं बदलने वाला नहीं हूं। मैं जैसा हूं, वैसा ही रहूंगा। इसके बाद फराह ने हल्के-फुल्के अंदाज में कहा, जो लोग नहीं बदलते, वे डायनासोर बन जाते हैं। इस पर राम कपूर ने जवाब दिया, मैं डायनासोर बन जाऊंगा।

बारिश में भीगी तमन्ना भाटिया, राशा थडानी ने पूछा- 'मेरे बिना ऐसा क्यों किया'

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री तमन्ना भाटिया की बारिश वाली वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। अभिनेत्री बारिश में भीगकर एंज्वॉय करती दिखीं, लेकिन उनके वीडियो को देखकर उनकी दोस्त अभिनेत्री राशा थडानी काफी निराश हो गईं। तमन्ना भाटिया ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर मुंबई की झमाझम बारिश का एक वीडियो शेयर किया।

क्लिप में तमन्ना बारिश देखकर बेहद एक्साइटेड दिखीं, इसके बाद वो बारिश में भीगने लगीं और सुहावने मौसम का पूरा आनंद उठाया।

थोड़ी देर बाद उन्होंने कैमरे पर कहा, “अब मुझे ठंड लग रही है। मैंने मजे-मजे में यह कर तो लिया।” पोस्ट के कैप्शन में तमन्ना ने लिखा, “मुझे भी अभी

ठंड लग रही है।”

राशा थडानी ने इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए तमन्ना से पूछा, “आपने मेरे बिना ऐसा क्यों किया?”

राशा का यह कमेंट अब फैंस के बीच खूब वायरल हो रहा है। दोनों अभिनेत्रियों के बीच लंबे समय से अच्छी दोस्ती मानी जाती है, जिस वजह से राशा का कमेंट और भी ज्यादा पसंद किया जा रहा है।

अब तमन्ना के आने वाले प्रोजेक्ट्स की बात करें, तो वह जल्द ही बहुप्रतीक्षित ड्रामा ₹वनः फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट₹ में पहली बार सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी।

फिल्म के 28 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि लोक कथाओं पर आधारित यह थ्रिलर फिल्म मध्य भारत के जंगलों की पृष्ठभूमि पर बनी है।

दीपक मिश्रा और अरुणाभ कुमार के निर्देशन में बनी इस फिल्म को बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड के डिवीजन बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फीवर के बैनर तले प्रोड्यूस किया गया है। इसके अलावा, तमन्ना को सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ वी शांताराम की बायोपिक के लिए भी साइन किया गया है। वह इस बहुप्रतीक्षित बायोपिक में शांताराम की दूसरी पत्नी एक्ट्रेस जयश्री का किरदार निभाती नजर आएंगी।

तमन्ना की आने वाली फिल्मों में हॉरर ड्रामा 'रागिनी 3' भी शामिल है, जिसमें आमिर खान के बेटे जुनैद खान लीड रोल में हैं। इसे एकता कपूर के बालाजी मोशन पिक्चर्स ने प्रोड्यूस किया है।

'गदरः एक प्रेम कथा' के सेट पर जब सनी देओल ही बन गए निर्देशक

अमीषा पटेल ने एक टेक में पूरा किया सीन

15 जून 2001 को रिलीज हुई फिल्म 'गदरः एक प्रेम कथा' अपने दौर की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म रही। इस फिल्म के सीक्वल 'गदर 2' ने भी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल की जोड़ी को काफी पसंद किया गया था। अब फिल्म से जुड़ी एक दिलचस्प कहानी अभिनेत्री अमीषा पटेल ने 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' में साझा की। शो में अमीषा पटेल ने कहा, गदरः एक प्रेम कथा' की शूटिंग के दौरान मैं इंडस्ट्री में बिल्कुल नई थी। मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा प्रोजेक्ट था और साथ ही एक बड़ा दबाव भी।

उसी समय मैं एक और बड़ी फिल्म 'कहो ना... प्यार है' की शूटिंग भी कर रही थी, जिससे मेरा शेड्यूल और भी मुश्किल हो गया था। दो अलग-अलग तरह की फिल्मों को एक साथ संभालना मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था और यह दौर मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण समय बन गया था। अमीषा ने कहा, फिल्म में मैंने सकीना का किरदार निभाया था, जिसके चलते काफी समझ की जरूरत थी। कई बार ऐसा होता था कि मैं इमोशनल सीन में सही परफॉर्म नहीं कर पाती थीं और शूटिंग

रुक जाती थी। इस वजह से निर्देशक अनिल शर्मा को बार-बार रिटेक लेने पड़ते थे और कई बार वह इससे परेशान भी हो जाते थे। उन्होंने कहा, उस समय सेट पर माहौल काफी दबाव वाला होता था, क्योंकि लगातार रिटेक के कारण शूटिंग आगे नहीं बढ़ पा रही थी। इस दौरान अभिनेता सनी देओल ने काफी मदद की। उन्होंने मेरे संघर्ष को समझा। कई बार वे निर्देशक से यह भी कहते थे कि उन्हें कुछ समय के लिए सेट से बाहर जाने दिया जाए और फिर खुद सीन को संभालते थे।

अमीषा ने बताया, सनी देओल कई मौकों पर खुद एक तरह से डायरेक्टर की भूमिका में आ जाते थे। वे मुझे सीन समझाते थे और सही इमोशन्स लाने में मदद करते थे, जिसके बाद मेरा शॉट अक्सर एक ही टेक में पूरा हो जाता था। यह मेरे लिए बहुत बड़ा सहारा था, क्योंकि उस समय मैं सीखने की प्रक्रिया में थीं और हर दिन कुछ नया अनुभव कर रही थीं।

उन्होंने बताया, सनी देओल असल जिंदगी में बहुत शांत और शर्मीले स्वभाव के हैं, लेकिन उनके साथ मेरा रिश्ता शूटिंग के दौरान बहुत मजबूत हो गया था। सेट पर कई लोग यह देखकर हैरान होते थे कि एक नई अभिनेत्री और इतने बड़े स्टार के बीच इतनी अच्छी बॉन्डिंग कैसे बन गई। वह हमेशा मेरे साथ खड़े रहते थे और अगर मुझे किसी भी तरह की परेशानी होती थी, तो वे तुरंत मदद के लिए आगे आ जाते थे।

'कुछ कुछ होता है' में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री सना सईद का हॉट लुक

लॉस एंजिल्स में भाषा से जुड़ी चुनौतियों पर बोलीं सना सईद, 'सुना जाना सबसे जरूरी होता है'।

सुपरहिट फिल्म कुछ कुछ होता है में शाहरुख खान की बेटी 'अंजलि' का किरदार निभाकर लोगों के दिलों में जगह बनाने वाली अभिनेत्री सना सईद ने सोशल मीडिया पर अपना एक अनुभव साझा किया। दरअसल, उन्होंने विदेश में रहने के दौरान भाषा, उच्चारण और संवाद से जुड़ी कठिनाइयों के बारे में खुलकर बात की। सना सईद आज लॉस एंजिल्स में रहती हैं और अपने करियर और जीवन को नए तरीके से आगे बढ़ा रही हैं। उन्होंने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपने अमेरिका पहुंचने के शुरुआती दिनों का एक दिलचस्प अनुभव बताया।

सना ने बताया, साल 2016 में मैं पहली बार पढ़ाई के लिए लॉस एंजिल्स आईं थी। इस दौरान मुझे रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों में भी काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। मुझे याद है कि एक बार मैं एक रेस्टोरेंट में गई थी और वहां पानी पीना चाहती थी लेकिन मेरा उच्चारण वहां के लोगों को ठीक से समझ नहीं आया। मैंने कई बार 'वॉटर' कहा, लेकिन रेस्टोरेंट वाला अलग-अलग चीज समझता रहा और यहां तक कि 'सोडा' या 'कोक' तक ऑफर करने लगा।

उन्होंने आगे कहा, उस दिन मुझे एहसास हुआ कि अगर मुझे अमेरिका में लंबे समय तक रहना है, तो मुझे अपने बातचीत करने के तरीके पर काम करना होगा, क्योंकि सुना जाना सबसे जरूरी है। इसके बाद मैंने अपने उच्चारण और बोलने के तरीके पर ध्यान देना शुरू किया और इसके लिए

ट्रेनिंग भी ली।

सना ने बताया कि यह प्रक्रिया आसान नहीं थी। किसी नए देश में जाकर वहां की भाषा के अनुसार खुद को ढालना बिल्कुल एक नई भाषा सीखने जैसा होता है। इसमें समय, मेहनत और लगातार अभ्यास की जरूरत होती है। उन्होंने कहा, कई लोग सोचते हैं कि उच्चारण बदलना बहुत आसान है, लेकिन असल में इसके पीछे बहुत मेहनत और आत्मविश्वास की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा, मुझे इस बात से परेशानी होती है कि लोग अक्सर किसी के उच्चारण का मजाक उड़ाते हैं या उसे गलत समझते हैं। हर व्यक्ति का बोलने का अपना तरीका होता है, जो उसकी संस्कृति और पृष्ठभूमि से जुड़ा होता है। इसलिए किसी के उच्चारण को लेकर नकारात्मक टिप्पणी करना सही नहीं है।

सना ने अपने वीडियो में कहा, मेरे लिए संवाद करना सिर्फ बोलना नहीं है, बल्कि अपने विचारों को सही तरीके से दूसरों तक पहुंचाना है। अभिनय के क्षेत्र में काम करने वाले कलाकारों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि उनकी आवाज और संवाद ही उनका सबसे बड़ा साधन होता है।

अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के कैप्शन में सना ने लिखा, "मेरा एक्सेंट अभी भी पूरी तरह परफेक्ट नहीं है लेकिन मुंबई और लॉस एंजिल्स के बीच के इस सफर ने मुझे एक बड़ा सबक दिया है। किसी भी भाषा या उच्चारण को लेकर शर्म महसूस करने की जरूरत नहीं है, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी तरह से बोलता है और यह पूरी तरह सामान्य है। जब मैं अपनी मां से बात करती हूं, तो मेरा पुराना मुंबई वाला अंदाज फिर से लौट आता है।

लेडीज़ एंड लेडीज़' के साथ और भी खतरनाक हुई टॉक्सिक की दुनिया

यश लौटेंगे हाई-इम्पैक्ट एक्शन अवतार में

टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स की दुनिया अब पहले से भी ज्यादा खतरनाक और रोमांचक हो गई है। 'लेडीज़ एंड लेडीज़' के लॉन्च के साथ फिल्म का एक नया वीडियो सामने आया है, जो इस डार्क और स्टाइलिश दुनिया की ताकतवर महिलाओं पर रोशनी डालता है। पावर, मिस्ट्री, एटीट्यूड और रोमांच से भरपूर यह वीडियो उन महिला किरदारों की झलक देता है जो इस कहानी को दिशा दे रही हैं — और साफ कर देता है कि वे किसी के बनाए नियमों पर चलने वाली नहीं हैं। नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी हर फ्रेम में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराती हैं। उनके किरदार जितने प्रभावशाली हैं, उतने ही जटिल भी। नयनतारा का तीखा और प्रभावशाली अंदाज़, कियारा की आकर्षक और भावनात्मक झलक, तारा की सहज और जीवंत उपस्थिति, रुक्मिणी की तीव्रता और हुमा की दृढ़ और प्रभावी झलक — हर एक किरदार टॉक्सिक की

दुनिया पर अपनी अलग छाप छोड़ता है। इस पूरे माहौल को और गहराई देता है एक प्रभावशाली महिला वॉइस-ओवर, जो कहानी को एक महिला के दृष्टिकोण से पेश करता है और उसमें रहस्य, शक्ति और विद्रोह की भावना जोड़ता है। वीडियो की शुरुआत से ही इसका विद्रोही अंदाज़ साफ नजर आता है, जब स्क्रीन पर एक चेतावनी दिखाई देती हैः "बच्चे दूर रहें। माता-पिता अपने बच्चों को दूर रखें। दादा-दादी अपने बच्चों के बच्चों को भी दूर रखें। परदादा-परदादी अपनी जिम्मेदारी पर देखें।" यह बेबाक और साफ चेतावनी फिल्म के मूड को पूरी तरह दर्शाती है। टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स का यह नया प्रस्तुतीकरण एक ऐसी दुनिया को और विस्तार देता है, जो जितनी खतरनाक है उतनी ही आकर्षक भी। प्रभावशाली विजुअल्स, स्टाइलिश एक्शन और रहस्य से भरे माहौल के साथ यह फिल्म एक अलग तरह का सिनेमाई अनुभव देने का वादा करती है।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी और अभिनेता-निर्माता यश के नेतृत्व में तैयार टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन-अप्स में नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। यह फिल्म कन्नड़ और अंग्रेज़ी में एक साथ शूट की गई है और हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम में भी डब की जाएगी। केवीएन प्रोडक्शंस और मॉन्स्टर माइंड क्रिएशंस के बैनर तले बनी यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

काजोल का मजेदार अंदाज, बोलीं-'जो मेरी पोस्ट पसंद करते हैं, वही सबसे ज्यादा खुश, समझदार और खूबसूरत हैं'

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री काजोल अपनी शानदार अदाकारी के साथ-साथ अपने चुलबुले अंदाज के लिए भी जानी जाती हैं। वह जब भी सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट करती हैं तो उनके फैंस उसे खूब पसंद करते हैं। इस बार भी उन्होंने अपनी एक नई फोटो पोस्ट की, लेकिन उससे ज्यादा चर्चा उनके साथ लिखे गए मजेदार कैप्शन की हो रही है।

काजोल ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक मुस्कुराती हुई सेल्फी पोस्ट की। यह सेल्फी उन्होंने कार के अंदर क्लिक की है। लुक की बात करें तो वह पिंक कलर की साड़ी में नजर आ रही है। इसके साथ उन्होंने डायमंड और रूबी चोकर नेकलेस पहना हुआ है। लाइट मेकअप के साथ उनका लुक काफी आकर्षक लग रहा है। तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरी बनाई हुई एक स्टडी के अनुसार, जो लोग मेरे पोस्ट लाइक करते हैं, वे उन लोगों की तुलना में ज्यादा खुश, ज्यादा इंटेलिजेंट और बेहतर दिखने वाले होते हैं, जो उन्हें लाइक नहीं करते।

अगर काजोल के अभिनय सफर की बात करें तो उन्होंने साल 1992 में 'बेखुदी' फिल्म से अपने करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने लगातार कई सफल फिल्मों जैसे- 'बाजीगर', 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे', 'करण अर्जुन', 'गुप्त', 'प्यार तो होना ही था', 'कुछ कुछ होता है', 'कभी खुशी कभी गम', 'फना', 'माय नेम इज खान', 'दिलवाले', 'तान्हाजीः द अनसंग वॉरियर' और 'लस्ट स्टोरीज 2' में काम किया। फैंस उनकी जोड़ी को अभिनेता शाहरुख खान के साथ ज्यादा पसंद करते है। वह मशहूर अभिनेत्री तनुजा और दिवंगत फिल्म निर्माता शोमू मुखर्जी की बेटी हैं। उन्होंने साल 1999 में अभिनेता अजय देवगन से शादी किया। दोनों के दो बच्चे हैं, बेटी न्यासा देवगन और बेटा युग देवगन।

फरीदा जलाल और किरण कुमार का 'वेलकम टू द जंगल की सफलता में आशीर्वाद शामिल : अक्षय कुमार

बॉलीवुड सुपरस्टार अक्षय कुमार इन दिनों अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म को रिलीज के बाद से ही दर्शकों और समीक्षकों दोनों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच अक्षय कुमार ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया, जिसमें फिल्म से जुड़े वरिष्ठ कलाकारों फरीदा जलाल और किरण कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया। अक्षय ने कहा कि फिल्म की सफलता में उनका आशीर्वाद और अनुभव शामिल है। अक्षय कुमार ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह फरीदा जलाल और किरण कुमार के साथ नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में तीनों मुस्कुराते हुए कैमरे के सामने पोज देते दिखाई दे रहे हैं। इसी तस्वीर के साथ अक्षय ने कैप्शन में अपने दिल की बात साझा की है। उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, अगर एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है, तो यह तस्वीर मेरे लिए लाखों इमोशन्स के बराबर है। 'बड़ी बी' सही कह रही हैं। इस समय जो मैं महसूस कर रहा हूं, उसके सामने धन्यवाद शब्द बहुत छोटा है।

उन्होंने आगे कहा, मैं 'वेलकम टू द जंगल' से जुड़े हर एक व्यक्ति का आभारी हूं, लेकिन खास तौर पर मैं फरीदा जी और किरण सर जैसे दिग्गज कलाकारों के सामने नतमस्तक हूं। शायद इन्हीं के आशीर्वाद से हमारी फिल्म को दर्शकों का इतना अपार प्यार मिल रहा है। पूरी टीम की तरफ से आप सभी को प्यार। जय महाकाल।

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' लोकप्रिय 'वेलकम' फिल्म फ्रेंचाइजी का तीसरा पार्ट है। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान ने किया है, जबकि इसका निर्माण फिरोज ए. नाडियाडवाला ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ सुनील शेट्टी, परेश रावल, अरशद वारसी, तुषार कपूर, श्रेयस तलपड़े, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडिस, दिशा पाटनी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जॉनी लीवर, राजपाल यादव, कीकू शारदा, कृष्णा अभिषेक, दलेर मेहंदी, फरीदा जलाल और किरण कुमार जैसे कई बड़े नाम शामिल हैं। यह फिल्म 22 जून को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी और रिलीज के बाद से ही इसे दर्शकों से अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है।

सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात : दीया मिर्जा

अभिनेत्री दीया मिर्जा ने अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अभिनेता के साथ काम करना, उनके करियर के लिए सौभाग्य की बात है। फिल्म 'इक्का' में दीया मिर्जा और सनी देओल साथ दिखाई देंगे। 'इक्का' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में बात करते हुए दीया ने कहा कि वह हमेशा से देओल परिवार की प्रशंसक रही हैं। इस प्रोजेक्ट के लिए हां कहने की वजह बताते हुए दीया ने कहा, जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी तो मुझे यह बहुत दिलचस्प, मानवीय और दमदार लगी। इसमें किरदारों को बहुत अनोखे, दिलचस्प और आकर्षक ढंग से दिखाया गया है, इसलिए मुझे हां कहना ही पड़ा। सनी देओल के साथ काम करना मेरे करियर के लिए सौभाग्य की बात है और मैं इसे लेकर बहुत खुश थी।

उन्होंने अपने को-स्टार्स तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना की भी तारीफ की। दीया मिर्जा ने कहा कि मैं हमेशा से देओल परिवार की दयालुता, उदारता और जमीन से जुड़े रहने की तारीफ करती रही हूं। सनी देओल बिल्कुल वैसे ही हैं जैसा मैंने सोचा था, बल्कि उससे भी बेहतर। मैंने टीजर लॉन्च के समय भी यह बात कही थी। ऐसी फिल्म का हिस्सा बनना जिसमें तिलोत्तमा शोम और अक्षय खन्ना जैसे कलाकार हों, यह सच में अद्भुत है और सिद्धार्थ ने कहानी को बहुत संवेदनशीलता और समझदारी से पेश किया है।

दीया मिर्जा ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा कि अवंतिका एक ऐसी महिला है जो अपने आसपास के लोगों को अपनापन, हिम्मत और स्थिरता देती है, तब भी जब जिंदगी बहुत अनिश्चित हो जाती है। मैं उसकी हिम्मत और उस शांत साहस से प्रभावित हुई जिसके साथ वह अपनी चुनौतियों का सामना करती है।

उन्होंने कहा कि 'इक्का' की खासियत यह है कि कोर्टरूम ड्रामा के पीछे परिवार, प्यार और मुश्किल फैसलों की एक गहरी मानवीय कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर एक ऐसी कहानी के साथ वापसी करके बहुत खुश हूं जो भावनात्मक रूप से समृद्ध और बहुत दिलचस्प है, और मुझे उम्मीद है कि दर्शक इसे जरूर देखेंगे।

'मैं वापस आऊंगा' मूवी ने कृति खरबंदा को घर की याद दिलाई

अभिनेत्री कृति खरबंदा ने इम्तियाज़ अली की फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' देखने के बाद सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक नोट साझा किया है। उन्होंने बताया कि इस फिल्म ने उन्हें भीतर तक छू लिया और उनके दिवंगत दादाजी और नानाजी की यादें ताज़ा कर दी हैं। फिल्म से जुड़ी अपनी भावनाएं साझा करते हुए कृति ने लिखा है कि इस फिल्म को उन्हें अपने ₹दादू₹ और ₹नानू₹ दोनों की याद आ गई। उन्होंने कहा कि वह उन्हें हर दिन याद करती हैं, लेकिन इस फिल्म ने उन्हें रुककर उनके सभी त्यागों के बारे में सोचने पर मजबूर कर दिया, जो पिछली पीढ़ियों ने किए थे। उन्होंने लिखा कि हम अक्सर जिस ज़मीन पर खड़े होते हैं, उसे सामान्य मान लेते हैं, बिना यह समझे कि शायद किसी ने वहां तक पहुंचने के लिए अपनी पूरी दुनिया पीछे छोड़ दी होगी। लिखा है, ₹शायद घर सिर्फ वह जगह नहीं होती जहां हम रहते हैं। कभी-कभी घर वह भी होता है, जहां हम कभी वापस नहीं जा पाते।₹ उनके अनुसार, घर केवल एक स्थान नहीं, बल्कि एक ऐसी भावना भी हो सकता है, जो हमेशा हमारी यादों में जीवित रहती है, भले ही वहां लौट पाना संभव न हो।

कृति ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि इसका प्रभाव इसकी अवधि से कहीं अधिक बड़ा है। उन्होंने लिखा कि कुछ कहानियां पर्दा गिरने के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि दर्शकों के साथ उनके घर तक जाती हैं और लंबे समय तक उनके दिलों में बस जाती हैं।

अपने भावुक संदेश के अंत में कृति ने फिल्म की पूरी टीम का धन्यवाद भी किया है कि उन्होंने एक आम इंसान को नायक के रूप में प्रस्तुत किया है। उन्होंने अपना

विशेष रूप से निर्देशक इम्तियाज़ अली को संबोधित करते हुए कृति ने लिखा है, ₹आपकी फिल्में अक्सर घर जैसी लगती हैं। इस बार घर नहीं मिला... इस बार घर की याद मिल गई।₹ उनके इन शब्दों ने खूबसूरती से यह एहसास बयां किया कि फिल्म ने सिर्फ 'घर' की कहानी नहीं दिखाई, बल्कि घर की गहरी याद और उससे जुड़ी भावनाओं को जगा दिया है।

कृति ने आगे लिखा कि 'मैं वापस आऊंगा' देखने के बाद ₹घर₹ का अर्थ उनके लिए पूरी तरह बदल गया है। उन्होंने आभार अपने दादू, नानू और उन जैसे अनगिनत लोगों को समर्पित करते हुए लिखा है, शुक्रिया मेरे दादू और नानू जैसे उन सभी आम आदमी को हीरो बनाने के लिए।₹ इसी के साथ उन्होंने अपने इस संदेश का समापन दिल वाले इमोजी के साथ किया है।

कृति खरबंदा का यह भावनात्मक संदेश सोशल मीडिया पर प्रशंसकों के दिलों को छू रहा है और यह दिखाता है कि 'मैं वापस आऊंगा' ने दर्शकों पर कितना गहरा भावनात्मक प्रभाव छोड़ा है।

मुंबई की लोकल ट्रेन में गुजरे मेरे संघर्ष के दिन : रिद्धि डोगरा

रिद्धि डोगरा उन अभिनेत्रियों में से एक हैं, जिन्हें सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी है। उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में काम किया। अच्छी एक्टिंग की वजह से उन्हें शाहरुख खान जैसे बिग स्टार के साथ काम करने का मौका मिला। अभिनेत्री की खास बात यह है कि वह आज सफल हैं। लेकिन, उन्होंने अपने संघर्ष के दिनों को याद रखा है। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए भीड़-भाड़ वाली लोकल ट्रेनों में सफर करने के दिनों को याद किया। उन्होंने उन मुश्किलों का जिक्र किया, जिनका उन्होंने सामना किया और उस दृढ़ संकल्प के बारे में बताया, जिसने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में उनके रास्ते को आकार दिया। रिद्धि ने लिखा कि मुझे हमेशा से जुलाई का महीना पसंद रहा है। इन तस्वीरों ने जुलाई के पुराने दिनों की यादें ताजा कर दीं। जुलाई 2005 में मेरी मुंबई की कहानी शुरू हुई थी। कॉलेज से नई-नई निकली थी और बड़ी दुनिया में पढ़ने, घूमने-फिरने, जीने और सीखने के लिए उत्सुक थी। इसीलिए, मैंने मुंबई को चुना। यह एक ऐसा शहर है, जो अनजाने में मुझे लंबे समय से बुला रहा था। मुझे इस शहर की हलचल भरी जिंदगी और आकर्षण में सुकून मिलता है।

रिद्धि डोगरा ने लिखा कि लोकल ट्रेनें मेरी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थीं। 2005 से 2007 के बीच मैं एक ही दिन में कई तरह के वाहनों से सफर करती थी। पहले कॉलेज जाती, फिर अपनी सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक की नौकरी पर जाती। मैं पूरा समय ट्रेन की खिड़की से बाहर देखते हुए और अपने भविष्य के सपनों के बारे में सोचते हुए मुस्कुराती रहती थी। मुझे पूरा यकीन था कि मेरा भविष्य बहुत शानदार होने वाला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि मैं अपनी किस्मत की खुद मालिक थी। आज जिसे हम विजुअलाइजेशन और मैनिफेस्टेशन कहते हैं, वह मैं उन दिनों रोज करती थी। लोग उसे 'दिन में सपना देखना' कहते थे। इस दौरान एक गाना मेरे आईपॉड पर सबसे ज्यादा चलता था।

रिद्धि डोगरा को असुर में नुसरत, ऑल्ट बालाजी की द मैरिड वुमन में आस्था, स्टार प्लस की मर्यादाः लेकिन कब तक? में प्रिया और वो अपना सा में निशा का किरदार निभाने के लिए पहचान मिली। वह नच बलिए 6 और फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 6 जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में भी नजर आ चुकी हैं। रिद्धि डोगरा द साबरमती रिपोर्ट, लकड़बग्घा, और जवान जैसी फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं।

एस.एस. राजामौली ने महेश बाबू की तारीफ की

कहा- वो फोन कार में रखकर सिर्फ सेट पर फोकस करते हैं

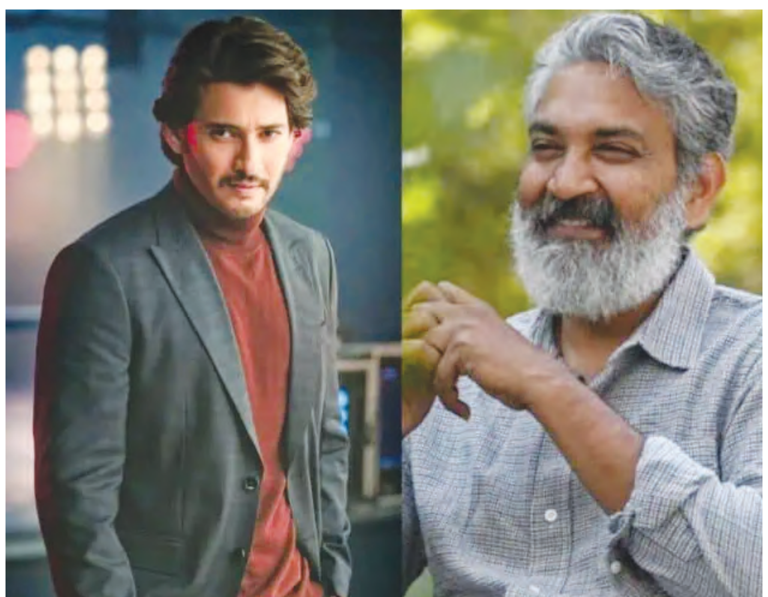

मुंबई फिल्ममेकर एस.एस. राजामौली ने हाल ही में एक इंटरव्यू में महेश बाबू के साथ अपनी अपकमिंग फिल्म 'वाराणसी' पर काम करने का अनुभव साझा किया और बताया कि आखिर क्या चीज उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित कर गई। जहां एक तरफ वह सालों से महेश के अभिनय के फैन रहे हैं, वहीं इस बार उन्हें जो बात सबसे ज्यादा चौंकाने वाली लगी, वो थी महेश बाबू का जबरदस्त अनुशासन, प्रोफेशनल रवैया और सेट पर उनका अटूट फोकस।

राजामौली ने कहा, एक अभिनेता के तौर पर मुझे ज्यादा हैरानी नहीं हुई, क्योंकि मैं उनके काम को लंबे समय से देख रहा हूं। मुझे पता है वो क्या कर सकते हैं। लेकिन जिसने मुझे सच में सरप्राइज किया, वो है उनका काम करने का तरीका। उन्होंने महेश बाबू की एक खास आदत का जिक्र किया जो उन्हें बेहद अलग लगी। उनके मुताबिक, महेश शूट के दौरान अपना फोन पूरी तरह दूर रखते हैं, जिससे उनका पूरा ध्यान सिर्फ काम पर रहता है। वो ऑफिस में बिना फोन के आते हैं। फोन कार में ही छोड़ देते हैं और सीधे अंदर आते हैं। शूट के दौरान मैंने उन्हें कभी सेट पर फोन के साथ नहीं देखा। जब वो वापस कार में जाते हैं, तभी फोन उठाते हैं।

राजामौली ने आगे बताया कि महेश का यह अनुशासन सिर्फ फोन से दूर रहने तक सीमित नहीं है। ब्रेक के समय भी वो फोन में उलझने के बजाय चुपचाप आसपास हो रही हर चीज को ऑब्जर्व करना पसंद करते हैं। कभी कभी दो तीन घंटे तक वो बस अपनी जगह बैठकर लोगों को काम करते हुए देखते रहते हैं। ना फोन, ना कोई डिस्टर्बेंस, सिर्फ ऑब्जर्वेशन।

राजामौली ने यह भी माना कि महेश बाबू की इस आदत ने उन्हें व्यक्तिगत तौर पर भी प्रेरित किया है। अब वो भी परिवार के साथ समय बिताते वक्त फोन से दूर रहने की कोशिश करते हैं। जहां महेश बाबू को हमेशा से उनकी ऑन स्क्रीन परफॉर्मेंस के लिए सराहा गया है, वहीं राजामौली की ये बात उनके ऑफ स्क्रीन अनुशासन और फोकस की एक नई झलक देती है, जो उन्हें इंडस्ट्री के सबसे सम्मानित सितारों में शामिल करती है। दर्शक अब उन्हें राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' में देखेंगे, जिसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी नजर आएंगे। यह फिल्म 7 अप्रैल 2027 को दुनियाभर में रिलीज होने वाली है।

झोपड़ी में छिपकर मैंने अपनी आंखों से देखा पूरा एनकाउंटर

भरत तिवारी मामले के चश्मदीद सुनील चौधरी का चौंकाने वाला खुलासा

भरत तिवारी एनकाउंटर

आरा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में 17 जून को हुए भरत तिवारी एनकाउंटर मामले में एक नया अपडेट सामने आया है। जिस दिन ये एनकाउंटर हो रहा था। उस दिन उस गांव का एक लड़का सुनील चौधरी अपनी झोपड़ी में छिपकर पुलिस और भरत तिवारी के साथ हो रही पूरी बातचीत को सुना था। घटना कैसे हो रही थी और दोनों तरफ से क्या बातचीत हो रही थी। सुनील चौधरी ने सब चीजों का खुलासा किया है। सुनील चौधरी ने हिला देने वाला सच उजागर किया है। सुनील चौधरी ने बताया कि उस दिन उसने क्या- क्या देखा। लाइव कैमरे पर आकर चश्मदीद सुनील चौधरी ने पूरी बात बताई है।

भरत तिवारी एनकाउंटर के चश्मदीद सुनील चौधरी का बयान

सुनील चौधरी ने हाथ के इशारे से बताते हुए कहा कि इधर पुलिस की गाड़ी खड़ी हो गई थी। दूसरी तरफ भरत तिवारी खड़ा था। भरत तिवारी बात कर रहे थे। भरत तिवारी से पुलिस ने बोला कि आप जो मांग कर रहे हैं, वो हम पूरा करेंगे। भरत तिवारी ने कहा कि आपके ऊपर विश्वास नहीं है। डीएम बोलाइए। डीएसपी को बुलाइए। उसके बाद डीएसपी आ गया। डीएसपी के आने के बाद भी भरत तिवारी के हाथ में पिस्टल था। हम उस दिन सुनील चौधरी, टाटी के अंदर से देख रहा था। उसी में से झांक कर देख रहा था।

ग्रामीणों ने सोचा कि पुलिस भरत को गोली नहीं मारेगी

सुनील चौधरी ने बताया कि मैंने सोचा कि मर्डर नहीं होगा। हमको दिल में आया कि गोली कोई नहीं मारेगा। जब डीएसपी आया, तो कहा कि आपका तीन मांग पूरा करना है न। उसने कहा कि हथियार उठाने का कोई जरूरत नहीं है। ले जाइए इ पिस्टल। हथियार देने से पहले भरत तिवारी ने एक फायर ऊपर कर दिया था। उसके बाद भरत तिवारी ने कहा कि आइए हथियार ले जाइए। पुलिस डर के मारे वहां नहीं जा रही थी। उसके बाद उसने हथियार को इधर फेंक दिया। हथियार फेंकने के बाद पुलिस दौड़ पड़ी।

पुलिस ने दौड़कर भरत तिवारी को पकड़ा- चश्मदीद

चश्मदीद सुनील चौधरी ने बताया कि उसके बाद पुलिस ने दौड़कर भरत तिवारी को कॉलर से पकड़ा। पूरा पुलिस उसको अगल बगल से घेर लेती है। उसके बाद उसको ऐसा गोली मारा गया है। गोली मारने के बाद उसको घसीटते हुए बोलेरो तक ले जाया गया है।

बोलेरो तक भरत तिवारी मरा नहीं था। जिंदा था। हम लोग सोचे कि पांव में गोली मारा है। अस्पताल जाने पर इलाज हो जाएगा। तीन फायरिंग यहीं पर हुआ। जो गोली भरत तिवारी को मारी गई। जहां झंडा गड़ा हुआ है।

पैर पकड़कर पुलिस ने भरत को घसीटा- चश्मदीद

सुनील चौधरी ने बताया कि पुलिस ने भरत तिवारी को पैर पकड़कर घसीटते हुए ले जा रही थी। हम सब कुछ देख रहे थे। लेकिन हम डर गए थे। इसलिए कि अभी नया- नया बस्ती है। हम नया गांव के हैं। मैं डर गया था इसलिए,मैंने बात पहले नहीं बताई थी। हम उस दिन से रात भर सो नहीं पाए हैं। हमको नींद नहीं आती है। ले जाने के साथ भरत तिवारी ने बोलेरो के अंदर से बाय- बाय किया। भरत तिवारी ने लोगों को हाथ हिलाया, उनका अभिवादन किया।

भरत तिवारी ने जाते-जाते सबको बाय-बाय कहा- चश्मदीद

भरत तिवारी फुलवारी के पास जाते वक्त भी बाय- बाय कर रहा था लोगों को। हम लोगों के लिए गरीबों के लिए ऐसा आदमी नहीं मिलेगा।

भरत तिवारी जैसा आदमी होना चाहिए। गरीबों के लिए। गरीबों के लिए कुछ नहीं हुआ, तो हम भी पिस्टल उठा लेंगे। मोबाइल भरत तिवारी से पुलिस ने लिया और उसके बाद थप्पड़ भी मारा। सुनील चौधरी का ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सुनील चौधरी ने उस दिन पूरी घटना को देखा था। सुनील चौधरी ने पूरी घटना का आंखों देखा हाल बयान किया है।

यूपी में एक्सप्रेस-वे पर पहली बारिश में गड्ढे

मुजफ्फरनगर में 7 फीट सड़क धंसी, सोनभद्र में मां-बेटी बहीं, पूरे प्रदेश में छाया मानसून

लखनऊ/वाराणसी, 2 जुलाई (एजेंसियां)। पूरे यूपी में मानसून सक्रिय हो गया है। इसके असर से बुधवार रात से लखनऊ, कानपुर, बाराबंकी, बलिया समेत 30 शहरों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। वाराणसी में गुरुवार दोपहर को आंधी के साथ तेज बारिश हुई। इससे पहले, सुबह लखनऊ में रिमझिम बारिश शुरू हुई। शामली से होकर गुजरे दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर पहली बारिश के बाद ही गड्ढे हो गए हैं। एक युवक ने सोशल मीडिया पर वीडियो अपलोड कर गड्ढे दिखाए। 14 अप्रैल को पीएम मोदी ने इसका उद्घाटन किया था।

मुजफ्फरनगर में इतनी बारिश हुई कि बीच बाजार सड़क धंस गई। बुधवार को 3 फीट गहरा और 7 फीट चौड़ा गड्ढा बन गया। सोनभद्र में नाले के तेज बहाव में मां-बेटी बह गईं। महिला अपनी 8 महीने की बच्ची को गोद में लेकर जा रही थी। बलिया-फतेहपुर में बिजली गिरने से एक-एक शख्स की मौत हो गई है।

आज सभी 75 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। सरकार ने लोगों से अलर्ट रहने को कहा है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 24 से 48 घंटे पूरे यूपी में तेज बारिश का सिलसिला शुरू होने का अनुमान है।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- मानसून आने के बाद फिलहाल लगातार बारिश की संभावना बनी रहेगी। तापमान में 8 डिग्री तक गिरावट देखने को मिली है। आने वाले 4 से 5 दिनों तक मौसम ऐसा ही रहेगा। आंधी-तूफान और बारिश के आसार बने रहेंगे।

इससे पहले, बुधवार को वाराणसी, प्रयागराज समेत 25 शहरों में बारिश हुई। आजमगढ़-बिजनौर में सड़कों पर घुटनों तक पानी भर गया। ललितपुर रेलवे स्टेशन के वेटिंग हॉल और जीआरपी थाने में पानी घुस गया। बहराइच में सबसे ज्यादा 113 मिमी, बिजनौर में 95 मिमी बारिश हुई। ललितपुर में 93 मिमी, बुलंदशहर में 72 मिमी और संभल-हमीरपुर में 65-65 मिमी बारिश हुई।

लड़के की मौत पर बवाल, ट्रॉली फूंकी

सड़क पर शव रखकर जाम लगाया पुलिस ने हंगामा कर रहे लोगों को खदेड़ा

अलीगढ़, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अलीगढ़ में 14 साल के लड़के की मौत पर गुरुवार शाम 4:30 बजे बवाल हो गया। गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने 14 साल के लड़के को रौंद दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि लड़के के शरीर के टुकड़े सड़क पर बिखर गए। हादसे की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। आक्रोशित लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगा दी। परिजन मुआवजे की मांग को लेकर हंगामा कर रहे हैं। पुलिस ने पहले प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाने का प्रयास किया। लेकिन हंगामा बढ़ने पर लोगों को खदेड़ा है। घटना जिला मुख्यालय से करीब 35 किमी दूर चंडौस कस्बे की है। मृतक की पहचान वंश प्रताप (14) पुत्र कालीचरण के रूप में हुई है। परिजन शव को रोड पर रखकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रशासन से 1 करोड़ मुआवजे की मांग की गई है। अलीगढ़ के एलमपुरा गांव का रहने वाला वंश 8वीं कक्षा का छात्र है। वह गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे अपने चचेरे भाई के साथ बाइक से पास के चण्डोस कस्बे समोसे लेने आया था। समोसे पैक कराने के बाद दोनों भाई वापस गांव लौट रहे थे। चण्डौस-पिसावा मार्ग पर खैर अड्डे के पास अचानक बाइक फिसल गई। वंश बराबरी में चल रही गेहूं से भरी ट्रेक्टर-ट्रॉली के पिछले पहिया के नीचे आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं चचेरे भाई को भी मामूली चोटें आई। हादसे की खबर जैसे ही गांव पहुंची। परिजनों के संग गांव के सैकड़ों लोग चण्डोस घटनास्थल पहुंचे। किशोर की मौत से गुस्साए लोगों ने ट्रैक्टर-ट्रॉली में आग लगा दी। कुछ ही देर में ट्रॉली धू-धूकर जलने लगी। आगजनी और विरोध प्रदर्शन के कारण मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

भागवत बोले- विभाजन के बाद भारत आए लोग शरणार्थी नहीं

उन्होंने संपत्ति नहीं, देश चुना, ताकि बिना डरे अपने धर्म का पालन कर सकें

नागपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 1947 के विभाजन के बाद पाकिस्तान से भारत आने वाले लोगों को शरणार्थी कहना सही नहीं है। वे 'संघर्ष के योद्धा' थे, जिन्होंने कई पीढ़ियों की बनाई जमीन, कारोबार और संपत्ति छोड़कर भारत को चुना।

उन्होंने कहा कि ये लोग इसलिए भारत आए, क्योंकि यहां बिना डर अपने धर्म का पालन कर सकते थे। भारत को एक रखने की लड़ाई हम सब हार गए थे, लेकिन उन्होंने अपना विश्वास नहीं छोड़ा।

भागवत ने बुधवार को नागपुर में सिंधु एजुकेशन सोसाइटी के 75वें स्थापना दिवस समारोह में ये बातें कहीं। इसी दौरान आरएसएस ने 10 से 12 जुलाई तक कर्नाटक के बेलगावी में होने वाली अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक का भी ऐलान किया।

भागवत बोले- शिक्षा सिर्फ नौकरी के लिए नहीं होनी चाहिए। शिक्षा का मकसद केवल रोजगार नहीं, अच्छे इंसान बनाना है। सही-गलत की पहचान सिर्फ किताबों से नहीं, बल्कि शिक्षकों के व्यवहार और उनके दिए संस्कारों से भी होती है।

इंसान के हालात या किस्मत के सामने हार नहीं माननी चाहिए। मुश्किलों से लड़ने वाला ही आगे बढ़ता है, जबकि चुनौतियों से भागने वाला पहले ही हार मान लेता है।

प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो जारी करेंगे आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों के तहत भागवत शुक्रवार को प्रचारकों के जीवन पर आधारित 100 वीडियो जारी करेंगे। इसी दिन 'डॉ. हेडगेवार : आधुनिक युग के शालिवाहन' शीर्षक यूट्यूब वीडियो का सार्वजनिक प्रसारण भी होगा।

5 जुलाई को वे नागपुर में 'सनमार्ग माइंड वेलनेस सेंटर' का उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी शामिल होंगे

15 जून: भागवत बोले- आरएसएस गुप्त संगठन नहीं, सरकार जानती है, 100 साल में किसी ने रजिस्ट्रेशन करवाने को नहीं कहा- आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने केरल के त्रिशूर में संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम के दौरान रजिस्ट्रेशन के सवाल पर कहा- देश में कई ऐसी संस्थाएं हैं, जिनका रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। संघ के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है। दरअसल, भागवत से पूछा गया था कि कर्नाटक सरकार ने आरएसएस की गतिविधियों को गुप्त बताते हुए कहा है कि संगठन को रजिस्ट्रेशन कराना चाहिए। इसके जवाब में उन्होंने कहा- संघ को किसी को जवाब देने की जरूरत नहीं है। यह कोई गुप्त संगठन नहीं है, बल्कि खुलकर काम करता है। सरकार जानती है कि संघ का अस्तित्व है।

7 फरवरी: भागवत बोले- संघ कहे तो पद छोड़ दूंगा, कोई भी हिंदू आरएसएस प्रमुख बन सकता है; सावरकर को भारत रत्न देने से पुरस्कार की गरिमा बढ़ेगी।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है।

बक्सर समेत 6 जिलों मे मूसलाधार बारिश, 30 में अलर्ट

पटना में बिजली से 2 की मौत, नेपाल में हैवी रेन से उफान पर कोसी-बागमती नदी

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में मानसून एक्टिव है। पटना, बक्सर, बेगूसराय, जमुई, किशनगंज और खगड़िया में मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के दौरान पटना के पंडारक प्रखंड के लालपुर गांव में आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई है। मृतक की पहचान लालपुर गांव निवासी सीताराम महतो और गुप्ता महतो के रूप में हुई है।

मौसम विभाग ने आज बिहार के 30 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। इनमें 4 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। जबकि 26 जिलों के लिए यलो अलर्ट है।

इन जिलों में तेज बारिश होने की संभावना है। कुछ जिलों में 40Kmph की रफ्तार से हवा भी चल सकती है। मौसम विभाग ने आकाशीय बिजली को लेकर विशेष चेतावनी दी है। इधर, नेपाल में भारी बारिश की वजह से कोसी और बागमती मदी उफान पर है।

खगड़िया में कटाव का खतरा बढ़ता जा रहा है। मुजफ्फरपुर में बागमती के उफान पर आने से निचले इलाकों में डूब का खतरा बन गया है। बीते 24 घंटे के दौरान पटना, बेगूसराय, सीवान, मधेपुरा, सुपौल, गया, नालंदा, बगहा, जहानाबाद और पूर्णिया में बारिश हुई।

अखिलेश बोले- चुनाव सितंबर में करा दें, हम तैयार हैं

सपा न कभी टूटी है, न टूटेगी, भाजपा को न चढ़ावा मिलेगा, न वोट

लखनऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने गुरुवार दोपहर करीब 3:30 बजे लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर चढ़ावा विवाद को लेकर सरकार और ट्रस्ट की भूमिका पर सवाल उठाए। कहा- राम मंदिर पर जबरन कब्जा किया गया। मंदिर में आने वाले चढ़ावे का हिसाब नहीं दिया गया। शिकायत करने के बावजूद पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की।

साथ ही दावा किया कि यूपी के विधानसभा चुनाव नवंबर की जगह सितंबर में ही करा लो। हम पूरी तरह से तैयार हैं। सपा न तो कभी टूटी है और न ही कभी टूटेगी।

इस दौरान अयोध्या के 'मंदिर

राम निवास' के पंच प्रमुख हरिशंकर साफरीवाला भी मौजूद रहे। इसके साथ ही अखिलेश ने कानून-व्यवस्था, साइबर अपराध, एक्सप्रेस-वे की गुणवत्ता और 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर भी सरकार को घेरा।

अखिलेश यादव ने कहा- समाजवादी पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है, जो आज तक नहीं टूटी है। भाजपा ने संविधान के साथ-साथ भगवान को भी धोखा दिया है। इन्होंने संविधान को दगा दिया, भगवान को दगा दिया। जब जनता चंदा चोरी की सच्चाई जानेगी तो विधानसभा चुनाव में इन्हें सत्ता से हटा देगी और इनका सफाया हो जाएगा। अगर सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ गंभीर है, तो राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में गिरफ्तार आरोपियों के घरों पर भी बुलडोजर चलाया जाए।

अखिलेश ने कहा कि जिस प्रदेश में सीसीटीवी बंदकर मंदिर का चढ़ावा चोरी हो सकता है। वहां साइबर फ्रॉड जैसी घटनाओं का बढ़ना कोई बड़ी बात नहीं है। इससे प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था और निगरानी तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। भगवान श्रीराम स्वयं इस पूरे मामले का हिसाब करेंगे। समाजवादी पार्टी भाईचारे और सौहार्द का राष्ट्र बनाने के लिए काम करती रहेगी।

अखिलेश यादव ने कहा- भगवान राम के नाम पर मिलने वाले चढ़ावे में गड़बड़ी के आरोप बेहद गंभीर हैं। श्रद्धालुओं के दान का पूरा हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए। अगर आस्था से जुड़े मामलों में भी पारदर्शिता नहीं होगी, तो लोगों का भरोसा टूटेगा। इस मुद्दे का असर चुनाव में भी दिखाई देगा। इस बार भाजपा को न चंदा मिलेगा, न चढ़ावा और न वोट।

अगर सरकार 2027 का विधानसभा चुनाव तय समय से पहले कराना चाहती है, तो समाजवादी पार्टी इसके लिए पूरी तरह तैयार है।

जो लोग नवंबर में चुनाव कराना चाहते थे, वे सितंबर में ही करा दें, हम तैयार हैं।

20 साल बाद लालू-राबड़ी ने खाली किया सरकारी बंगला

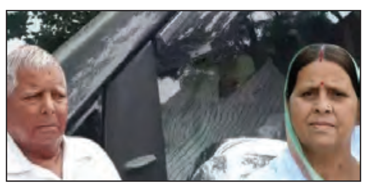

पटना, 2 जुलाई (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने पटना के 10 सर्कुलर रोड स्थित सरकारी आवास खाली कर दिया है। दोनों अब कौटिल्य नगर स्थित अपने निजी आवास में शिफ्ट हो गए हैं। वहीं, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अपने परिवार के साथ 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास में रहेंगे।

तेजस्वी अपने साथ लालू यादव की सबसे पसंदीदा और चर्चित 'मिलिट्री डिस्पोजल' जीप भी नए आवास में ले गए हैं। यह जीप 1977 में लालू यादव ने पहली बार सांसद बनने के बाद सेना की नीलामी से खरीदी थी। तब इसकी कीमत सिर्फ 5000 रुपए थी। इस जीप को खरीदने के लिए वे खुद कोलकाता गए थे।

दरअसल, 10 सर्कुलर रोड लंबे समय तक लालू परिवार का प्रमुख सरकारी आवास रहा। राबड़ी देवी को साल 2006 में बिहार विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद यह सरकारी आवास अलॉट किया गया था। तब से यह बंगला बिहार की राजनीति के कई अहम फैसलों का केंद्र माना जाता रहा है। इसी आवास में रहते हुए तेजस्वी यादव ने भी साल 2015 में पहली बार बिहार के उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी।

रांची में रिम्स-2 निर्माण को मंजूरी

4189 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा सबसे बड़ा अस्पताल

रांची, 2 जुलाई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने रांची के कांके में रिम्स-2 निर्माण योजना को मंजूरी दे दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में गुरुवार को 4,189 करोड़ रुपये की योजना को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है।

बैठक समाप्त होने के बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा कि वे लंबे समय से इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए लगातार प्रयासरत थे। रिम्स-2 झारखंड की जनता को आधुनिक, बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं। उपलब्ध कराने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा।

कैबिनेट की बैठक समाप्त होने के बाद विभाग की अपर मुख्य सचिव वंदना दादेल ने बताया कि रिम्स-2 के लिए 4189.41 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। परियोजना के संचालन के लिए जागृति पीएमयू का गठन होगा। वहीं, आईआईएम रांची को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और एसआईआईएसएस रांची को इम्पैक्ट असेसमेंट की जिम्मेदारी दी गई है।

कैबिनेट की बैठक में आज कुल 27 प्रस्तावों को मंजूर दी गई, जिसके तहत वीबी-जी राम जी योजना को लागू करने के लिए सैद्धांतिक प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने राज्य के मेडिकल कॉलेजों और सदर अस्पतालों में इंटर्नशिप करने वाले विदेशी मेडिकल स्नातकों को भी राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के नियमों के अनुसार स्टाइपेंड देने का फैसला किया है।

प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए राज्य के प्रखंडों और अंचलों में अधिकारियों की नई पदस्थापन व्यवस्था लागू करने का फैसला लिया गया। इसके तहत 271 प्रखंडों में से 164 में बीडीओ और सीओ दोनों रहेंगे, जबकि 53 प्रखंडों में सिर्फ सीओ और 54 प्रखंडों में सिर्फ बीडीओ रहेंगे। प्रखंड में 12 के कम पंचायत रहने के कारण इस नियम को लागू किया गया है। अलावा झारखंड योजना सेवा नियमावली 2026, राज्य समाहरणालय लिपिकीय संवर्ग नियमावली 2026 और निम्न वर्गीय लिपिक सह कंप्यूटर संचालक सेवा संवर्ग नियमावली 2026 को भी मंजूरी दी गई। अब सभी नवनियुक्त सरकारी कर्मियों के लिए पदभार ग्रहण करते समय निष्ठा और गोपनीयता की शपथ लेना अनिवार्य होगा।

वहीं, वर्ष 2015 से लगातार ड्यूटी से अनुपस्थित रहने वाले कराईकेला प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. शशिकांत प्रसाद को सेवा से बर्खास्त करने की मंजूरी भी दी गई। वहीं सड़क निर्माण से जुड़े कई बड़े प्रस्तावों को भी मंजूरी मिली।

होमगार्ड के हत्यारे को फांसी की सजा सुनाई

मुजफ्फरनगर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में ड्यूटी के दौरान हुई होमगार्ड की हत्या के दोषी को कोर्ट ने गुरुवार को फांसी की सजा सुनाई है। दोपहर करीब 12 बजे अपर जिला एवं सत्र न्यायालय/फास्ट ट्रैक कोर्ट-3 के जज रवि कुमार दिवाकर ने फैसला सुनाते हुए कहा-पुलिस बल समाज की रीढ़ है। जब कानून का प्रहरी गिरता है तो केवल एक व्यक्ति की जान नहीं जाती, बल्कि समाज का कानून-व्यवस्था पर भरोसा भी आहत होता है। ऐसे समय न्यायालय का दायित्व है कि वह अपने निर्णय से उस विश्वास को फिर से स्थापित करे।

कोतवाली नगर थाने में तैनात कॉन्स्टेबल इस्लाम अली और होमगार्ड रतिराम बुढ़ाना मोड़ क्षेत्र में 4 जून 2020 को गश्त कर रहे थे। तभी डीलर वाली गली नंबर-3 से चीख-पुकार सुनाई दी। दोनों पुलिसकर्मी एक मकान के अंदर पहुंचे, जहां आरोपी दीपक अपनी मां राजबाला के साथ मारपीट कर रहा था। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो वह भड़क गया। उसने हाथ में मौजूद छुरी से पुलिस टीम पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दीपक ने होमगार्ड रतिराम के पेट में छुरी घोंप दी, जिससे उनकी आंतें बाहर आ गईं। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था। हालांकि, पुलिस ने अगले ही दिन, 5 जून को उसे खून से सनी छुरी के साथ गिरफ्तार कर लिया था।

गंभीर रूप से घायल रतिराम को मेरठ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया।

घोसी के जमालपुर में ओझा ससुर के चक्कर में गई परिवार की दो महिलाओं की जान

दामाद ने सिर-धड़ से अलग कर दिया

मऊ, 2 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मऊ से हैरान करने वाली घटना सामने आई है। 30 जून को मऊ जिले की घोसी कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर-मिर्जापुर के पास हाइवे के नीचे पुलिया के अंदर सिर कटी लाश मिली थी। सिर कटी लाश मिलने के बाद सनसनी मच गई थी। मऊ पुलिस ने महज दो दिनों में ही इस मामले का पर्दाफाश कर दिया। मामले में सामने आया कि जिसकी हत्या हुई है, वह तांत्रिक था। उसके फेर में परिवार की दो महिलाओं की जान चली गई। इससे गुस्साए दामाद ने उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। मामले के खुलासा के बाद हर कोई हैरान रह गया।

मिर्जापुर जमालपुर के पास हाइवे के नीचे पुलिया में सर कटी लाश 30 जून की सुबह ग्रामीणों ने देखा था। इलाके में इससे सनसनी फैल गई। धीरे-धीरे खबर जंगल में आग की तरह फैली। इसके बाद ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी थी। मृतक की पहचान सुभाष बांसफोर जनपद मऊ के ही सद्दोपुर थाना मोहम्मदाबाद गोहना के रूप में हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मृतक के पुत्र हरिकेश बांसफोर के तहरीर के आधार पर चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर जांच प्रारंभ की थी।

मऊ जिले की घोसी पुलिस टीम को इस मामले में मुखबिर से आरोपितों के बारे में जानकारी मिली। इसके आधार पर पुलिस ने मामले में त्वरित कार्यवाही करते हुए पवन कुमार(30) पुत्र भरत निवासी मसीना, भारत बांसफोर (60) पुत्र कितावू निवासी मसीना और अवधेश कुमार (26) पुत्र भारत निवासी मसीना को नदवासराय अंडरपास से गिरफ्तार किया गया। इस मामले में आरोपी बबलू कुमार (30) पुत्र रामअशीष निवासी मानिकपुर असना थाना घोसी की भी गिरफ्तारी हुई है।

पुलिस की पूछताछ में भारत बांसफोर और अन्य आरोपियों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार किया। उसने हत्या की वजह भी बताई। पुलिस की पूछताछ में भारत बांसफोर ने बताया कि उसका ससुर सुभाष झाड़-फूक का काम करता था।

'जब सब मुनाफा कमा रहे, तो मैं क्यों नहीं

क्रिप्टो से कमाई पर ट्रंप का जवाब, जानिए अब तक कितनी गरम हुई जेब

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर विवादों के केंद्र में हैं। इस बार चर्चा उनकी नीतियों के साथ-साथ उनके परिवार की क्रिप्टोकरेंसी गतिविधियों से पिछले वर्ष हुई लगभग लगभग 120 करोड़ डॉलर की भारी-भरकम कमाई को लेकर है। विशेषज्ञों और आलोचकों की ओर से हितों के टकराव और पद के दुरुपयोग के आरोपों के बीच ट्रंप ने अपने बंपर मुनाफे का बचाव किया है।

उन्होंने दावा किया कि उनके शासनकाल में केवल वही नहीं, बल्कि अमेरिकी शेयर बाजार में लगातार हो रही तेजी के कारण देश का हर नागरिक लाभ कमा रहा है। आलोचकों का आरोप है कि डोनाल्ड ट्रंप राष्ट्रपति पद पर रहते हुए अपनी निजी संपत्ति को बढ़ाने के लिए अपने आधिकारिक प्रभाव का इस्तेमाल कर रहे हैं। इस विवाद पर सफाई देते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी पूरी कमाई एक ब्लाइंड ट्रस्ट के अधीन है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे व्यक्तिगत रूप से इसमें दखल न दे सकें। ट्रंप ने संवाददाताओं से स्पष्ट रूप से कहा, मैं अपने व्यक्तिगत वित्तीय मामलों में शामिल नहीं होता। हमारे पास फंड हैं जो मेरे पैसे का प्रबंधन करते हैं। मैंने राष्ट्रपति बनने से पहले भी व्यवसाय में बहुत पैसा कमाया था, और वे ही मेरे धन का निवेश करते हैं। मैं उनसे बात नहीं करता। हालांकि, रिकॉर्ड बताते हैं कि यह विशाल कमाई उन्हीं क्रिप्टो उद्यमों से जुड़ी है जो उनके व्हाइट हाउस में दोबारा कदम रखने के पहले ही किए गए थे। व्हाइट हाउस की नीतियों और ट्रंप के निजी निवेशों का सीधा तालमेल इस सेक्टर में देखा जा सकता है। सत्ता संभालने के बाद ट्रंप ने क्रिप्टो सेक्टर को नियम-मुक्त करने के लिए कई बड़े नीतिगत कदम उठाए, जिससे डिजिटल संपत्तियों की कीमतें आसमान छूने लगीं। इस पर व्हाइट हाउस ने गर्व से बयान जारी कर कहा कि राष्ट्रपति ने संयुक्त राज्य अमेरिका को दुनिया की क्रिप्टो राजधानी बना दिया है। इस नीतिगत उछाल का सीधा फायदा खुद ट्रंप की नेटवर्थ को मिला। फोर्ब्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस क्रिप्टो गतिविधि के चलते ही डोनाल्ड ट्रंप की व्यक्तिगत संपत्ति साल 2024 के $2.3 अरब से लगभग तीन गुना बढ़कर साल 2026 में $6.5 अरब तक पहुंच गई है। ट्रंप की इस अभूतपूर्व क्रिप्टो कमाई ने अमेरिकी राष्ट्रपति पद और निजी व्यावसायिक हितों के बीच की सीमा रेखाओं पर एक नई बहस छेड़ दी है। जहां एक तरफ व्हाइट हाउस इसे अमेरिका को क्रिप्टो हब बनाने की नीतिगत सफलता के रूप में देख रहा है, वहीं दूसरी तरफ नैतिकता नियामक और वित्तीय विश्लेषक राष्ट्रपति के व्यक्तिगत निवेशों और उनकी नीतियों के इस अंतर्संबंध पर करीब से नजर रख रहे हैं। आने वाले समय में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या अमेरिकी संसद या स्वतंत्र नियामक इस संदर्भ में पारदर्शिता के मानकों को और कड़ा करने की दिशा में कोई कदम उठाते हैं।

रतन टाटा ने दी थी वसीयत लागू करने की जिम्मेदारी

मेहली मिस्त्री ने छोड़ दी उनकी पर्सनल इनवेस्टमेंट कंपनी

नई दिल्ली,2 जुलाई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप के पुराने और भरोसेमंद सदस्य मेहली के. मिस्त्री ने दिवंगत रतन टाटा की पर्सनल इन्वेस्टमेंट कंपनी छोड़ दी है।

उन्होंने आरएनटी एसोसिएट्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर पद से इस्तीफा दे दिया है। मिस्त्री ने दशकों तक रतन टाटा के साथ काम किया था। रतन टाटा ने जिन लोगों को अपनी वसीयत लागू करवाने की जिम्मेदारी दी थी, उनमें मेहली मिस्त्री भी शामिल थे। रिपोर्ट्स के मुताबिक मिस्त्री ने 30 जून को आरएनटी एसोसिएट्स के बोर्ड को इस्तीफा सौंप दिया था। इसमें कहा गया था कि वह 1 जुलाई से डायरेक्टर का पद छोड़ देंगे। उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह अपनी दूसरी जिम्मेदारियों में व्यस्तता बताई है। आरएनटी एसोसिएट्स और मिस्त्री ने इस बारे में सार्वजनिक रूप से कोई टिप्पणी नहीं की है। साल 2009 में आरएनटी एसोसिएट्स का गठन किया गया था। इसके जरिए रतन टाटा ने अपनी पर्सनल कैपेसिटी में निवेश किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस कंपनी ने भारत के कई जाने-माने स्टार्टअप्स में निवेश किया है।

इनमें ब्लूस्टोन, ओला इलेक्ट्रिक, कारदेखो, मोग्लिक्स, अर्बन कंपनी, लेन्सकार्ट, क्योर.फिट, कैशकरो और फर्स्टक्राई शामिल हैं। पिछले दशक में आरएनटी एसोसिएट्स भारत के सबसे प्रमुख फैमिली इन्वेस्टमेंट ऑफिस में से एक के रूप में उभरी। पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट मेहली मिस्त्री ने कई दशकों तक रतन टाटा के साथ मिलकर काम किया और कई टाटा ग्रुप कंपनियों के बोर्ड में सेवाएं दीं। उन्हें गवर्नेंस, इन्वेस्टमेंट और रणनीतिक मामलों पर टाटा के सबसे करीबी सलाहकारों में से एक माना जाता था। रतन टाटा का अक्तूबर 2024 में निधन हो गया था।

11.5 बिलियन डालर का प्लांट लगाने की तैयारी में गौतम अडानी

अनिल अग्रवाल की वेदांता को मिलेगी कड़ी चुनौती

नई दिल्ली,2 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस गौतम अडानी एल्युमीनियम सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में हैं। सूत्रों के मुताबिक अडानी ग्रुप और अबु धाबी की इन्वेस्टमेंट कंपनी इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी 11.5 बिलियन का निवेश करके एक बड़ा एल्युमीनियम प्लांट बनाने की योजना बना रहे हैं। इससे भारत की कुल क्षमता में लगभग 50% की बढ़ोतरी हो सकती है।

अडानी के इस प्लांट से हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और वेदांता एल्युमीनियम को कड़ी टक्कर मिल सकती है। मेटल सेक्टर में अडानी ग्रुप का यह दूसरा वेंचर होगा। गुजरात में उनका कॉपर स्मेल्टर पिछले साल शुरू हुआ था। अडानी अपने बढ़ते इन्फ्रास्ट्रक्चर बिजनेस के लिए कमोडिटी सप्लाई सुरक्षित करना चाहते हैं। एल्युमीनियम सेक्टर में उतरने की योजना भी उसी रणनीति का हिस्सा है। सूत्रों के मुताबिक अडानी और आईएचसी मिलकर

ओडिशा में 2 मिलियन टन से ज्यादा सालाना क्षमता वाला एल्युमीनियम स्मेल्टर बनाने के लिए कर्ज र इक्विटी के जरिए निवेश करेंगे।अडानी ग्रुप ने इस बारे में भेजे गए ईमेल का कोई जवाब नहीं दिया। यह भारत के मेटल और मिनरल सेक्टर में अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निवेश होगा। यह फैसिलिटी एक इंटीग्रेटेड यूनिट होगी जिसमें स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग दोनों शामिल होंगे। साथ ही एल्युमीनियम प्रोजेक्ट में एक कैप्टिव पावर प्लांट भी शामिल होगा। लॉजिस्टिक्स के लिए ओडिशा में बंगाल की खाड़ी में स्थित धामरा पोर्ट का इस्तेमाल किए जाने की संभावना है। इस पोर्ट का मालिकाना हक अडानी ग्रुप के पास है। चीन के बाद भारत दुनिया में एल्युमीनियम का दूसरा बड़ा उत्पादक देश है। पिछले साल भारत का कुल उत्पादन 4.2 मिलियन टन रहा। इस दौरान देश में 5.5 मिलियन टन एल्युमीनियम की खपत हुई। भारत में प्रति व्यक्ति खपत 3.4-3.9 किलोग्राम है जबकि ग्लोबल एवरेज 8-12 किलोग्राम है। भारत दुनिया में एल्युमीनियम का तीसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है। देश में इसकी खपत 2030 तक बढ़कर 8.5 मिलियन टन, 2040 तक 18 मिलियन टन और 2047 तक 28 मिलियन टन होने की उम्मीद है। ओडिशा में एल्युमीनियम प्लांट पर 11.5 अरब डॉलर निवेश करेंगे अडानी देश के कुल बॉक्साइट रिजर्व का करीब 60 फीसदी हिस्सा ओडिशा में है चीन के बाद भारत दुनिया में एल्युमीनियम का दूसरा बड़ा उत्पादक है साल 2047 तक भारत सालाना 37 मिलियन टन का लक्ष्य लेकर चल रहा है। सरकार का मैन्युफैक्चरिंग पर जोर है।

चांदी 3,863 चढ़कर 2.25 लाख किलो हुई

सोना 1,708 बढ़कर 1.43 लाख का हुआ; एक महीने में सोना 13 हजार, चांदी 34 हजार सस्ती

नई दिल्ली, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 2 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना आज 1,708 रुपए बढ़कर 1.43 लाख रुपए पहुंच गया है। वहीं, 1 किलो चांदी 3,863 रुपए चढ़कर 2.25 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले बीते महीने यानी जून में सोना-चांदी में गिरावट रही थी। बीते महीने सोना 13 हजार और चांदी 34 हजार रुपए सस्ती हुई थी।

सोना इस साल 10 हजार महंगा हो चुका

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 10 हजार रुपए महंगा हो चुका है। वहीं, चांदी हजार रुपए सस्ती हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.29 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

पेट्रोल-डीजल कीमतों में अभी कमी नहीं की जाएगी

नई दिल्ली,2 जुलाई (एजेंसियां)। दुनिया भर में ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतें पश्चिम एशिया में संघर्ष से पहले के स्तर पर वापस आ गई हैं। ऐसे में इस बात की अटकलें तेज हो गई हैं कि क्या भारत में भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें कम होंगी। ईंधन की कीमतों में संभावित कटौती के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि अगर कच्चे तेल की कम कीमतें स्थिर रहती हैं तो सरकार स्थिति की समीक्षा करेगी। पुरी ने कहा, 'कीमतें कुछ महीने पहले खरीदी गई सप्लाई के आधार पर तय की जाती हैं। अगर स्थिति ऐसी ही बनी रहती है तो हम इस पर फिर से विचार करेंगे।'

अभी पेट्रोल-डीजल क्यों नहीं हुआ है सस्ता?

मंत्री ने यह भी बताया कि ऑयल मार्केटिंग कंपनियां अभी भी उस कच्चे तेल को प्रोसेस कर

रही हैं जो पश्चिम एशिया में टकराव के चरम पर खरीदा गया था। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का असर अभी तक रिटेल ईंधन की कीमतों में नहीं दिखा है। उन्होंने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल की कीमतें कम हुई हैं। लेकिन, कंपनियां अभी भी पश्चिम एशिया संकट के चरम पर खरीदे गए कच्चे तेल को प्रोसेस कर रही हैं।' पुरी के अनुसार, ओएमसीएस को 30 जून तक की अवधि में लागत से कम कीमत पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी बेचने के कारण 74,781 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। मंत्री ने यह भी कहा कि युद्ध के दौरान तेल की सप्लाई में कोई रुकावट या कमी नहीं आई। न ही फ्यूल स्टेशनों के बाहर लंबी लाइनें लगीं।पश्चिम एशिया में टकराव शुरू होने के बाद भारत में रिटेल ईंधन की कीमतों में कुल मिलाकर लगभग 7.50 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई। शुरुआती असर को कम करने के लिए सरकार ने रिटेल कीमतों को बढ़ने देने से पहले इंपोर्ट ड्यूटी में काफी कमी की थी। पेट्रोलियम मंत्री ने ईंधन की कीमतों को लेकर सरकार के रुख का बचाव करते हुए कहा कि हालिया पश्चिम एशिया टकराव के दौरान भारत में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी कई विकसित और पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम थी। 22 जून और 26 जून के बीच ईंधन की कीमतों में बदलाव की तुलना करते हुए पुरी ने कहा कि भारत में पेट्रोल की कीमतें लगभग 5 फीसदी बढ़ीं, जबकि कई अन्य देशों में कीमतों में कहीं ज्यादा बढ़ोतरी देखी गई। उन्होंने कहा, 'मैं उसी समय-सीमा का इस्तेमाल करता हूं, 22 जून से 26 जून। आइए फ्रांस, जर्मनी और इटली से शुरू करते हैं। चार महीने की इस अवधि में पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी इस प्रकार रही हैः फ्रांस, 17.74 फीसदी; जर्मनी, 19.05 फीसदी; और इटली, 18.39 फीसदी।'भारत के पड़ोसी देशों से तुलना करते हुए मंत्री ने कहा कि पेट्रोल की कीमतें पाकिस्तान में 39.77%, श्रीलंका में 36.66%, नेपाल में 20.3% और बांग्लादेश में 42.69% बढ़ीं। पुरी ने कहा, 'अगर आप विकासशील और विकसित देशों में पेट्रोल की कीमतों में हुई बढ़ोतरी को देखें...' उन्होंने तर्क दिया कि संघर्ष के दौरान ग्लोबल क्रूड ऑयल की कीमतों में भारी उछाल के बावजूद भारत में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी अपेक्षाकृत कम रही।

क्रूड में गिरावट व आईटी शेयरों में तेजी से सेंसेक्स 579 अंक तो निफ्टी 169 अंक चढ़ा

मुंबई,2 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को चौतरफा खरीदारी के चलते शानदार रौनक देखने को मिली। दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयरों में आई भारी लिवाली और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई बड़ी गिरावट के कारण दोनों मुख्य घरेलू सूचकांक रिकॉर्ड मजबूती के साथ बंद हुए। गुरुवार को कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सूचकांक सेंसेक्स 579.48 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 77,502.12 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 169.86 अंक यानी 0.71 प्रतिशत की मजबूती दिखाते हुए 24,175.70 के स्तर पर बंद हुआ। बाजार की इस तेजी ने निवेशकों के सेंटिमेंट को एक नया बूस्ट दिया है। रुपया गुरुवार को डॉलर के मुकाबले 24 पैसे कमजोर होकर 95.40 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। इस सुधार और तेजी के पीछे सबसे बड़ा ट्रिगर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी गिरावट रही। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरकर 70 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर आ गईं। भारत अपनी जरूरत का अधिकांश तेल आयात करता है, इसलिए तेल की कीमतों में यह गिरावट घरेलू बाजार के लिए राहत लेकर आई है। तेल सस्ता होने से विभिन्न उद्योगों की लागत घटने की उम्मीद जगी, जिससे निवेशकों का भरोसा बाजार पर बढ़ा और लिवाली शुरू हो गई।गुरुवार के कारोबार में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेक्टर बाजार की तेजी का सबसे बड़ा अगुआ साबित हुआ। निफ्टी आईटी इंडेक्स 3.5 प्रतिशत की भारी बढ़त के साथ बंद हुआ, जो पूरे बाजार का सबसे शानदार प्रदर्शन था। इसके बाद निफ्टी मिडकैप आईटी इंडेक्स में भी जोरदार खरीदारी देखी गई। व्यक्तिगत शेयरों में आईटी दिग्गज एचसीएल टेक का शेयर 5 प्रतिशत की शानदार उछाल के साथ सबसे आगे रहा, जबकि बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तीन प्रतिशत की मजबूत बढ़त दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट और आईटी सेक्टर में मजबूत संस्थागत खरीदारी इस बात का संकेत दे रही है कि बाजार अपनी पिछली सुस्ती से उबर रहा है। आईटी कंपनियों में लिवाली का यह दौर दर्शाता है कि निवेशकों को टेक सेक्टर की वैल्यूएशन पर पूरा भरोसा है। विश्लेषकों का मानना है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल के आसपास स्थिर बनी रहती हैं, तो आगामी कारोबारी सत्रों में भी बाजार अपनी बढ़त का सिलसिला कायम रख सकता है।

टैक्सपेयर्स 31 जुलाई तक रिटर्न नहीं भरा तो लगेगा जुर्माना!

नई दिल्ली,2 जुलाई (एजेंसियां)। वेतनभोगियों के लिए सबसे महत्वपूर्ण महीना शुरू हो चुका है। जी हां, जुलाई में आयकर चुकाने वालों को इनकम टैक्स रिटर्न या आईटीआर भरना होता है। इस साल इनकम टैक्स रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 जुलाई है। यदि आपने इस तारीख तक आईटीआर दाखिल नहीं किया तो आपको 5,000 रुपये तक जुर्माना देना पड़ सकता है।मान लीजिए कि आप कहीं नौकरी करते हैं या कोई अपना काम करते हैं। आपको इनकम टैक्स भरना होता है या आपको इनकम टैक्स भरने वाले की श्रेणी में नहीं आते हैं। तो भी अधिकतर लोगों को इनकम टैक्स रिटर्न भरना होता है। आयकर रिटर्न भरने की इस प्रक्रिया को ही आईटीआर फाइलिंग करना कहते हैं। आयकर कानून के जानकार और इनकम टैक्स कंसल्टिंग फर्म रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, दिल्ली के टैक्सेशन पार्टनर सीए सी. कमलेश कुमार बताते हैं कि इस साल 31 जुलाई तक सभी टैक्सपेयर्स या आईटी रिटर्न दाखिल करने वालों को यह काम कर देना चाहिए। वह बताते हैं कि इस साल मई में ही इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने आईटीआर फॉर्मों को जारी कर दिया था। इस साल इसमें कुछ बदलाव किए गए हैं। अब करदाता अपना रिटर्न भर कर जमा कर सकते हैं। सी. कमलेश कुमार का कहना है कि यदि आप 31 जुलाई तक आईटीआर रिटर्न फाइल नहीं करते हैं तो 5,000 रुपये तक का जुर्माना भरना पड़ सकता है। आयकर कानून के मुताबिक यदि पिछले वित्त वर्ष के दौरान आपकी आमदनी पांच लाख रुपये तक रही तो आपको 1,000 रुपये का जुर्माना देना होगा। यदि आपकी आमदनी पांच लाख रुपये से ज्यादा है तो आपको 5,000 रुपये का जुर्माना भरना होगा।

'कटहल कैपिटल' के नाम से मशहूर है तमिलनाडु का पनरुति इलाका

चेन्नई, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कटहल एक ऐसा फल है जिसका उपयोग उम्र के हर पड़ाव में होता है। जैसे ही पेड़ में कटहल लगे, कुछ दिनों बाद से ही उसका उपयोग होने लगता है। छोटे कटहल को पूर्वी उत्तर प्रदेश में 'लेढ़ा' कहा जाता है। इस छोटे कटहल या लेढ़े की सब्जी आप खायें तो अंगुलियां चाटते रह जाएंगे। लाजवाब सब्जी बनती है इसकी। आपको पता है कि देश में सबसे ज्यादा कटहल कहां पैदा होता है? कटहल या फनस (वानस्पतिक नाम : एंटीआरिस टॉक्सिकारिया) का वृक्ष भारत के मैदानी इलाकों में खूब देख सकते हैं।

यह दक्षिण एशिया तथा दक्षिण-पूर्व एशिया का देशज वृक्ष है। पेड़ पर होने वाले फलों में इसका फल विश्व में सबसे बड़ा होता है। यह बांग्लादेश और श्रीलंका का राष्ट्रीय फल है, जबकि भारतीय राज्यों केरल और तमिलनाडु में भी इसे राज्य फल का दर्जा दिया गया है। यह भारत की मूल उपज है। खास कर महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल में इसके पेड़ हजारों साल पहले भी थे। अभी भी इसके पेड़ उत्तर और दक्षिण भारत में बहुतायत से पाये जाते हैं।

कटहल एक ऐसा एग्री प्रोडक्ट है जो सब्जी भी है और फल भी। मानव इसका उपयोग पेड़ में लगने के कुछ दिन बाद यानी बचपन से लेकर पक जाने या बुढ़ापे तक करता है। जब कटहल टेंडर होता है तो उसकी सब्जी बनाई जाती है। कच्चे कटहल की सब्जी से लेकर अचार तक बनाया जाता है। जब कटहल पकने लायक हो जाता है तो वह फल बन जाता है। उसके फल को कटहल का 'कुआ' कहते हैं।

लोग इसके कुअे को सीधे खाते हैं। कुछ जगह इसका उपयोग प्रोसेसिंग के बाद भी होता है। दक्षिण भारत में आप जैसे केले का चिप्स बिकते देखते हैं, वैसे ही कटहल की करारी चिप्स भी खूब बिकती है। देखा जाए तो वहां करारी चिप्स और सुगंधित करी से लेकर मिठाइयों और स्मूदी तक में कटहल का खूब उपयोग होता है। उत्तर भारत में टेंडर कटहल या लेढ़े की लजीज सब्जी बनती है। इसकी सब्जी तो ढंग से बनाई जाए तो यह मटन को भी फेल करती है। कटहल उत्तर और दक्षिण भारत के कई राज्यों में उगाया जाता है। इसलिए इसे किसी एक राज्य या एक जगह का फल नहीं कह सकते।

लेकिन इसकी उत्पादन की मात्रा और दैनंदिन जीवन से इसके सांस्कृतिक जुड़ाव के कारण तमिलनाडु ने एक अलग पहचान बनाई है। इसलिए अघोषित रूप से भारत में कटहल की राजधानी के रूप में तमिलनाडु के कडालोर जिले का पनरुति भारत में कटहल की राजधानी के रूप में जाना जाता है। तमिलनाडु का पनरुति इलाके में कटहल की व्यापक खेती होती है। जब वहां इसकी खूब खेती होती है वहां इसकी खरीद-बिक्री के लिए भी बेहतर व्यवस्था है। वहां कटहल की खेती ज्यादा होने के कारण वहां की गर्म जलवायु, उर्वर मिट्टी और उपयुक्त परिस्थितियां हैं। वहां के कटहल का स्वाद भी कुछ अलग है। तभी तो इसके फलन के मौसम के दौरान वहां के बाजार बड़े कटहल से भर जाते हैं। उसे देश के विभिन्न हिस्सों में भेजे जाते हैं।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति		
सूर्य	मिथुन	मे
चंद्र	मकर	मे
मंगल	वृष	मे
बुध	कर्क	मे
गुरु	कर्क	मे
शुक्र	कर्क	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
मिथुन	04-36	बजे
कर्क	06-48	बजे
सिंह	09-01	बजे
कन्या	11-07	बजे
तुला	13-12	बजे
वृश्चिक	15-22	बजे
धनु	17-36	बजे
मकर	19-42	बजे
कुंभ	21-32	बजे
मीन	23-11	बजे
मेष	00-47	बजे
वृष	02-31	बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
सूर्योदय 05-49
सूर्यास्त. 18 -50
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - आषाढ़ शुक्रवार **03 July 2026**
तिथि - कृष्ण पक्ष तृतीया **11-20** तक उपरान्त चतुर्थी
नक्षत्र - श्रवण **11-46** तक उप धनिष्ठा
योग. - विष्कुंभ **16-59** तक उप प्रीति
करण - विष्टी (भद्रा) **11-20** तक उप बव
विशेष: चतुर्थी व्रत,चन्द्रोदय **22-04** सर्वार्थसिद्ध योग **05-54** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-42 से 12-20 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र अतापुर Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया		
चंचल	05-49 - 07-26	शुभ
लाभ	07-26 - 09-04	शुभ
अमृत	09-04 - 10-42	शुभ
काल	19-42 - 12-20	अशुभ
शुभ	12-20 - 13-59	शुभ
रोग	13-59 - 15-37	अशुभ
उत्पात	15-37 - 17-15	अशुभ
चंचल	17-15 - 18-50	शुभ

रात का चौघड़िया		
रोग	18-50 - 20-15	अशुभ
काल	20-15 - 21-37	अशुभ
लाभ	21-37 - 22-59	शुभ
उत्पात	22-59 - 00-21	अशुभ
शुभ	00-21 - 01-42	शुभ
अमृत	01-42 - 03-04	शुभ
चंचल	03-04 - 04-26	शुभ
रोग	05-26 - 05-49	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,): ये समय अपनी प्रतिभा पर ध्यान केंद्रित करने और अपनी कमजोरियों के बारे में चिंता न करने का है । यह आप के लिए जीत का युग है! आप अपनी रणनीति के साथ दृढ़ हैं और अपने शब्दों के साथ अत्यंत सटीक रहेंगे । आपको पैतृक संपत्ति से या अपने अतीत के निवेश से कुछ अप्रत्याशित धन प्राप्त हो सकता है।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो): कुछ हफ्तों से एक प्रवृत्ति को बल मिल रहा था और उसका परिणाम आज दिखाई देगा। परिणाम दोहन करने के लिए अपने आप को तैयार रखे । योग्य व्यक्तियों से मेल जोल बढ़ा कर रखे । सकरात्मक बातचीत से एक अभिनव व्यापार विचार को गति मिलेगी । जो आपके पास है उससे आपको संतुष्ट रहना चाहिए । लालच को बढ़ने न दे।

मिथुन (का, की, कु, घ, ङ, छ, के, को, ह,): आज आप एक ऐसे सफल पेशेवर से मिल सकते है जो आपका कार्य करने के लिए उपलब्ध सबसे अच्छा विकल्प हो सकता है , लेकिन उसके साथ साझेदारी के गठन से पहले थोड़ा सावधान रहे , संभावना है कि वह कार्य के मध्य में अपनी दरों में वृद्धि कर सकता है । सर्वश्रेष्ठ विकल्प ये होगा की आप ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करे जिसमे दरें गतियमान की बजाय स्थायी हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,): यह गतिविधियों और उपलब्धियों को याद करने या समर्थन करने का अछा समय है और ये आपकी उपलब्धियों को मजबूती देगा की आप रास्ते पर प्रथम है । ये समय नयी शुरुआत करने के लिए अच्छा है चाहे वह नई परियोजना या एक नई नौकरी को लेकर हो । इस ऊर्जा को जब तक बनाए रखने की कोशिश करें , जब तक आप अपनी मंज़िल पर नहीं पहुंच जाते ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,): अगर आप अपने कार्यक्षेत्र या अपने आर्थिक लक्ष्यों के लिए किसी पारंगत व्यक्ति या अपने निकट जानने वाले व्यक्ति से परामर्श लेते है तो ये सुझाव आपको काफी लाभ दे सकता है । आज का दिन इंजीनियरों और कंप्यूटर में प्रवीण व्यक्तियों के लिए काफी अछा रहेगा । आपको दूसरी नौकरी का प्रस्ताव भी मिल सकता है या उसी नौकरी में स्थान परिवर्तन के संकेत भी आपको मिल सकते है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज इस बात के जबरदस्त संकेत है की आप अपने कार्य क्षेत्र का परिवर्तन कर सकते है या आप के कार्य क्षेत्र से जुडी दिशा का बदलाव हो सकता है । अभी तक आप जिस चीज़ को शौकिया तौर पर लेते थे वही चीज़ आपके लिए धन उपार्जन का रास्ता बन सकती है यहाँ तक की आप अपनी नौकरी भी इस काम के लिए छोड़ सकते है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,): आज आपको लक्ष्यों को पूरा करने के लिए मुश्किलो का सामना करना पड़ सकता हैं । उन क्षेत्रों को देखे जहा पहले आपने कार्य नहीं किया है । अन्वेषण आप के लिए आज महत्वपूर्ण रहेगा ।आपको कुछ सार्थक मिल सकता है। अगर आप अपनी नौकरी स्थानांतरण की योजना बना रहे है, तो आज का दिन काफी शुभ हो सकता है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,): वृश्चिक कैरियर और धन राशिफल आपका धैर्य से अब लाभ मिलने लगा है । आप एक लंबे समय से इसके लिए इंतजार कर रहे थे , जिसके लिए आपने कभी अपनी मेहनत को पीछे नहीं रखा और अवसरों की तलाश करते रहे । धीरे-धीरे जो आप चाहते थे वो आपको मिल रहा है ।आप संयमित रहे । इन लाभों का आनंद लें , लेकिन साथ ही साथ आसपास के लोगों से विनम्र रहे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे): आपकी कड़ी मेहनत और धैर्य की लंबी प्रतिबद्धता का फल आपको मिलने जा रहा है और एक बड़ा अवसर आपके करियर को आगे ले जाने के लिए आपको मिल सकता है । अंतः आपको अपनी प्रतिबद्धताओं का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा , हालांकि अन्य लोगों के योगदान को याद करे और न भूले और उनके साथ सदा विनम्र रहे ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी): आज्ञाकारी होना अच्छा है, लेकिन दूसरों के मुताबिक कार्य करना सही नहीं है । आप और आपके विचार सब से अलग है ।आपको जो सही लगे वह करे और लोगो की बातो में आने से बचे । आप अपने व्यय योजना में अपने खर्चों को कम करने की कोशिश कर रहे है ताकि सकारात्मक वित्तीय बदलाव आये , इसलिए आगे बढे और योजना को अंजाम दे !

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा): आज आपको एक अच्छी नौकरी की पेशकश मिल सकती हैं , लेकिन आपको इस नौकरी का लाभ लेने के लिए एक अलग शहर या यहां तक कि किसी दूसरे देश में बदलाव करना पड़ सकता है । ये नौकरी की पेशकश बहुत ही आकर्षक लग सकती है पर यह आपके परिवार के सदस्यों पर प्रभाव डालेगी , इसलिए इसे स्वीकार करने से पहले आपको विभिन्न कोणों पर विचार करने की जरूरत है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची): जिन परियोजनाओं पर आप लम्बे समय से लग्न के साथ कार्य कर रहे थे , इस मोड़ पर आप उन्हें सार्वजनिक कर सकते है, और इस तरह से आप अपनी शैली में मंच पर आगे की और शान से रुख कर सकते है । आपके काम की विशिष्टता आपको सम्मान दिलाएगी जब यह सबके सामने आएगी , हालांकि गोपनीयता बना कर रखना समय की मांग है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

नए जिलों के विकास की कमान पुराने जिला परिषदों के हाथ

नए का कब होगा गठन?

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव नहीं होने के कारण प्रदेश में बनाए गए नए जिलों में अब तक जिला परिषदों का गठन नहीं हो पाया है। इसका असर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की योजनाओं के संचालन पर भी दिखाई दे रहा है। विभाग को फिलहाल नए जिलों के बजाय पुराने जिलों की जिला परिषदों के माध्यम से ही योजनाओं का संचालन करना पड़ रहा है। एक जुलाई से शुरू हुई विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन का संचालन भी पुरानी जिला परिषदों के जरिए किया जाएगा।

वहीं, नवगठित ग्राम पंचायतों के चुनाव नहीं होने से राशि और कार्यों का आवंटन भी पुरानी ग्राम पंचायतों के आधार पर ही किया जाएगा। हाल ही में राजस्थान सरकार ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी जिला उत्थान योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रशासनिक व्यय की स्वीकृति जारी की है।

इसके साथ ही परियोजना निदेशक ओमकारेश्वर शर्मा ने निर्देश दिए है कि योजना का संचालन पूर्व की नोडल जिला परिषदों के माध्यम से ही किया जाए। इससे साफ है कि जब तक नए जिलों में जिला परिषदों का गठन नहीं हो जाता, तब तक ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग की योजनाओं का संचालन, वित्तीय प्रबंधन और प्रशासनिक व्यवस्था पुराने जिलों की जिला परिषदों के जरिए ही जारी रहेगी।

अशोक गहलोत सरकार ने 2023 में 19 नए जिले और 3 नए संभाग घोषित किए गए, जिससे राजस्थान में कुल 50 जिले हो गए थे। इसके बाद दिसंबर 2024 भाजपा सरकार के आने के बाद भजनलाल शर्मा सरकार ने 9 नए जिले और 3 नए संभाग को निरस्त कर दिया। सरकार के इस नए फैसले के बाद राजस्थान में कुल 41 जिले और 7 संभाग बचे रहे।

जिले रद्द : भजनलाल सरकार ने दूदू, केकड़ी, शाहपुरा, नीम का थाना, गंगापुर सिटी, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर ग्रामीण, अनूपगढ़, सांचौर जिले रद्द किए।

नए जिलेः भजनलाल सरकार ने प्रशासनिक जरूरत के आधार पर बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना-कुचामन, कोटपूतली-बहरोड़, खैरथल-तिजारा, फलौदी, सलम्बूर बनाए।

राजस्थान के 41 जिलों की सूची

श्रीगंगानगर, धौलपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, करौली, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, दौसा, जयपुर, सिरोही, झुंझुनू, सीकर, बूंदी, बारां, झालावाड़, कोटा, बांसवाड़ा, चित्तौड़गढ़, डूंगरपुर, राजसमंद, बाड़मेर, जालौर, भरतपुर, जोधपुर , अलवर, प्रतापगढ़, अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर, टोंक, उदयपुर, बालोतरा, डीडवाना, फलौदी, सलूंबर, खैरथल-तिजारा, डीग, कोटपूतली-बहरोड, ब्यावर।

'घुमंतू समाज पर आंसू गैस छोड़ना और लाठीचार्ज करना निंदनीय', गहलोत ने कहा- सरकार अनुभवहीन

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समाज (डीएनटी) जातियों ने जयपुर के विद्याधर नगर के जेडीए ग्राउंड में महापड़ाव डाला। इस दौरान उन पर आंसू गैस के गोले छोड़े गए। साथ ही लाठीचार्ज किया। इस घटना के बाद कांग्रेस के दिग्गज नेता अशोक गहलोत ने भाजपा सरकार और उसके मुखिया दोनों पर निशाना साधा। अशोक गहलोत ने कहा सरकार का यह कदम निंदनीय है। अशोक गहलोत ने आज सोशल मीडिया अकाउंट X पर लिखा कि घुमंतू समाज हमारे सबसे कमजोर वर्गों में से एक है। इनकी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के बजाय, पुलिस द्वारा इन पर आंसू गैस के गोले छोड़ना और लाठीचार्ज करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण एवं निंदनीय है। राज्य सरकार यह समझने में विफल रही है कि विवादों और समस्याओं का वास्तविक हल केवल बातचीत से ही निकलता है।

विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समाज जातियों का जयपुर में महापड़ाव और अशोक गहलोत

अशोक गहलोत ने आगे लिखा कि प्रशासनिक अधिकारियों को इनके प्रतिनिधिमंडल से मिलकर समय रहते बात करनी चाहिए थी, ताकि ऐसी नौबत ही न आए कि उनका यह आंदोलन बेकाबू हो जाए। जयपुर में होने वाले इस प्रदर्शन की सभी को पूर्व जानकारी थी। इसके बावजूद ऐसी अप्रिय स्थिति का उत्पन्न होना सीधे तौर पर सरकार की अनुभवहीनता को दर्शाता है। कांग्रेस नेता ने सचिन पायलट ने भी सरकार की निंदा करते हुए सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा कि अपनी मांगों को लेकर घुमंतू समाज द्वारा किए गए प्रदर्शन पर पुलिस द्वारा बल प्रयोग किया जाना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। सरकार को इनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए और समाधान निकालना चाहिए। लोकतंत्र में अपनी बात रखने का अधिकार सभी को प्राप्त है और कमजोर वर्ग अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करता है तो उनकी आवाज को दबाने की बजाय संवेदशीलता के साथ समाधान किया जाना चाहिए। उधर नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने घुमंतु एवं अर्ध-घुमंतु (डीएनटी) समुदाय के महापड़ाव पर पुलिस द्वारा लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले दागने, बल प्रयोग की घटना की कड़ी निंदा की है। समाज के कमजोर, वंचित और उपेक्षित वर्गों पर ऐसी कार्रवाई निंदनीय है।

प्रदेश में 10 प्रतिशत आरक्षण की मांग को लेकर विमुक्त, घुमंतू और अर्ध घुमंतू समाज (डीएनटी) जातियों ने जयपुर के विद्याधर नगर के जेडीए ग्राउंड में महापड़ाव डाला। इसमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, मध्यप्रदेश से आकर इस समाज के लोगों ने सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया।

'जगन गुर्जर की हत्या में एक व्यक्ति का हाथ नहीं'

हनुमान बेनीवाल ने दिया बड़ा बयान

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। कुख्यात डकैत जगन गुर्जर की जेल में हुई हत्या के बाद अब नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने बड़ा बयान दिया है। सांसद हनुमान बेनीवाल ने जेल प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि जगन गुर्जर की हत्या में एक व्यक्ति का हाथ नहीं हो सकता है। जेल सिस्टम में ऊपर से नीचे तक मिलीभगत के बिना ऐसी घटना संभव नहीं है। साथ ही उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के बंद होने और उन पर टेप लगे होने जैसी परिस्थितियों पर भी सवाल उठाए। हनुमान बेनीवाल ने सीबीआई जांच की मांग उठाते हुए कहा कि निष्पक्ष जांच से ही पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा कि यदि सरकार में दम है तो मामले की सीबीआई जांच कराए, क्योंकि तभी पूरी सच्चाई सामने आएगी। इसमें जेल विभाग, पुलिस और सरकार के कई बड़े अधिकारी जेल जाएंगे। इस हत्याकांड में कई लोगों का हाथ है। मैंने पहले ही दिन कहा

दिया था कि सीबीआई जांच जरूरी है। उन्होंने कहा कि जेल के सीसीटीवी कैमरों पर टेप लगाना, कैमरों का बंद होना और हत्या की परिस्थितियां कई तरह के सवाल खड़े करती हैं। जैसे जेल में बंद विष्णु सिंह ने जगन गुर्जर की हत्या का गुनाह कबूल किया, ऐसा लगता नहीं है कि एक ही आदमी जगन गुर्जर की हत्या कर सकता है।

इससे पहले 29 जून को हनुमान बेनीवाल ने एक्स पर लिखा था कि अजमेर हाई सिक्योरिटी जेल में बंद जगन गुर्जर की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु हो जाना अत्यंत गंभीर घटना है। जगन की हत्या की घटना राजस्थान की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली जेल की सुरक्षा व्यवस्था एवं जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। यह घटना प्रथम दृष्टया जेल प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही की ओर संकेत करती है। साथ ही, इस पूरे मामले में किसी प्रकार की मिलीभगत या साजिश की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। ऐसी परिस्थितियों में केवल विभागीय जांच से निष्पक्ष एवं पारदर्शी सत्य सामने आने की संभावना कम प्रतीत होती है। इसलिए प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से अपील है कि इस मामले की जांच तत्काल प्रभाव से सीबीआई से करवाई जाए, ताकि घटना के पीछे की साजिश, जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका का पर्दाफाश हो सके।

उन्होंने आगे लिखा था कि पिछले कुछ समय से राजस्थान की जेलों से मुख्यमंत्री को धमकियां दिए जाने, आम नागरिकों एवं व्यापारियों से रंगदारी और वसूली की धमकियां देने, नशे के कारोबार संचालित होने तथा संगठित अपराधों के संचालन जैसी घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं।

7 दिन की देरी के साथ राजस्थान में मानसून ने दी दस्तक

आईएमडी की भारी से अतिभारी बारिश की चेतावनी

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। इंतजार खत्म हुआ। मानसून ने राजस्थान में दस्तक दे दी है। राजस्थान में प्रवेश करने की सामान्य तिथि से करीब 7 दिन की देरी के साथ मानसून 2 जुलाई को राज्य के पूर्वी भागों में पहुंचा। पिछले 10 वर्ष की बात करें तो इससे पहले 2019 में भी मानसून ने राज्य में 2 जुलाई को प्रवेश किया था। 2017 में मानसून ने प्रदेश में 15 जून को ही दस्तक दे दी थी। 2025 में मानसून का प्रवेश 18 जून को हुआ था।

मानसून के आगमन के साथ ही प्रदेश में झमाझम बारिश का सिलसिला शुरू हो जाएगा। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि राजस्थान में दक्षिण-पश्चिम मानसून ने दस्तक दे दी है। वर्तमान में मानसून की उत्तरी सीमा टोंक, जयपुर और अलवर से होकर गुजर रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आगामी 2 से 3 दिनों के दौरान परिस्थितियां अनुकूल रहने से मानसून राज्य के अन्य भागों में तेजी से बढ़ेगा।

मौसम विभाग के अनुसार 2 जुलाई तक दक्षिण-पश्चिम मानसून गुजरात के कुछ और हिस्सों, उत्तर प्रदेश के शेष क्षेत्रों, संपूर्ण दिल्ली, मध्य प्रदेश के अधिकांश भागों, हरियाणा और पंजाब के अधिकतर इलाकों के साथ-साथ राजस्थान के कुछ हिस्सों तक पहुंच चुका है।

विभाग ने बताया कि 2 जुलाई की स्थिति के अनुसार मानसून की उत्तरी सीमा 22 डिग्री उत्तर अक्षांश और 60 डिग्री पूर्व देशांतर से होकर पोरबंदर, वल्लभ विद्यानगर, नीमच, टोंक, भिवानी, भटिंडा होते हुए 32.5 डिग्री उत्तर अक्षांश और 70 डिग्री पूर्व देशांतर तक गुजर रही है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगले दो से तीन दिनों में उत्तर अरब सागर, गुजरात के शेष भागों, मध्य प्रदेश के बाकी क्षेत्रों, हरियाणा, पंजाब तथा राजस्थान के अन्य हिस्सों में मानसून के आगे बढ़ने के लिए मौसम पूरी तरह अनुकूल बना हुआ है। ऐसे में जल्द ही राजस्थान के अधिकांश क्षेत्रों में मानसून सक्रिय होने की संभावना है।

पंचायत-निकाय चुनाव में देरी की तो अवमानना याचिका दायर करेंगे संयम लोढ़ा

सरकार को दिया लीगल नोटिस

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान में पंचायत और निकाय चुनावों को लेकर सियासी और कानूनी विवाद एक बार फिर गहरा गया है। पूर्व विधायक संयम लोढ़ा ने राज्य निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार के अधिकारियों को लीगल नोटिस भेजकर आरोप लगाया है कि राजस्थान हाईकोर्ट के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद चुनाव प्रक्रिया शुरू नहीं की गई। नोटिस में चेतावनी दी गई है कि यदि तीन दिन के भीतर चुनाव संबंधी आवश्यक कदम नहीं उठाए गए तो हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की जाएगी।

नोटिस के अनुसार राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 22 मई 2026 को दिए अपने आदेश में शहरी निकायों के वार्ड परिसीमन और मतदाता सूची पुनरीक्षण की प्रक्रिया 20 जून 2026 तक पूरी करने तथा पंचायतों और नगर निकायों के चुनाव 31 जुलाई 2026 तक संपन्न कराने के निर्देश दिए थे।

नोटिस में दावा किया गया है कि हाईकोर्ट ने अपने फैसले में स्पष्ट किया था कि ओबीसी आयोग की

राज्य निर्वाचन आयुक्त राजेश्वर सिंह

रिपोर्ट का इंतजार चुनाव प्रक्रिया में देरी का आधार नहीं बन सकता। इसके बावजूद राज्य सरकार और संबंधित विभाग लगातार ओबीसी राजनीतिक प्रतिनिधित्व आयोग की रिपोर्ट का हवाला देकर आरक्षण प्रक्रिया पर ही पत्राचार करते रहे।

दस्तावेज के मुताबिक 15 जून 2026 को स्थानीय स्वशासन विभाग ने ओबीसी आयोग को पत्र लिखकर रिपोर्ट शीघ्र उपलब्ध कराने का अनुरोध किया, जबकि हाईकोर्ट पहले ही कह चुका था कि चुनाव आयोग को निर्धारित समयसीमा में चुनाव कराने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।इसी तरह पंचायतीराज विभाग ने भी राज्य निर्वाचन आयोग को पत्र भेजकर कहा कि ट्रिपल टेस्ट और आरक्षण संबंधी प्रक्रिया आयोग की रिपोर्ट के अभाव में पूरी नहीं हो पा रही है।

नोटिस में कहा गया है कि 23 जून 2026 के बाद भी अधिकारियों ने हाईकोर्ट के आदेशों को लागू करने के बजाय आरक्षण और आयोग की रिपोर्ट से जुड़े पत्राचार जारी रखे। इससे स्पष्ट है कि संबंधित अधिकारी अदालत के निर्देशों के विपरीत कार्य कर रहे हैं। वकील पुनित सिंघवी की ओर से भेजे गए नोटिस में कहा गया है कि यह आचरण न्यायालय अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2(बी) के तहत सिविल कंटेम्प्ट की श्रेणी में आता है, क्योंकि संवैधानिक न्यायालयों के आदेश सभी सरकारी प्राधिकारियों पर बाध्यकारी होते हैं।

नोटिस में राज्य निर्वाचन आयुक्त, आयोग सचिव, पंचायतीराज विभाग और स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों से कहा गया है कि वे तत्काल हाईकोर्ट के आदेशों की पालना सुनिश्चित करें और तीन दिन के भीतर जवाब दें कि आदेशों की अनुपालना क्यों नहीं की गई।

भारतमाला हाईवे पर बैरिकेड से टकराई कार, पूर्व सरपंच की दर्दनाक मौत

बालोतरा, 2 जुलाई (एजेंसियां)। भारतमाला हाईवे पर आगोलाई के पास देवीगढ़ क्षेत्र में हुए भीषण सड़क हादसे में पाटोदी क्षेत्र के बाणियावास गांव के पूर्व सरपंच दलपत सिंह राजपुरोहित की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि बाणियावास के वर्तमान सरपंच एवं मंडल कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बाबूराम मेघवाल गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे में दलपत सिंह राजपुरोहित की पत्नी भी घायल हुई हैं, जिनके पैर में फ्रैक्चर बताया गया है। घटना के बाद हाईवे की सुरक्षा व्यवस्था और बैरिकेडिंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह हादसा देर रात उस समय हुआ जब कार भारतमाला हाईवे पर आगोलाई के पास लगाए गए बैरिकेड से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि उसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। आसपास मौजूद लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और कार में फंसे घायलों को बाहर निकालने का प्रयास किया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीम भी मौके पर पहुंची तथा घायलों को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में चिकित्सकों ने पूर्व सरपंच दलपत सिंह राजपुरोहित को मृत घोषित कर दिया, वहीं गंभीर रूप से घायल बाबूराम मेघवाल का आईसीयू में उपचार जारी है। चिकित्सकों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। दलपत सिंह राजपुरोहित की पत्नी का भी उपचार चल रहा है।

घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। दलपत सिंह राजपुरोहित सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय एवं लोकप्रिय व्यक्तित्व माने जाते थे। उनके निधन से गांव सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है, जबकि लोग बाबूराम मेघवाल के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

'खाद के लिए आधार जरूरी, तो शराब के लिए क्यों नहीं?'

डूंगरपुर एसपी के सामने किया सवाल

डूंगरपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। सीमलवाड़ा में डूंगरपुर जिला पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने धंबोला थाना क्षेत्र का दौरा कर धंबोला थाना एवं सरथूना पुलिस चौकी का निरीक्षण किया। इस दौरान बैठक में पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था पर आमजन से फीडबैक लिया। साथ ही पुलिस और जनता के बीच बेहतर समन्वय पर जोर दिया। बैठक के दौरान एक रोचक लेकिन गंभीर मुद्दा भी सामने आया। भादर निवासी ज्योतिलाल बुझ ने कहा कि जब खाद खरीदने के लिए आधार कार्ड अनिवार्य है, तो शराब खरीदने के लिए ऐसी व्यवस्था क्यों नहीं? उनका कहना था कि यदि शराब बिक्री आधार से जुड़ जाए तो एक व्यक्ति द्वारा अत्यधिक खरीदारी पर नियंत्रण रहेगा और सामाजिक बुराइयों पर भी अंकुश लगाया जा सकेगा। उनके इस सुझाव पर बैठक में मौजूद लोगों ने भी चर्चा की।

इस दौरान उन्होंने थाना प्रभारी सीआई देवेंद्र देवल से लंबित प्रकरणों की जानकारी लेकर उनके शीघ्र एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं सरथूना पुलिस चौकी पहुंचकर चौकी प्रभारी गिरधारी लाल से क्षेत्र की कानून व्यवस्था की समीक्षा की।

मध्यप्रदेश सीमा से सटे होने के कारण चौकी क्षेत्र में अवैध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने, त्वरित कार्रवाई करने तथा पुलिस को हर समय एक्शन मोड में रहने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान थाना परिसर में पौधरोपण भी किया गया। इस अवसर पर पुलिस उप अधीक्षक मदनलाल विश्नोई भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद थाना परिसर में सीएलजी, पुलिस मित्र एवं ग्राम रक्षक दल के सदस्यों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सीमलवाड़ा कस्बे में बढ़ते अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था, पीठ पुलिस चौकी में स्टाफ बढ़ाने, चौकी भवन का निर्माण शीघ्र शुरू कराने, विवेचनाओं को अधिक प्रभावी एवं निष्पक्ष बनाने, डीजे पर नियंत्रण, सामाजिक बैठकों के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाने, यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने, शराब के अड्डों पर कार्रवाई, बंद पड़े सीसीटीवी कैमरों को पुनः चालू कराने तथा अवैध मुर्गी-मांस की दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई।

बैठक के दौरान कांग्रेस एवं भारत आदिवासी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने भी पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की। उन्होंने कहा कि जिले में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है और अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रकाश पंड्या ने कहा कि विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों द्वारा भी पुलिस प्रशासन की सराहना किया जाना, इस बात का प्रमाण है कि पुलिस निष्पक्ष एवं प्रभावी तरीके से कार्य कर रही है।

पुलिस अधीक्षक मनीष कुमार ने कहा कि वर्ष 2025 में जिले में 29 हत्याएं तथा करीब 300 लोगों की सड़क दुर्घटनाओं में मौत हुई थी। इनमें से अधिकांश लोगों की जान हेलमेट पहनने से बचाई जा सकती थी। उन्होंने कहा कि लोग हेलमेट केवल चालान से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी जान बचाने के लिए पहनें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जिले में आपराधिक गतिविधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कार्रवाई की जा रही है।

अवैध गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने में जनता का सहयोग भी उतना ही आवश्यक है जितना पुलिस का। किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

नगर निगम में एसीबी की बड़ी कार्रवाई

50 हजार की रिश्वत लेते जमादार रंगे हाथों गिरफ्तार

एसीबी की गिरफ्त में आरोपी

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। जयपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने गुरुवार को एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। एसीबी टीम ने हवामहल-आमेर जोन, नगर निगम जयपुर के जमादार (पट्टा/लीज शाखा) रामसिंह यादव को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने परिवादी से उसके पिता के नाम मकान का पट्टा जारी करने की एवज में दो लाख रुपए की घूस मांगी थी। एसीबी की कार्रवाई के बाद निगम कार्यालय में हड़कंप मच गया।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि आरोपी रामसिंह यादव (28) पुत्र मूलचन्द यादव, निवासी किशोरपुरा, तहसील श्रीमाधोपुर (जिला सीकर) हाल जमादार पट्टा/लीज शाखा, हवामहल आमेर जोन में तैनात है। परिवादी ने एसीबी चौकी जयपुर नगर तृतीय को शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसके पिता के नाम का वैध मकान पट्टा देने के बदले में आरोपी जमादार दो लाख रुपए की मांग कर परेशान कर रहा है।

शिकायत मिलने के बाद एसीबी उप महानिरीक्षक-द्वितीय (जयपुर) ओमप्रकाश मीणा के सुपरवीजन तथा जयपुर नगर तृतीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल के नेतृत्व में शिकायत का गोपनीय सत्यापन करवाया गया। सत्यापन में रिश्वत मांगे जाने के तथ्य सही पाए जाने पर उप अधीक्षक पुलिस सुरेन्द्र पंचौली व टीम ने जाल बिछाया। जैसे ही आरोपी रामसिंह यादव ने पट्टा देने की एवज में रिश्वत की पहली किस्त के रूप में 50 हजार रुपए दिए, वैसे ही इशारा मिलते ही टीम ने उसे दबोच लिया।

डमी कैंडिडेट बैठाकर वनरक्षक बनी महिला गिरफ्तार, रीट में पकड़ी गई थी

जयपुर, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप ने वनरक्षक भर्ती परीक्षा 2020 की साल 2022 में हुई लिखित परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बिठाकर परीक्षा पास करने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया है। रीट भर्ती परीक्षा-2021 में उसने अपनी जगह डमी अभ्यर्थी को परीक्षा दिलवाने की कोशिश की थी, हालांकि तब परीक्षा से ठीक पहले ही सिंधी कैंप थाना पुलिस ने मूल अभ्यर्थी प्रमिला और डमी अभ्यर्थी दोनों को पकड़ लिया था। वनपाल भर्ती के दस्तावेज सत्यापन और पुलिस वैरिफिकेशन में प्रमिला ने अपने खिलाफ दर्ज मुकदमे की जानकारी छुपाई और वनरक्षक के पद पर जॉइन कर लिया।

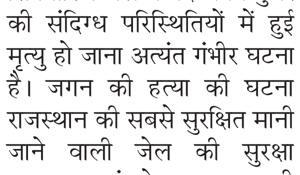

आरोपी वनपाल

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस विशाल बंसल ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रमिला (29) पुत्री रामलाल है, जो सरनाऊ (जालोर) की रहने वाली है। वर्तमान में वह सिरोही जिले के रेवदर थाना क्षेत्र के वनपाल नाका जीरावल में वनरक्षक के पद पर तैनात थी। एसओजी ने जांच के बाद आरोपी महिला को 30 जून को गिरफ्तार किया है।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा वर्ष 2022 में वनरक्षक भर्ती परीक्षा-2020 आयोजित की गई थी। प्रमिला का परीक्षा केंद्र 13 नवंबर 2022 को बीएन कॉलेज, कांकरोली (राजसमंद) में आया था। प्रमिला ने खुद परीक्षा देने के बजाय अपने स्थान पर एक डमी अभ्यर्थी को परीक्षा में बैठा दिया। परीक्षा में चयन होने के बाद नौकरी जॉइन कर ली।

एसओजी की जांच में सामने आया कि प्रमिला ने रीट भर्ती परीक्षा-2021 में अपनी जगह डमी अभ्यर्थी की फोटो लगाकर परीक्षा दिलवाने की कोशिश की थी। हालांकि, तब परीक्षा से ठीक पहले ही जयपुर के सिंधी कैंप थाना पुलिस ने प्रमिला और डमी अभ्यर्थी को दबोच लिया था। इस संबंध में सिंधी कैंप थाने में मुकदमा दर्ज हुआ था।

एटीएम में कैश भरने वाले 2 कर्मचारियों ने किया 1 करोड़ से ज्यादा का घोटाला, वैन में चाबी छोड़कर हुए फरार

झुंझुनू, 2 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में एटीएम में नकदी भरने वाली सीएमएस कंपनी से जुड़ा बड़ा कैश घोटाला सामने आने के बाद बैंकिंग क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। कंपनी के 2 कर्मचारी एटीएम में जमा किए जाने वाले कैश में कथित हेराफेरी कर फरार हो गए। प्रारंभिक जांच में 17 एटीएम की ऑडिट में 83 लाख रुपए से अधिक की नकदी गायब मिली। जिसके बाद ये आंकड़ा 1 करोड़ रुपए के करीब पहुंच गया। वहीं कंपनी को आशंका है कि सभी 28 एटीएम की जांच पूरी होने के बाद गबन की राशि 1 करोड़ रुपए से अधिक हो सकती है।

सीएमएस कंपनी झुंझुनूं, पिलानी और चिड़ावा क्षेत्र के विभिन्न बैंकों के एटीएम में कैश डालने का काम करती है। कंपनी के कर्मचारी सुजडौला निवासी सुमेर सिंह और संदीप सिंह पिछले करीब एक साल से एटीएम कैश लोडिंग का कार्य कर रहे थे। कुछ दिन पहले दोनों कर्मचारी अचानक लापता हो गए।

दोनों ही कैश वैन में ही एटीएम की चाबियां छोड़कर फरार हुए हैं। इसके बाद कंपनी अधिकारियों को संदेह हुआ और कर्मचारियों की तलाश शुरू की गई। लेकिन उनका कोई पता नहीं चल सका। दोनों कर्मचारियों के गायब होने के बाद सीएमएस कंपनी ने उनके जिम्मे वाले सभी एटीएम की आंतरिक ऑडिट शुरू करवाई। देर रात तक पिलानी और चिड़ावा क्षेत्र की करीब 20 एटीएम मशीनों की जांच पूरी की गई।

जिसमें 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कैश कम मिला। कंपनी टीम ने पिलानी क्षेत्र के सभी एटीएम की जांच पूरी कर ली है, जबकि चिड़ावा क्षेत्र की मशीनों का मिलान जारी है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पिलानी क्षेत्र की एक एटीएम साइट पर लगी दो मशीनों से करीब 38 लाख रुपए की नकदी गायब मिली है। ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि सभी एटीएम की जांच पूरी होने के बाद गबन की राशि और बढ़ सकती है।

मंत्रिमंडल ने स्वास्थ्य विभाग में 6,278 पदों को मंजूरी दी : मंत्री पोंगुलेटी

7,345 करोड़ रुपये की मूसी परियोजना को हरी झंडी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता) मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की अध्यक्षता में तेलंगाना मंत्रिमंडल ने गुरुवार को कल्याणकारी, अवसंरचना और स्वास्थ्य संबंधी कई पहलों को मंजूरी दी। इनमें प्रमुख रूप से स्वास्थ्य विभाग में 6,278 पदों का सृजन, छात्रों और स्कूल कर्मचारियों के लिए मुफ्त भोजन का विस्तार और मूसी नदी तट विकास परियोजना के 7,345 करोड़ रुपये के पहले चरण को हरी झंडी देना शामिल है। सचिवालय में मंत्रिमंडल की बैठक के बाद पत्रकारों को जानकारी देते हुए राजस्व, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने बताया कि मंत्रिमंडल ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (एमजीएनआरईजीएस) में केंद्र द्वारा किए गए परिवर्तनों पर भी विस्तार से विचार-विमर्श किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एनडीए सरकार ने राज्यों और तेलंगाना विधानसभा के विरोध के बावजूद परिवर्तन लागू किए हैं, जिन्होंने पहले इनके खिलाफ सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया था। उन्होंने कहा कि राज्य नए प्रावधानों का पालन करेगा क्योंकि कोई विकल्प नहीं है, लेकिन केंद्र के इस फैसले के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेगा। मंत्रिमंडल ने सरकारी स्कूलों और जूनियर कॉलेजों में कक्षा बारहवीं तक के सभी छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन कार्यक्रम, नाश्ता और दूध के विस्तार को भी मंजूरी दी। लगभग 1.5 लाख शिक्षकों, व्याख्याताओं और अन्य कर्मचारियों को भी यही सुविधाएं निःशुल्क प्रदान की जाएंगी। स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने के लिए, मंत्रिमंडल ने तेलंगाना इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (टीआईएमएस) सुपर स्पेशलिटी अस्पताल और सनतनगर, एलबी नगर और अलवाल स्थित टीआईएमएस अस्पतालों के साथ-साथ वारंगल सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के लिए 6,278 नए पदों को मंजूरी दी। मंत्रिमंडल ने यह भी निर्णय लिया कि मुख्यमंत्री राहत कोष के तहत उपचार इन अस्पतालों में लेटर ऑफ क्रेडिट (एलओसी) के माध्यम से उपलब्ध कराया जाएगा। मंत्रिमंडल ने गांधी सरोवर से 21 किलोमीटर के क्षेत्र को कवर करने वाली मूसी नदी तट विकास परियोजना के पहले चरण के लिए 7,345 करोड़ रुपये भी स्वीकृत किए। इस परियोजना का उद्देश्य नदी तट सड़कों के माध्यम से शहरी संपर्क में सुधार करते हुए सीवेज और बाढ़ की समस्याओं का समाधान करना है। अन्य निर्णयों में, मंत्रिमंडल ने वारंगल जिले में बड़े एकीकृत गोदामों, महबूबबाद और सूर्यपेट जिलों में जवाहर नवोदय विद्यालयों, जगतियाल में एक केंद्रीय विद्यालय और कई अन्य केंद्रीय और राज्य सरकारी संस्थानों के लिए भूमि आवंटन को मंजूरी दी। इस अवसर पर मंत्री सीतक्का और अदलूरी लक्ष्मण प्रसाद भी उपस्थित रहे।

सरकार ने 14 पीएसीएस के लिए अस्थायी समितियों की नियुक्ति की

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि और सहकारिता मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने खुलासा किया है कि राज्य सरकार ने तेलंगाना में 14 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) के लिए अस्थायी गैर-सरकारी प्रभारी (पीआईसी) समितियों की स्थापना के आदेश जारी किए हैं। मंत्री जी के अनुसार, तेलंगाना सहकारी समिति अधिनियम के तहत इन समितियों की नियुक्ति छह महीने की अवधि के लिए की गई है। इनका कार्यकाल संबंधित समितियों के चुनाव होने तक या सरकार द्वारा आगे के निर्देश जारी होने तक, जो भी पहले हो, जारी रहेगा।

तुम्मला नागेश्वर राव ने इस बात पर जोर दिया कि ये समितियां तत्काल प्रभाव से अपना कार्यभार संभालेंगी और संबंधित सहकारी समितियों के प्रबंधन के लिए जिम्मेदार होंगी। उन्होंने विशेष आयुक्त और सहकारी समितियों के रजिस्ट्रार को इन आदेशों के अनुपालन हेतु उचित अनुवर्ती कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

तेलंगाना के नव नियुक्त मुख्य सचिव संजय जाजू ने गुरुवार को सचिवालय में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क से मुलाकात की। मुख्य सचिव का पदभार ग्रहण करने के बाद जाजू की यह मुलाकात शिष्टाचार भेंट थी

स्टेशन से 3 साल के मासूम का अपहरण

सीसीटीवी के आधार पर तलाश जारी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन से बुधवार को एक तीन वर्षीय बच्चे के कथित अपहरण का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, बच्चा अपनी मां के साथ प्लेटफॉर्म पर सो रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उसे अपने साथ लेकर चला गया। कुछ देर बाद जब मां की आंख खुली तो बेटा गायब था। इसके बाद उसने तुरंत रेलवे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू कर दी है। अपहरणकर्ता की खोज के लिए विशेष टीमें बनाई गई हैं और रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सीसीटीवी फुटेज में बच्चा बिना किसी विरोध के एक अज्ञात व्यक्ति के साथ जाता हुआ दिखाई दे रहा है। पुलिस का अनुमान है कि आरोपी ने बच्चे को किसी रिश्तेदार के बुलाने या कुछ दिलाने का लालच देकर अपने साथ ले गया होगा। पुलिस का कहना है कि बच्चे की तलाश के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और मामले की जांच जारी है।

आरएस प्रवीण कुमार की पत्नी के तबादले को लेकर राजनीतिक प्रतिशोध का आरोप

सरकार ने अब अनुचित रूप से उनकी पत्नी को निशाना बनाया : बीआरएस

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ बीआरएस नेता और पूर्व आईपीएस अधिकारी आर.एस. प्रवीण कुमार ने गुरुवार को तेलंगाना सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना का आरोप लगाया। उनकी पत्नी लक्ष्मी बाई का तबादला कृषि विभाग से सहकारिता विभाग में कर दिया गया, जिसका उनके कार्यक्षेत्र से कोई संबंध नहीं था। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैं राजनीति में किसी भी परिणाम का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार होकर आया था।' इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रवीण कुमार ने आरोप लगाया कि यह तबादला उनके खिलाफ राजनीतिक रूप से की जा रही कार्रवाइयों की एक कड़ी है। उन्होंने अपने निजी कर्मचारियों, सरकारी वाहन की वापसी और सुरक्षा में कटौती का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षा मुद्दे पर उन्हें उच्च न्यायालय से आंशिक राहत मिली थी और दावा किया कि सरकार ने अब अनुचित रूप से उनकी पत्नी को निशाना बनाया है। प्रवीण कुमार ने घोषणा की कि बीआरएस डरने वाली नहीं है और पार्टी जनता के साथ खड़ी रहेगी और कांग्रेस सरकार के खिलाफ निरंतर संघर्ष जारी रखेगी।

विजयवाड़ा रेल मंडल में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक

हिंदी के प्रयोग पर दिया गया जोर

विजयवाड़ा, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण तटीय रेलवे (एससीओआर) के विजयवाड़ा मंडल में गुरुवार को मंडलीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति (डीओएलआईसी) की बैठक मंडल रेल प्रबंधक मोहित सोनकिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस अवसर पर मंडल की राजभाषा त्रैमासिक ई-पत्रिका 'विजयरथ' का भी विमोचन किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए मंडल रेल प्रबंधक मोहित सोनकिया ने कहा कि राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने संभावित संसदीय राजभाषा समिति के निरीक्षण को ध्यान में रखते हुए अधिकारियों से दैनिक टिप्पणियों एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ाने तथा प्रत्येक निरीक्षण प्रतिवेदन में कम से कम एक बिंदु हिंदी में शामिल करने का आग्रह किया। उन्होंने राजभाषा विभाग तथा मंडल के सभी विभागों द्वारा राजभाषा नीति के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। अपर मंडल रेल प्रबंधक (इन्फ्रास्ट्रक्चर) एवं अपर मुख्य राजभाषा अधिकारी पी.ई. एडविन ने बताया कि विजयवाड़ा मंडल ने राजभाषा नीति के निर्धारित लक्ष्यों से कहीं बेहतर प्रदर्शन किया है। हिंदी में टिप्पण लेखन का लक्ष्य 35 प्रतिशत निर्धारित था, जबकि मंडल ने 87.87 प्रतिशत उपलब्धि हासिल की है। इसी प्रकार हिंदी में प्राप्त पत्रों के उत्तर हिंदी में देने का निर्धारित लक्ष्य 60 प्रतिशत था, जिसके मुकाबले मंडल ने औसतन 88 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है। उन्होंने इस सफलता के लिए सभी विभागों को बधाई दी। बैठक के प्रारंभ में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी हेमंत वाडेकर ने स्वागत भाषण दिया तथा पिछले तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन की विस्तृत समीक्षा प्रस्तुत की। उन्होंने कर्मचारियों के लिए आयोजित हिंदी कार्यशालाओं, संगोष्ठियों एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की जानकारी देते हुए अधिकारियों एवं कर्मचारियों से कार्यालयी कार्यों में हिंदी के प्रयोग को और बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक के अंत में वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी हेमंत वाडेकर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में अपर मंडल रेल प्रबंधक (परिचालन) श्रीनिवास राव कोंडा, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ.ए.वी.एस.के. प्रसाद, विभिन्न शाखा अधिकारी तथा समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

एसआईआर में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव : परकाला

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अर्थशास्त्री और सामाजिक विश्लेषक डॉ. परकला प्रभाकर ने गुरुवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूचियों के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) में पारदर्शिता और जवाबदेही का अभाव है, और उन्होंने नागरिक समाज और बुद्धिजीवियों से इस प्रक्रिया पर सवाल उठाने का आग्रह किया। पूर्व प्रधानमंत्री पी.वी. नरसिम्हा राव की 105वीं जयंती के अवसर पर डॉ. बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) में 'एसआईआर 2025-26: क्या यह भारत के सार को कमजोर कर रहा है?' विषय पर पी.वी. स्मृति व्याख्यान देते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाए जाने से अल्पसंख्यकों, दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने चुनाव आयोग की पारदर्शिता पर भी सवाल उठाते हुए दावा किया कि एसआईआर से संबंधित नीतिगत निर्णयों पर आरटीआई अनुरोधों के साथ कोई सहायक दस्तावेज नहीं दिए गए। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ राज्यों में लाखों मतदाताओं के नाम मतदाता सूचियों से हटा दिए गए हैं, और जब इस बारे में पूछा जाता है, तो कोई भी उचित जवाब नहीं देता है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान मतदाता सूची (एसआईआर) 2002 में किए गए व्यापक संशोधनों से काफी अलग है। बीआरएओयू के कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि ने कहा कि एक पारदर्शी मतदाता सूची लोकतंत्र की नींव है, और उन्होंने टिप्पणी की कि जहां पहले मतदाता अपने शासकों को चुनते थे, वहीं 'आज शासक यह तय कर रहे हैं कि मतदाता कौन हैं।' पीवी नरसिम्हा राव की बेटी और एमएलसी सुरभि वाणी देवी ने पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व और सामाजिक न्याय के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को श्रद्धांजलि अर्पित की, जबकि अकादमिक निदेशक प्रोफेसर जी पुष्पा चक्रपाणि ने दिवंगत नेता की दूरदृष्टि और राजनीतिज्ञता पर प्रकाश डाला।

पोडू भूमि पट्टों की मांग को लेकर वामपंथी पार्टियों का धरना 6 को

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। वामपंथी दलों ने तेलंगाना भर के झुग्गी एवं कच्ची बस्तियों में रहने वाले लोगों को भूमि स्वामित्व पट्टे तथा स्थायी आवास उपलब्ध कराने की मांग को लेकर 6 जुलाई को इंदिरा पार्क स्थित धरना चौक पर विशाल धरना आयोजित करने की घोषणा की है। विद्यानगर स्थित मार्क्स भवन में सीपीआई (न्यू डेमोक्रेसी) के राज्य कार्यालय में आयोजित बैठक में वाम दलों ने हर झोपड़ी को मालिकाना हक, गरीबों को आवास के नारे के साथ आंदोलन चलाने का निर्णय लिया। बैठक में यह भी मांग की गई कि राज्य सरकार एजेंसी क्षेत्रों में आदिवासी तथा अन्य किसानों द्वारा खेती की जा रही पोडू भूमि के लिए भूमि स्वामित्व दस्तावेज जारी करे। बैठक की अध्यक्षता सादिनेनी वेंकटेश्वर राव ने की। इसमें कुनामनेनी सांबशिव राव, जॉन वेस्ली तथा सीपीआई (एमएल) न्यू डेमोक्रेसी, मास लाइन, एमसीपीआई और एसयूसीआई के नेताओं ने भाग लिया। बैठक में वक्ताओं ने राज्य सरकार से गरीबों को आवास और भूमि अधिकार सुनिश्चित करने की मांग करते हुए कहा कि भूमिहीन एवं झुग्गीवासियों की समस्याओं के समाधान के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

एआई को लघु एवं मध्यम उद्यमों तक पहुंचाना आवश्यक : निखिल चक्रवर्ती

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के उद्योग निदेशक निखिल चक्रवर्ती ने गुरुवार को हैदराबाद में आयोजित विनिर्माण में 'एआई- स्मार्ट विनिर्माण के भविष्य को गति देना' विषय पर एफआईसीसीआई तेलंगाना के एक सम्मेलन में कहा कि यदि भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बने रहना है, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बड़े उद्यमों से आगे बढ़ाकर एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) तक विस्तारित करना होगा।

उद्योग जगत के नेताओं, नीति निर्माताओं और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि तेलंगाना सरकार शासन और लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) केंद्रित नीतियों में एआई को एकीकृत करने के लिए वैश्विक सलाहकारों के साथ मिलकर काम कर रही है। चीन और ताइवान के विनिर्माण केंद्रों के अपने दौरों का हवाला देते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एआई-आधारित प्रौद्योगिकियां वैश्विक विनिर्माण को तेजी से नया रूप दे रही हैं। एफआईसीसीआई तेलंगाना के अध्यक्ष वी.वी. रामा राजू ने कहा कि एआई भविष्य की अवधारणा नहीं बल्कि एक व्यावसायिक आवश्यकता बन गया है। वहीं सम्मेलन के अध्यक्ष और अपोलो टायर्स के ग्लोबल हेड-डिजिटल इनोवेशन हब हर्ष वर्धन ने उद्योग 4.0, डिजिटल ट्विन्स और इंटेलिजेंट ऑटोमेशन में एआई की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि एआई को मानवीय क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए और एआई प्रणालियों के तेजी से स्वायत्त होने के साथ-साथ मजबूत शासन व्यवस्था की आवश्यकता है। सरकारी और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के एक पैनल ने भविष्यसूचक रखरखाव, गुणवत्ता आश्वासन, स्मार्ट आपूर्ति श्रृंखला, कार्यबल परिवर्तन और स्थिरता में एआई की भूमिका पर चर्चा की, और मजबूत डिजिटल बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा, डेटा प्रशासन और कार्यबल के कौशल उन्नयन की आवश्यकता पर जोर दिया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण "विनिर्माण में एआई: उत्पादकता, नवाचार और स्थिरता को बढ़ावा देना" विषय पर एक पैनल चर्चा थी, जिसका संचालन जियो प्लेटफॉर्म्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और क्लाउड सर्विसेज प्रमुख एमवी रेड्डी ने किया। पैनल में तेलंगाना सरकार के लाइफ साइंसेज एंड फार्मा विभाग के सीईओ सर्वेश सिंह, बायोलॉजिकल ई. लिमिटेड के एआई और मशीन लर्निंग प्रमुख क्यूई यांग और एमवाईके लैटिक्रीट के सीआईओ और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन लीडर गुलबहार सिंह शामिल थे। सम्मेलन में अपोलो टायर्स और एमएसएमई-केंद्रित एआई अनुप्रयोगों के केस स्टडी भी प्रस्तुत किए गए, जिसमें प्रतिभागियों ने इस बात पर सहमति व्यक्त की कि एआई और इंडस्ट्री 4.0 प्रौद्योगिकियां भारत की वैश्विक विनिर्माण प्रतिस्पर्धा को मजबूत करने और सतत औद्योगिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

बीआरएओयू ने संस्थापक वीसी प्रोफेसर जी राम रेड्डी को याद किया

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय (बीआरएओयू) ने गुरुवार को विश्वविद्यालय परिसर में अपने संस्थापक कुलपति प्रोफेसर जी. राम रेड्डी की पुण्यतिथि पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर घंटा चक्रपाणि ने श्रद्धांजलि अर्पित करने का नेतृत्व किया, जिसमें अर्थशास्त्री और सार्वजनिक बुद्धिजीवी डॉ. परकला प्रभाकर, निदेशक (शैक्षणिक) प्रोफेसर जी. पुष्पा चक्रपाणि, रजिस्ट्रार डॉ. एल. विजया कृष्णा रेड्डी, संकाय सदस्य, निदेशक, डीन, शाखाओं के प्रमुख, सेवा संघों के प्रतिनिधि और शिक्षण एवं गैर-शिक्षण कर्मचारी शामिल थे। वक्ताओं ने प्रोफेसर राम रेड्डी की खुली और दूरस्थ शिक्षा के विस्तार में अग्रणी भूमिका और उच्च शिक्षा को अधिक सुलभ और समावेशी बनाने में उनके अमिट योगदान को याद किया।

आवासीय स्कूलों की खरीद प्रक्रिया को लेकर बीआरएस ने लगाए आरोप

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस नेता आर.एस. प्रवीण कुमार ने गुरुवार को कांग्रेस सरकार पर आवासीय विद्यालयों की खरीद प्रक्रिया को केंद्रीकृत कर अनियमितताओं को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। तेलंगाना भवन में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार के समय खाद्य सामग्री और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीद जिला खरीद समितियों के माध्यम से होती थी, जिससे स्थानीय उद्यमियों को अवसर मिलता था।

उनका आरोप है कि वर्तमान सरकार ने सरकारी आदेश संख्या-17 के तहत इस व्यवस्था को बदलकर बड़े कारोबार वाली कंपनियों तक ही निविदाएं सीमित कर दी हैं, जिससे स्थानीय और लघु उद्यमों की उपेक्षा हुई है। प्रवीण कुमार ने कुछ कंपनियों को ठेके दिए जाने पर भी सवाल उठाते हुए सरकार से स्पष्टीकरण मांगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने राजनीतिक कारणों से उनकी पत्नी का तबादला किया और इसे नियमों के विरूद्ध बताया। हालांकि, सरकार की ओर से इन आरोपों पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 169वां निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर 5 को

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री राम नवमी स्वागत मंच के सहयोग से 169वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर रविवार 5 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक जुमेरात बाजार स्थित सरकारी हाई स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन अस्पताल द्वारा हड्डी, हृदय, ईसीजी 2डी इको, बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप, सामान्य चिकित्सा की सेवा प्रदान की जाएगी। लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई हॉस्पिटल, दोमल गुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की स्क्रीनिंग की जाएगी और आवश्यक को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर डॉ.अखिल क्लिनिक (पुरणदास रणछोडदास) के डॉ.अखिल सुगंधी एवं डॉ. मीनाल खेरिया सुगंधी द्वारा सामान्य जांच की सेवा दी जाएगी। फिजियोथेरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ.एस. नवनीत राज, डॉ.एस. निखिल राज ने सेवा प्रदान की जाएगी। श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा विकलांगों की जांच कर उन्हें निशुल्क एड्स एवं एप्लाएंस जैसे कृत्रिम पैर, कृत्रिम हाथ, कैलिपर्स, हैंड किट्स प्रदान किये जाएंगे। अवसर पर निशुल्क डायलिसिस की भी व्यवस्था आवश्यक रोगी के लिए रहेगी। रोगी को अपने साथ पूर्व की स्वास्थ्य जांच रिपोर्ट लानी होगी ताकि उनकी सुविधा के लिए उचित परामर्श दिया जा सके। शिविर का लाभ लेने के लिए नाम पंजीकरण स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 के बीच किया जा सकता है। शिविर दोपहर 2 बजे तक जारी रहेगा। अधिक जानकारी के लिए अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, लाल सिंह, बी.कमल सिंह, बी.सीताराम शास्त्री से संपर्क किया जा सकता है।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टणम
हमें X@SCoRailway पर फालो करें!
वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in

संख्या: बी/एसजी. निविदा सूचना/ई-9-10/2026-27 दि.02-07-2026

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.27-07-2026 के 15.30 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं. & कार्य विवरण: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ09-ओटी-2026-27, दि.02-07-2026, विजयवाडा डिवीजन: सिग्नल व दूरसंचार विभाग: तत्संबंधित निम्न के प्रति एस & टी कार्य (1) विजयवाडा डिवीजन के बीजेडए-बीवीआरएम सेक्शन में मिड सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट नं.69 के 60/26-28 किमी पर, मिड सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट नं.76 के 66/24-26 किमी पर तथा जीडीवी-एमटीएम सेक्शन में एलसी गेट नं.37 के 30/36-38 किमी पर, मिड सेक्शन मानवनिर्मित एलसी गेट्स का प्रस्तावित इन्टरलाकिंग कार्य। (2) विजयवाडा डिवीजन के 9 इन्टरलाक्ड एलसी गेट्स पर मेकानिकल लिफ्टिंग बैरियर गेट्स् के स्थान पर इओएलबी का प्रावधान। निविदा मूल्य रु.6,28,17,367.50 अग्रधन रु.12,56,400.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 06 महिने

क्रम सं.2, निविदा सं. & कार्य विवरण: एससीआर-बीजेडए-एसएनटी-इ10-ओटी-2026-27, दि.02-07-2026, विजयवाडा डिवीजन पर रेल आगमन (ट्रेन एराइवल्स)/ प्रस्थान (डिपार्चर्स) की रिपोर्टिंग के लिए, सीओए का उन्नयन या अपग्रेडेशन। निविदा मूल्य रु.1,27,32,234.00 अग्रधन रु.2,54,700.00, कार्य पूरा करने की अवधि: 05 महिने

बंद करने की तिथि व समय: 27-07-2026 के 15.30 बजे

1 वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर प्रकाशित निविदा दस्तावेजों में निविदा शर्ते/अन्य कार्य विवरण जैसे, संपूर्ण कार्य का नाम, उपरोक्त कार्य का तत्समान स्वभाव का कार्य, योग्यता मानदंड आदि, दिया गया है।
2. भावी निविदाकारों को सलाह दी गयी है कि, किसी भी निविदा के परिवर्तनों/शुद्धिपत्रों को नोट करने के लिए, निविदा बंद करने की तिथि से पहले वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें।
3. यह निविदा सूचना, विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल & दूरसंचार) का कार्यालय, दक्षिण तट रेलवे, विजयवाडा स्थित नोटिस बोर्ड पर भी दर्शायी गयी है।
4. रेलवे प्रशासन के पास कोई भी कारण न देते हुए निविदा को निरस्त करने का पूरा अधिकार सुरक्षित है।

हमारे वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर जाएं।

विभागीय रेल प्रबंधक (सिग्नल & दूरसंचार) /विजयवाडा
SCoR-A057
PUB/SCoR-051

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट: http://www.ireps.gov.in देखें।

कार्यकर्ताओं से नगरपालिका चुनावों की तैयारी का आह्वान

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राज्य सचिव और विधायक कुनामनेनी सांबासिवा राव ने पार्टी कार्यकर्ताओं से हैदराबाद, मेडचल-मल्काजगिरि और साइबराबाद में आगामी नगर निगम चुनावों की तैयारी में जमीनी स्तर की गतिविधियों को तेज करने का आह्वान किया है। गुरुवार को यहां मखदूम भवन में हैदराबाद, रंगारेड्डी और मेडचल-मल्काजगिरि जिलों के सीपीआई राज्य समिति के सदस्यों की बैठक में बोलते हुए, कुनामनेनी ने बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से मतदाताओं के साथ सीधे जुड़कर, स्थानीय मुद्दों को समझकर और जनता की शिकायतों को हल करने में मदद करके पार्टी को मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने मतदाता सूचियों के चल रहे विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) पर भी प्रकाश डाला और पार्टी कार्यकर्ताओं को सतर्क रहने की सलाह दी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि योग्य मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से न हटे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान नागरिकों की सक्रिय रूप से सहायता करने का आग्रह किया। बैठक की अध्यक्षता सीपीआई के राज्य सहायक सचिव ईटी नरसिम्हा और राज्य सचिवमंडल सदस्य वीएस बोस ने की. बैठक में मोहम्मद यूसुफ, बलराज, जी दामोदर रेड्डी, उमा महेश, स्टालिन, बी वेंकटेश, चंद्रमोहन, नरसिम्हा, कामथम यदागिरी और के धर्मेंद्र सहित राज्य समिति के सदस्यों ने भाग लिया

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

टीआरएस अध्यक्ष ...

कविता क्या बोलीं :

हिरासत में लिए जाने के बाद कविता ने मीडिया से कहा कि कांग्रेस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि उन्हें केवल इसलिए गिरफ्तार किया गया क्योंकि वे कांग्रेस सरकार से उसका चुनावी वादा पूरा करने की मांग कर रही थीं। उनके अनुसार, सरकार ने तेलंगाना आंदोलन के शहीदों के प्रत्येक परिवार को 250 वर्ग गज जमीन देने का वादा किया था। इसके साथ ही कांग्रेस ने शहीदों के माता-पिता या जीवनसाथी को 25,000 रुपये प्रतिमाह सम्मान पेंशन देने और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का भी वादा किया था। लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने अपने सभी वादे भुला दिए। सरकार वादे पूरे करने के बजाय सवाल उठाने वालों की आवाज दबाने की कोशिश कर रही है।

गिरफ्तारियां हमें नहीं रोक पाएंगी :

हिरासत में लिए जाने के बाद टीआरएस नेता ने कहा कि वे कांग्रेस सरकार की कथित वादाखिलाफी को जनता के सामने लगातार उजागर करती रहेंगी। गिरफ्तारियां और पुलिस कार्रवाई उन्हें अपनी आवाज बुलंद करने से नहीं रोक पाएंगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

अभिषेक सबसे तेज 100 टी-20 छक्के लगाने वाले बैटर

श्रेयस इंग्लैंड में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान; बारिश की वजह से मैच रद्द

डरहम, 2 जूलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच बारिश की वजह से नहीं हो सका। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 189 रन बनाए। इसके बाद बारिश आई और इंग्लैंड की पारी शुरू नहीं हो सकी।

अभिषेक टी-20 इंटरनेशनल में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बैटर बन गए। उन्होंने 59 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 68 रन की पारी खेली। वे इंग्लैंड में टी-20 फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बने।

अभिषेक शर्मा टी-20 में सबसे कम गेंद में 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 4 छक्के लगाए। अभिषेक ने 785 गेंद में 100 छक्के पूरे किए। उन्होंने वेस्टइंडीज के ईविन लुईस के 789 गेंद का रिकॉर्ड तोड़ा।

अभिषेक भारत के लिए 100 छक्के लगाने वाले पांचवे भारतीय बने। उन्होंने रोहित शर्मा और विराट कोहली के क्लब में जगह बनाई। रोहित शर्मा टी-20 में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय हैं। उनके नाम 205 छक्के हैं। इस रिकॉर्ड में सूर्यकुमार यादव (179 छक्के), हार्दिक पंड्या (126 छक्के) और विराट कोहली (124 छक्के) भी शामिल हैं।

अभिषेक इंग्लैंड में टी-20 में सबसे तेज फिफ्टी लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। अभिषेक ने महज 20 गेंद पर फिफ्टी पूरी की। उन्होंने केएल राहुल का 8 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। राहुल ने 2018 में मैनचेस्टर के मैदान पर 27 गेंदों में अर्धशतक लगाया था।

श्रेयस इंग्लैंड में जाकर टी-20 में फिफ्टी लगाने वाले पहले भारतीय कप्तान बन गए हैं। उन्होंने 68 रन बनाए। यह इंग्लैंड के मैदान पर टी-20 में किसी भारतीय कप्तान की सबसे बड़ी पारी है। उन्होंने विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ा। कोहली ने 2018 में कार्डिफ के मैदान पर 47 रन बनाए थे।

चेस्टर-ली-स्ट्रीट में भारत का कोई मैच कंप्लीट नहीं हो पाया है। भारत ने यहां 3 मैच खेले हैं और तीनों मुकाबले बेनतीजा रहे। इससे पहले 2002 और 2011 का वनडे मैच पूरे नहीं हो पाए थे।

भारतीय पारी के दूसरे ओवर में ईशान किशन रन आउट हुए। साकिब महमूद की आखिरी गेंद को किशन ने मिड-ऑन की ओर खेला। वे शॉट लगाते ही सिंगल के लिए दौड़ पड़े। दूसरे छोर पर खड़े अभिषेक शर्मा ने रन के लिए मना कर दिया।

किशन वापस लौटे और क्रीज में पहुंचने के लिए फुल स्ट्रेच डाइव लगाई। इस दौरान ब्रूक के थ्रो पर विकेटकीपर जोस बटलर ने स्टंप बिखेर दी। किशन क्रीज से दूर रह गए। वे लगातार दूसरे मैच में रन आउट हुए। इससे पहले वे आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टी-20 में भी 12 रन बनाकर रनआउट हो गए थे।

पारी के 9वें ओवर में अभिषेक एलबीडब्ल्यू हुए। सैम करन ने ओवर की दूसरी गेंद लेग-कटर फेंकी। अभिषेक ने जोर से बल्ले चलाया, लेकिन गेंद बल्ले को मिस करती हुई पिछले पैड पर जा लगी। फील्ड अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया, लेकिन इंग्लैंड ने रिव्यू लिया। बॉल-ट्रैकिंग में गेंद लेग स्टंप से टकराती दिखी। इसके बाद फील्ड अंपायर ने अपना फैसला बदला और अभिषेक आउट दिए गए।

पहली पारी के 15वें ओवर में श्रेयस ने अपनी फिफ्टी पूरी की। उन्होंने लियाम डॉसन के ओवर की दूसरी गेंद पर सिंगल लेकर 38 गेंद में फिफ्टी पूरी की। टी-20 में यह उनकी नौवीं और बतौर भारतीय कप्तान पहली फिफ्टी है।

मैच में शुरू से ही हल्की बूंदा-बांदी होती रही। इसके बावजूद पहली पारी में पूरे 20 ओवर का खेल हुआ।

हालांकि इसके बाद बारिश तेज हो गई और फिर मैच शुरु नहीं हो पाया। भारतीय समय के हिसाब से रात 12:47 बजे मैच को रद्द घोषित कर दिया गया।

कराटे और हैंडबाल टीमें क्यों नहीं जाएंगी एशियाड में? अलीशा ने लगाई गुहार

पदक दिलाने का किया वादा

नई दिल्ली, 2 जूलाई (एजेंसियां)। देश को पहली बार एशियाई कराटे चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक दिलाने वाली हरियाणा की अलीशा चौधरी के सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों में भाग लेने पर तलवार लटकी हुई है। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की ओर से अलीशा और कराटे टीम के दूसरे सदस्यों का नाम एशियाई खेलों की लांग लिस्ट में नहीं भेजा गया है।

अलीशा ने 21 जून को ही बाली में कुमिते के 55 किलो भार वर्ग में देश को स्वर्ण दिलाया है। आज तक यह उपलब्धि किसी ने भी हासिल नहीं की। अलीशा एशियाई खेलों में भी पदक की दावेदार हैं, लेकिन उनके एशियाई खेलों में भाग लेने की उम्मीदें खत्म होती जा रही हैं।

कराटे ही नहीं हैंडबाल की टीम एशियाई खेलों में भाग नहीं ले पाएगी। इन दोनों ही खेलों के खिलाड़ियों का नाम आईओए की लांग लिस्ट में नहीं है। अलीशा ने गुहार लगाई है कि वह देश को पदक दिलाएंगी, उन्हें एशियाड में भेजा जाए। अलीशा का कहना है कि अगर उन्हें नहीं भेजा गया तो फिर वह अदालत से न्याय की गुहार लगाएंगी।

कराटे और हैंडबाल के भारतीय खेल संघों को उनके अंतरराष्ट्रीय महासंघों से तो मान्यता है, लेकिन खेल मंत्रालय और आईओए ने उन्हें मान्यता नहीं दे रखी है, जिसका सीधा खामियाजा इन खेलों के खिलाड़ियों को भुगतना पड़ रहा है। अलीशा बताती हैं कि वह 29 जून को आईओए में भी गई थीं। उन्होंने कहा कि वह एशियाई चैंपियन हैं, उन्हें एशियाड भेजा जाए, लेकिन उनसे कह दिया गया कि वह एशियाड नहीं जा सकती हैं। अलीशा ने बीते वर्ष भी एशियाई चैंपियनशिप में कांस्य जीता था। इस प्रदर्शन के बाद उन्हें और भुवनेश्वरी को टारगेट एशियन गेम्स (टैग) में भी शामिल कर लिया गया। बावजूद इसके उन्हें नहीं भेजा जा रहा है।

80 वर्षीय बुजुर्ग की 18 हजार फीट से स्काई डाइविंग

ऑस्ट्रेलिया में हाथों में तिरंगा लेकर कूदे; बोले- हम हरियाणवी, किसी से नहीं डरते

ऑस्ट्रेलिया में हाथ में तिरंगा लेकर स्काई डाइविंग करते कैथल के चूहड़ सिंह

सिडनी, 2 जूलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के 80 वर्षीय बुजुर्ग ने 18 हजार फीट से स्काई डाइविंग कर एक अनोखा रिकॉर्ड सेट किया है। कैथल के बात्ता गांव के चूहड़ सिंह पोते अंकित के साथ ऑस्ट्रेलिया टूर पर गए हैं। यहां स्काई डाइविंग के साथ 2 महीने तक कंट्री एक्सप्लोर कर रहे हैं। डाइव लगाते हुए चूहड़ सिंह का एक वीडियो भी सामने आया है, इसमें वह कहते हैं- हम हरियाणवी हैं, किसी से नहीं डरते। डर होता तो विदेश नहीं आते। डाइविंग के दौरान भी चूहड़ सिंह सफेद रंग का कुर्ता पहने ही नजर आए। वहीं, ट्रेनर भी उनका हौसला बढ़ाते हुए दिखा। चूहड़ सिंह इससे पहले भी 15 हजार फीट से छलांग लगा चुके हैं। स्काई डाइविंग के दौरान उन्होंने कई सेल्फी भी लीं और आसमान में ही तिरंगा लहराया। जानिए, चूहड़ सिंह की डाइविंग की कहानी... 2 पॉइंट में पढ़ें, डाइविंग पर क्या बोले चूहड़ सिंह पोता बोला- दादा के सुकून के लिए विदेश आए दैनिक भास्कर से बात करते हुए अंकित ने बताया कि एक बार स्काई डाइविंग में करीब 50 हजार रुपए खर्च आता है। डाइविंग से पहले डॉक्टरों द्वारा फिटनेस चेक की जाती है। फिटनेस सर्टिफिकेट देने के बाद ही डाइविंग की जा सकती है। दादा की खुशी के लिए ही वे ऑस्ट्रेलिया आए हैं। दादा ने अपनी पूरी उम्र खेती-किसानी में ही निकाल दी। अब उन्हें थोड़ा सुकून देने के लिए ही विदेशों में टूर कर रहे हैं। इससे पहले अंकित अपने दादा के साथ यूएई, थाईलैंड का भी टूर कर चुके हैं। अब आगे भी कुछ देशों में घूमने की योजना है। दादा ने देसी खानपान अपनाया अंकित ने बताया कि दादा ने हमेशा देसी खानपान ही अपनाया है। घर पर दूध, दही, रोटी, खिचड़ी खाते हैं। उनके पास खेती के लिए 5 एकड़ जमीन भी है। वहीं अंकित 12वीं करने के बाद बीए फर्स्ट ईयर में पढ़ाई कर रहे हैं।

लैमोंट जैकब्स ने 100 मी रेस 9.67 सेकेंड में पूरी की

बोल्ट के बाद दूसरे सबसे तेज धावक, तेज हवा के कारण रिकॉर्ड मान्य नहीं

आइजनश्टाट (ऑस्ट्रिया), 2 जूलाई (एजेंसियां)। इटली के स्प्रिंटर लैमोंट मार्सेल जैकब्स ने 100 मीटर की रेस 9.67 सेकेंड में पूरी की। 31 साल के जैकब्स ऑस्ट्रियन ओपन में अपने करियर की बेस्ट टाइमिंग हासिल की। हालांकि, उनकी टाइमिंग रिकॉर्ड बुक में दर्ज नहीं हो सकी, क्योंकि आयसेंस्टॉट में रेस के दौरान हवा का बहाव तय सीमा (+4.1 मीटर प्रति सेकेंड की टेलविंड) से अधिक था।

इसके बावजूद जैकब्स किसी भी परिस्थिति में उसेन बोल्ट के बाद दुनिया के सबसे तेज धावक बन गए। बोल्ट के नाम 9.58 सेकेंड का वर्ल्ड रिकॉर्ड और 9.63 सेकेंड का विंड-असिस्टेड समय दर्ज है। बोल्ट ने 2009 की वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

जैकब्स की शुरुआत उतनी तेज नहीं रही। शुरुआती मीटरों में ब्रिटेन के रोमेल ग्लेव और साउथ अफ्रीका के 400 मीटर वर्ल्ड रिकॉर्डधारी वेड वैन नीकेर्क उनसे आगे थे। लेकिन, गति पकड़ने के बाद जैकब्स ने वापसी की और लगभग एक मीटर के अंतर से जीत दर्ज की।

ब्रिटेन के रोमेल ग्लेव 9.76 सेकेंड के साथ दूसरे और वेड वैन नीकेर्क 9.83 सेकेंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे। जापान के योशिहिदे किर्यू 9.99 सेकेंड के साथ चौथे, जर्मनी के ओवेन अंसाह 10.00 सेकेंड के साथ पांचवें और मेजबान ऑस्ट्रिया के मार्कस फुच्स 10.09 सेकेंड के साथ छठे स्थान पर रहे।

1896 में मॉडर्न ओलिंपिक की शुरुआत हुई थी। 1928 तक 100 मीटर के चैंपियन श्वेत एथलीट रहे। 1932 में एडी टोलन पहले अश्वेत ओलिंपिक 100 मीटर चैंपियन बने। 1984 से 2024 तक ओलिंपिक में अश्वेत एथलीट ही 100 मीटर चैंपियन रहे। 2020 टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट लेमॉन्ट मार्सेल जैकब्स के पिता अफ्रीकी मूल के थे, जबकि मां इटैलियन थीं। इसलिए उन्हें भी ब्लैक एथलीट में गिना गया।

रोहित यादव ने इंटर-स्टेट एथलेटिक्स चैपियनशिप में 87.05 मीटर भाला फेंका

भुवनेश्वर, 2 जूलाई (एजेंसियां)। 65वीं नेशनल इंटर-स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैपियनशिप के आखिरी दिन जेवलिन थ्रो में एक न्यू रिकॉर्ड देखने को मिला है।

भारतीय खिलाड़ी रोहित यादव ने जेवलिन थ्रो में (87.05) मीटर का थ्रो फेका। इसके साथ रोहित ने गोल्ड मेडल को अपने नाम कर लिया।

इसके साथ उन्होंने एशियन गेम्स 2026 के लिए भी क्वालिफाई कर लिया है। यह एथलेटिक्स चैपियनशिप कलिंगा स्टेडियम में खेली जा रही थी। रविवार को रोहित यादव इस सीजन में भारत की तरफ से सबसे लंबा थ्रो करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

फुटबॉल वर्ल्डकप : 86वें मिनट तक 0-2 से पीछे था बेल्जियम

आखिरी 4 मिनट में बराबरी, सेनेगल से विवादित पेनल्टी में जीता; अमेरिका भी टॉप-16 में

वाशिंगटन, 2 जूलाई (एजेंसियां)। बेल्जियम ने फुटबॉल वर्ल्ड कप में गुरुवार को 86वें मिनट तक दो गोल से पिछड़ने के बावजूद एक्स्ट्रा टाइम में सेनेगल को 3-2 से हराया। अब उसका मुकाबला मेजबान अमेरिका से होगा। अमेरिकी टीम ने बोस्निया-हर्जेगोविना को 2-0 से हराया।

सिएटल स्टेडियम में बेल्जियम के रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में पहला गोल किया। फिर यूरी टिलेमंस ने 89वें मिनट में बराबरी दिलाई। उन्होंने एक्स्ट्रा टाइम में 125वें मिनट में विवादित पेनल्टी पर विनिंग गोल किया। इससे पहले बेल्जियम ने 2018 वर्ल्ड कप नॉकआउट में जापान के खिलाफ 0-2 से पिछड़कर 3-2 से जीत हासिल की थी।

इधर, सैन फ्रांसिस्को बे एरिया स्टेडियम में अमेरिका की ओर से फोलारिन बालोगुन ने 45वें मिनट में गोल किया और हाफ टाइम से पहले टीम को 1-0 से आगे कर दिया। उन्हें 64वें मिनट में रेड कार्ड दिखया गया। ऐसे में मालिक टिलमैन ने 82वें मिनट में गोल किया।

सेनेगल ने 25वें मिनट में हबीब डियारा के गोल से बढ़त बनाई। 51वें मिनट में इस्माइला सार ने मौसा नियाखाते की लंबी पास को नियंत्रित करते हुए गोल दागा और स्कोर 2-0 कर दिया। यह सार का मौजूदा वर्ल्ड कप में चौथा गोल रहा। दूसरे हाफ में बतौर सब्स्टीट्यूट उतरे रोमेलु लुकाकू ने 86वें मिनट में गोल कर बेल्जियम की वापसी की शुरुआत की। इसके तीन मिनट बाद कप्तान यूरी टिलेमंस ने बराबरी का गोल दागकर मैच एक्स्ट्रा टाइम में पहुंचा दिया।

मैच पेनल्टी शूटआउट में जाता दिख रहा था, तभी अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में लैमिन कमारा ने टिलेमंस को बॉक्स के भीतर धक्का दिया। वीडियो रिव्यू के बाद रेफरी ने पेनल्टी दी। टिलेमंस ने दबाव में शानदार गोल करते हुए बेल्जियम को 3-2 की ऐतिहासिक जीत दिला दी। एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार यह वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे देर से हुआ निर्णायक गोल है।

पेनल्टी दिए जाने के बाद सेनेगल के खिलाड़ियों ने रेफरी के फैसले का विरोध किया। डिफेंडर पाथे सिस पेनल्टी स्पॉट पर लेट गए, जबकि अन्य खिलाड़ी भी रेफरी से बहस करते रहे।

सेनेगल के कोच पापे थियाव ने कहा, 'हमें नहीं लगा कि यह पेनल्टी थी। खिलाड़ियों ने फैसले का विरोध किया, लेकिन निर्णय हो चुका था और अंततः उसी की वजह से हम टूर्नामेंट से बाहर हो गए।'

फोलारिन बालोगुन ने मैच की शुरुआत से ही अटैक किया। उनका एक गोल ऑफसाइड के कारण अमान्य कर दिया गया, लेकिन पहले हाफ के इंजुरी टाइम में उन्होंने मलिक टिलमैन के थ्रू बॉल पर मिले मौके को शानदार तरीके से गोल में बदलकर अमेरिका को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद भी बालोगुन दूसरे गोल के करीब पहुंचे, लेकिन उनका शॉट क्रॉसबार से टकरा गया।

अमेरिका को 64वें मिनट में बड़ा झटका लगा, जब स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को वीएआर समीक्षा के बाद तारिक मुहरेमोविच पर खतरनाक टैकल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बावजूद टीम ने संयम बनाए रखा और मुकाबला अपने नाम किया।

अश्विन यूरोप लीग में कप्तान और मेंटर बने

चेन्नई, 2 जूलाई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन यूरोपियन टी-20 प्रीमियर लीग के पहले सीजन में डबलिन गार्डियंस की ओर से खेलेंगे। 39 साल के अश्विन टीम के कप्तान और मेंटर दोनों की भूमिका निभाएंगे। डबलिन फ्रेंचाइजी के मालिक पूर्व भारतीय कप्तान और कोच राहुल द्रविड़ हैं।

खिलाड़ी ड्राफ्ट 2 जुलाई को होगा, जबकि टूर्नामेंट 26 अगस्त से 20 सितंबर तक आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड में खेला जाएगा। ईटीपीएल यूरोप की पहली आईसीसी मान्यता प्राप्त मल्टी-कंट्री फ्रेंचाइजी टी-20 लीग है। टूर्नामेंट में छह टीमें हिस्सा लेंगी- डबलिन गार्डियंस, एम्स्टर्डम फ्लेम्स, रॉटरडैम डॉकर्स, बेलफास्ट आयरिश वुल्व्स, एडिनबर्ग कैसल रॉकर्स, ग्लासगो कॉस्मिक्स।

जोकोविच विंबलडन के तीसरे दौर में पहुंचे

सितसिपास को 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया

लंदन, 2 जूलाई (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच ने विंबलडन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। 39 साल के सर्बियाई स्टार ने ग्रीस के स्टेफानोस सितसिपास को महज 98 मिनट में सीधे सेटों में हराया। जोकोविच ने इस मैच को 6-3, 6-4, 6-2 से अपने नाम किया।

लंदन के सेंटर कोर्ट पर डिफेंडिंग चैंपियन जैनिक सिनर ने भी संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की। उन्होंने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस को हराया और टूर्नामेंट में लगातार 9वां मैच जीता। करीब 2 घंटे 32 मिनट चले मैच को सिनर ने 7-6 (7-4), 7-6 (7-2), 6-4 से जीता।

जीत के बाद जोकोविच ने फैंस से बात करते हुए कहा, 'मुझे 'विंटेज' शब्द पसंद है, यह सुनना अच्छा लगता है क्योंकि यह पुराने बेहतरीन दिनों की याद दिलाता है। जब आप कोर्ट पर इस तरह का खेल दिखाते हैं, तो आपको बहुत खुशी और संतुष्टि मिलती है।' उन्होंने आगे कहा,'मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। जब मैं विंबलडन के सेंटर कोर्ट पर खेलता हूं, तो इन पलों को हल्के में नहीं लेता। यह मेरे बचपन के सपनों का टूर्नामेंट था। 30 साल से ज्यादा की उम्र में भी इस कोर्ट पर कदम रखना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। मुझे लगता है कि उम्र सिर्फ एक नंबर है और यह बात बिल्कुल सच है।'

मैच के दौरान जोकोविच काफी रिलैक्स मूड में दिखे। तीसरे सेट से पहले ब्रेक के दौरान उन्होंने अपनी टी-शर्ट से धागा काट रही एक बॉल किड के साथ मजाक किया, जैसे कि उसने उन्हें चोट पहुंचा दी हो। जोकोविच ने रॉयल बॉक्स में बैठे गोल्फर रोरी मैक्लरॉय को मजाकिया अंदाज में टेनिस मैच खेलने का चैलेंज भी दे दिया। जोकोविच ने कहा कि जो भी यह मैच जीतेगा, उसे वह 'मास्टर्स ग्रीन ब्लेजर' मिलेगा, जिसे पहनकर मैक्लरॉय मैच देखने आए थे।

न्यूजीलैंड के बेन सीयर्स विंडीज दौरे से बाहर

विलिंगटन, 2 जूलाई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज बेन सीयर्स टखने की चोट के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। टीम मैनेजमेंट ने एहतियात के तौर पर उन्हें इलाज के लिए न्यूजीलैंड वापस भेजने का फैसला किया है। उनकी जगह ऑकलैंड एसेस के तेज गेंदबाज बेन लिस्टर को 16 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड के अनुसार बेन सीयर्स को मई में आयरलैंड के खिलाफ 4 दिवसीय टेस्ट के बाद से टखने में लगातार दर्द था। इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में खेले गए तीसरे टेस्ट के आखिरी दिन यह परेशानी फिर बढ़ गई। इसके बाद मेडिकल टीम ने उन्हें आराम और आगे के इलाज के लिए स्वदेश भेजने का फैसला किया। बेन लिस्टर अगले कुछ दिनों में गुयाना में टीम के साथ जुड़ेंगे। उन्होंने 2023 में कराची में पाकिस्तान के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए वनडे डेब्यू किया था। 5 मैचों की वनडे सीरीज 12 जुलाई (न्यूजीलैंड समयानुसार) से गुयाना में शुरू होगी।

दुनिया में छाया नॉर्वे टीम का 'वाइकिंग रो' सेलिब्रेशन

छह महीने पहले पब में हुई थी शुरुआत; वाइकिंग का अर्थ घर से बाहर जाकर जीतना

अंधेरी सुरंग में 334 किमी लंबी मैराथन

न्यूयॉर्क, 2 जूलाई (एजेंसियां)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में नॉर्वे के फुटबॉल फैंस का 'वाइकिंग रो' सेलिब्रेशन पूरी दुनिया में छा गया है। न्यूयॉर्क के ऐतिहासिक टाइम्स स्क्वायर से लेकर बोस्टन की सड़कों और वर्ल्ड कप के स्टेडियमों तक, हर जगह नॉर्वे के फैंस एक साथ बैठकर नाव चलाने (रोइंग) की एक्टिंग करते और जश्न मनाते नजर आ रहे हैं। यह अनोखा नजारा इस वर्ल्ड कप की सबसे खास पहचान बन गया है, बिल्कुल वैसे ही जैसे 2016 के यूरो कप में आइसलैंड का 'थंडर क्लैप' मशहूर हुआ था। इस जश्न का तरीका देखने और सुनने में बेहद रोमांचक है। इसकी शुरुआत में सबसे पहले नॉर्वे का एक पारंपरिक हॉर्न बजाया जाता है, जिसके बाद सभी फैंस जमीन पर एक लाइन में बैठ जाते हैं, मानो वे किसी पुरानी 'वाइकिंग लॉन्गबोट' (समुद्री नाव) में बैठे हों। फिर एक लीडर ड्रम बजाना शुरू करता है। शुरुआत में बीट बहुत धीमी होती है, जो धीरे-धीरे तेज होती जाती है। ड्रम की बीट के साथ हजारों फैंस एक साथ अपने हाथों से नाव चलाने का एक्शन करते हैं और पूरी ताकत से 'रो!' चिल्लाते हैं। मैदान में जब हजारों लोग एक साथ यह करते हैं, तो स्टेडियम का माहौल रोंगटे खड़े कर देने वाला हो जाता है। आमतौर पर फुटबॉल के ऐसे चेंट्स अपने आप बन जाते हैं, लेकिन 'वाइकिंग रो' की कहानी अलग है। इसकी शुरुआत छह महीने पहले नॉर्वे की राजधानी ओस्लो के एक पब में हुई थी। ओले फ्रोयस्टैड नाम के एक प्राइमरी स्कूल टीचर ने अपनी टीम का हौसला बढ़ाने के लिए गानों और नारों की एक खास लिस्ट तैयार की थी।

कांग्रेस-बीआरएस की खुली चुनौती को लेकर हाई-वोल्टेज ड्रामा

मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अदलुरी लक्ष्मण गनपार्क में एकत्रित हुए

पूर्व मंत्री टी. हरीश राव को पुलिस ने हिरासत में लिया

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कल्याण विभाग के निविदाओं में कथित अनियमितताओं पर खुली बहस के स्थान को लेकर मंत्रियों और बीआरएस नेताओं के बीच तीखी बहस के कारण गुरुवार को हैदराबाद के गनपार्क और बीआरएस भवन में तनावपूर्ण स्थिति बनी रही।

बीआरएस के बहस के निमंत्रण को स्वीकार करने वाले मंत्री पोन्नम प्रभाकर, अदलुरी लक्ष्मण और अजहरुद्दीन गनपार्क में एकत्रित हुए और बीआरएस नेताओं पर बहस में शामिल न होने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस के किसी भी पूर्व मंत्री के साथ चर्चा करने की इच्छा व्यक्त की और सोमाजीगुडा प्रेस क्लब को बहस के लिए आमंत्रित किया। इसी बीच, पूर्व मंत्री हरीश राव ने तेलंगाना भवन से गनपार्क की ओर अपनी यात्रा शुरू की, जिससे तनाव बढ़ गया क्योंकि पुलिस ने उन्हें रोकने के लिए हस्तक्षेप किया। स्थिति बिगड़ गई और बीआरएस समर्थकों और पुलिस के बीच तीखी बहस और हाथापाई हुई। इसके बाद, पूर्व मंत्रियों टी. हरीश राव और वी. श्रीनिवास गौड़, बीआरएस महासचिव आर.एस. प्रवीण कुमार और अन्य पार्टी अधिकारियों को हिरासत में ले लिया गया और उन्हें गन पार्क पहुंचने से रोक दिया गया। हरीश राव ने कहा, मैं कांग्रेस सरकार के कर्ज पर चर्चा करने के लिए तैयार हूं। कांग्रेस मंत्रियों में इस बहस में शामिल होने का साहस नहीं है। इसके जवाब में मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि अगर बीआरएस नेताओं के बयान सही हैं, तो उन्हें चर्चा में भाग लेने के लिए तैयार रहना चाहिए। केटी रामाराव, हरीश राव और प्रवीण कुमार समेत बीआरएस नेताओं ने छात्रावासों से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप लगाए हैं, जिनका प्रभाकर ने खंडन करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार पर लगाए गए ये आरोप निराधार हैं।

जनता को सच्चाई जानने का अधिकार है। सरकार ने पूरी खरीद प्रक्रिया को पारदर्शी तरीके से संचालित किया है, जिसमें चार अलग-अलग विभागों की देखरेख में निविदाएं जारी की गई हैं। क्या बीआरएस नेताओं को यह एहसास नहीं है कि इन निविदाओं में कोई भी भाग ले सकता है? वे अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक बच्चों की प्रगति और भलाई को स्वीकार नहीं कर सकते। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण मंत्री अदलुरी लक्ष्मण ने बीआरएस नेताओं पर कल्याण विभाग के निविदाओं में अनियमितताओं के संबंध में झूठे दावे करके जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने बीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव से भी इस बहस में शामिल होने का आह्वान किया। लक्ष्मण ने बताया कि निविदाओं का कुल मूल्य 1,143 करोड़ रुपये था और आरोप लगाया कि बीआरएस 2,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं का गलत दावा कर रही है। बाद में, आबकारी मंत्री जूपल्ली कृष्णा राव, जिन्होंने पहले तेलंगाना भवन में राज्य के ऋण पर बहस के लिए बीआरएस को आमंत्रित किया था, गन पार्क पहुंचे, जबकि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव तेलंगाना भवन में उनके आने का इंतजार कर रहे थे। कृष्णा राव ने पूर्व बीआरएस सरकार पर अपने दस साल के कार्यकाल में 8.21 लाख करोड़ रुपये का ऋण जमा करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि पूर्व मंत्री केटी रामाराव तथ्यों को गलत तरीके से पेश कर रहे हैं, यह कहकर कि ऋण केवल 3.5 लाख करोड़ रुपये था। मंत्री जी ने स्पष्ट किया कि वे वित्त विभाग के अधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों पर भरोसा कर रहे हैं, और बताया कि केसीआर प्रशासन के दौरान लिए गए ऋणों पर ब्याज के रूप में 1.8 लाख करोड़ रुपये का भुगतान किया जा रहा है, जो जनता से करों के माध्यम से एकत्र किए गए धन का उपयोग करके किया जा रहा है।

पुलिस थानों की सीमाओं का पुनर्गठन सरकारी आदेशों के अनुरूप हो : सीवी आनंद

डीजीपी ने चार पुलिस कमिश्नरेट में थानों के पुनर्गठन की समीक्षा की

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) सी.वी. आनंद ने गुरुवार को एक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए हैदराबाद, साइबराबाद, मलकाजगिरि और फ्यूचर सिटी पुलिस कमिश्नरेटों के अंतर्गत पुलिस थानों के पुनर्गठन से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की और उन्हें अंतिम रूप दिया।

बैठक में बताया गया कि इस संबंध में सरकारी आदेश (जीओ) पिछले वर्ष दिसंबर के अंतिम सप्ताह में जारी किया गया था, लेकिन इसके कुछ पहलुओं का क्रियान्वयन अभी तक पूरा नहीं होने के कारण विभिन्न कमिश्नरेटों में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। बैठक के दौरान संबंधित पुलिस आयुक्तों ने पुलिस थानों के पुनर्गठन, क्षेत्राधिकार, प्रशासनिक आवश्यकताओं और अन्य संबंधित मुद्दों पर अपने-अपने प्रस्ताव प्रस्तुत किए। डीजीपी ने निर्देश दिया कि पुलिस थानों की सीमाओं का पुनर्गठन सरकारी आदेशों के अनुरूप किया जाए तथा इसमें नगर निकायों, राजस्व मंडलों और न्यायालयों के क्षेत्राधिकार को ध्यान में रखा जाए।

डीजीपी ने कहा कि पुलिस थानों के क्षेत्राधिकार का पुनर्निर्धारण करते समय भविष्य में होने वाले शहरी विस्तार, जनसंख्या वृद्धि और प्रशासनिक आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को सभी हितधारकों के विचारों पर भी विचार करने के निर्देश दिए। बैठक में हैदराबाद शहर के कुछ क्षेत्रों में पुलिस थानों की सीमाओं के निर्धारण से जुड़े मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई। डीजीपी ने स्पष्ट किया कि नए क्षेत्राधिकार इस प्रकार तय किए जाएं कि आम जनता, सरकारी विभागों और न्यायपालिका को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने विभिन्न विवादों और मैदानी स्तर की समस्याओं पर चर्चा कर उनका समाधान किया तथा संबंधित प्रस्तावों में आवश्यक संशोधन शामिल करवाए। सीवी आनंद ने कहा कि पुलिस थानों का पुनर्गठन जनकेंद्रित और प्रभावी पुलिसिंग को मजबूत करने वाला होना चाहिए तथा इससे आम जनता को पुलिस सेवाओं की बेहतर और त्वरित उपलब्धता सुनिश्चित होनी चाहिए। बैठक में वीसी सज्जनार, तरुण जोशी, रमेश रेड्डी, सुमति सहित संयुक्त पुलिस आयुक्त और अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

देशभर में स्पीड पोस्ट से गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़

21 राज्यों में गांजा पहुंचाता था स्पीड पोस्ट से

नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग ने सरगना को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। अंतरराज्यीय मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए, हैदराबाद नारकोटिक्स एनफोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने एक परिष्कृत गांजा वितरण नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है, जो स्पीड पोस्ट और कूरियर सेवाओं का उपयोग करके लगभग 21 राज्यों में गांजा पहुंचाता था। इस अभियान के परिणामस्वरूप झारखंड के कथित सरगना सत्यम मिश्रा को गिरफ्तार किया गया, जबकि चार अन्य प्रमुख आरोपी शुभम मिश्रा उर्फ शुभम दादा उर्फ भैया (सत्यम मिश्रा का बड़ा भाई), राहुल झा उर्फ छोटे मिश्रा (पार्सल बुकिंग और डिस्पैच एजेंट), सचिन मिश्रा (सत्यम मिश्रा का रिश्तेदार) और संतोष पंडित (मुंबई नेटवर्क समन्वयक) अभी भी फरार हैं। हैदराबाद शहर पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने बताया कि जांचकर्ताओं ने खुलासा किया कि यह गिरोह प्रतिदिन 80 से 100 ऑर्डर भेजता था, जिनमें 8 से 10 स्पीड पोस्ट खेप शामिल थीं, और पार्सलों को दवाइयों के रूप में गलत तरीके से घोषित करता था। ग्राहक व्हाट्सएप के माध्यम से ऑर्डर देते थे और यूपीआई के जरिए भुगतान करते थे, जिससे गिरोह को अनुमानित 30 से 35 लाख रुपये प्रति माह की कमाई होती थी, और उनका वार्षिक कारोबार लगभग 5 करोड़ रुपये था। यह रैकेट तब सामने आया जब एच-न्यू ने झारखंड से हैदराबाद के पते पर भेजे गए गांजे के एक पार्सल को जब्त किया। जांच के बाद हैदराबाद के दो खरीदारों, सुशांत व्यास और लड्डू को गिरफ्तार किया गया और 2 किलो गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने मुंबई में 1,000 से अधिक नियमित उपभोक्ताओं को गांजा पहुंचाने वाले एक वितरण नेटवर्क का भी पर्दाफाश किया, जहां मैंगो, स्टिक और फ्लावर जैसे गुप्त शब्दों का इस्तेमाल ड्रग्स के लेन-देन को छिपाने के लिए किया जाता था। जांच में सुरक्षा में एक बड़ी खामी का खुलासा हुआ, जिसके तहत ट्रेनों और हवाई जहाजों के जरिए नशीले पदार्थों की खेपों की अनिवार्य जांच के बिना ही ढुलाई की जा रही थी। इसके जवाब में, हैदराबाद शहर पुलिस संबंधित केंद्रीय अधिकारियों को डाक द्वारा भेजी जाने वाली खेपों की सख्त जांच के लिए प्रोटोकॉल की सिफारिश करेगी। पुलिस को यह भी पता चला कि गिरोह ने परिवार के सदस्यों के खातों सहित कई बैंक खातों और यूपीआई आईडी के माध्यम से ड्रग्स की कमाई को मनी लॉन्ड्रिंग किया और फिर उस पैसे को सोने और लग्जरी वाहनों में निवेश किया। हैदराबाद शहर पुलिस ने कूरियर एजेंसियों को सभी पार्सल की अनिवार्य रूप से स्कैनिंग करने का निर्देश दिया है और नागरिकों से आग्रह किया है कि वे संदिग्ध डिलीवरी की सूचना पुलिस को दें। पुलिस आयुक्त वीसी सज्जनार ने डीसीपी गायकवाड़ वैभव रघुनाथ के नेतृत्व वाली 22 सदस्यीय एच-न्यू टीम की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देश के सबसे संगठित डाक मादक पदार्थों की तस्करी नेटवर्क में से एक का सफलतापूर्वक भंडाफोड़ किया है।

डकैती के चार आरोपी गिरफ्तार, मास्टरमाइंड समेत अन्य की तलाश जारी

अपराध की योजना लगभग 10 से 15 दिन पहले बनाई गई थी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। संगठित संपत्ति अपराधियों और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत चिलकलगुडा पुलिस ने पद्माराव नगर, सिकंदराबाद स्थित ज्योति मेडिकल हॉल में हुई सनसनीखेज डकैती का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस संबंध में चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन में अपराध संख्या 317/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 310(2) के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों को सिकंदराबाद के दसवें अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस के प्रयास जारी हैं। पुलिस के अनुसार, 28 जून 2026 को ज्योति मेडिकल हॉल के स्वामी सतीश कुमार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 28 जून की तड़के एक नकाबपोश गिरोह, जो चाकुओं से लैस था। वे मेडिकल हॉल परिसर में घुस आया। आरोपियों ने वहां तैनात सुरक्षा गार्डों को जान से मारने की धमकी देकर काबू में कर लिया, उनके मोबाइल फोन छीन लिए और उन्हें सीढ़ियों पर बंद कर दिया। इसके बाद आरोपियों ने गैस सिलेंडर और गैस-कटिंग उपकरणों की सहायता से पेंटहाउस के दरवाजे तोड़ दिए। उन्होंने परिसर में नकदी की तलाश की और कैश काउंटर से 27,500 रुपये के अलावा दोनों सुरक्षा गार्डों से क्रमशः 1,500 और 1,000 रुपये लूटकर फरार हो गए। मामला दर्ज होते ही चिलकलगुडा पुलिस ने व्यापक जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण, तकनीकी जांच, क्षेत्रीय पूछताछ, खुफिया जानकारी और लगातार निगरानी के आधार पर जांच टीम ने चार आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जांच में खुलासा हुआ कि इस अपराध की योजना लगभग 10 से 15 दिन पहले बनाई गई थी। आरोपी विभिन्न स्थानों पर एकत्र हुए, लक्ष्य स्थल की रेकी की, भवन, सुरक्षा व्यवस्था और पेंटहाउस से संबंधित जानकारी जुटाई तथा वारदात को अंजाम देने के लिए चाकू, फेस मास्क, गैस सिलेंडर, गैस-कटिंग उपकरण, मोटरसाइकिल और एक टाटा ऐस वाहन की व्यवस्था की। डकैती से पहले प्रत्येक आरोपी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई थी। गिरफ्तार आरोपियों में रोहित पाल उर्फ रोहित (24 वर्ष), निवासी जलपल्ली, देवेंद्र कुमार जायसवाल उर्फ देवेंद्र (26 वर्ष), बूसागल्ला पृथ्वी राज उर्फ पृथ्वी (23 वर्ष) तथा मोहम्मद सलमान (26 वर्ष), फर्नीचर एक्सेसरीज व्यवसायी शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि इस मामले का मुख्य साजिशकर्ता साई सहित अनिल, वसीम खान उर्फ खान साब, यूनुस, शोएब तथा अन्य सहयोगी अभी फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए विशेष पुलिस टीमों का गठन किया गया है। इस मामले का खुलासा चिलकलगुडा पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी निरीक्षक वी. रामकृष्ण, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर एल. मधु बाबू तथा पुलिस स्टेशन के अन्य कर्मचारियों ने किया। पूरी कार्रवाई चिलकलगुडा डिवीजन के प्रभारी सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) ए. यादवगिरि के मार्गदर्शन एवं पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। सिकंदराबाद जोन की पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुश्री रक्षिता कृष्णमूर्ति, आईपीएस ने कहा कि हैदराबाद सिटी पुलिस नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। संगठित आपराधिक गिरोहों और आदतन अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी तथा गंभीर संपत्ति अपराधों में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

झमाझम बारिश से किसानों के खिले चेहरे

आदिलाबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम आसिफाबाद और आदिलाबाद जिलों में बुधवार रात हुई मध्यम से भारी बारिश से किसानों को बड़ी राहत मिली है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, कुमराम भीम आसिफाबाद जिले में औसतन 40.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि सिरपुर (टी), कौटाला और चिंतलमनेपल्ली मंडलों में 100 मिमी से अधिक बारिश हुई। वहीं वांकिडी और केरामेरी मंडलों में भी अच्छी वर्षा दर्ज की गई। आदिलाबाद जिले में औसतन 18.6 मिमी बारिश हुई, जिसमें बेला मंडल में सबसे अधिक 55.9 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई। भीमपुर, जैनाद, आदिलाबाद ग्रामीण, मावला, थामसी, आदिलाबाद शहरी और गदिगुडा मंडलों में भी अच्छी बारिश हुई। किसानों ने कहा कि लंबे सूखे के कारण मुरझाने लगी कपास, सोयाबीन और अन्य फसलों को इस बारिश से नया जीवन मिला है तथा खेती के कार्यों में तेजी आ गई है। बारिश से संभावित कृषि नुकसान टलने पर किसानों ने राहत जताई।

मुख्यमंत्री पर टिप्पणी करने वाले कांग्रेस नेता को कारण बताओ नोटिस

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के खिलाफ सार्वजनिक टिप्पणी करने पर टीपीसीसी महासचिव एवं एआईसीसी ओबीसी संयोजक कट्टी वेंकट स्वामी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। हाल ही में एक टीवी बहस के दौरान वेंकट स्वामी ने दावा किया था कि राज्य सरकार के प्रति जनता में असंतोष बढ़ रहा है और मुख्यमंत्री के एकतरफा फैसलों से पार्टी के कई नेता भी असहज हैं। उन्होंने पार्टी में विभिन्न समुदायों को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलने का भी आरोप लगाया था। इन बयानों को गंभीरता से लेते हुए टीपीसीसी की अनुशासनात्मक समिति ने उनसे तीन दिन के भीतर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। समिति ने चेतावनी दी है कि संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर पार्टी नियमों के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी। समिति के अध्यक्ष एवं नागरकुर्नूल सांसद मल्लु रवि ने कहा कि वेंकट स्वामी की टिप्पणियों को लेकर कई शिकायतें मिली हैं और यदि उन्हें कोई आपत्ति थी तो उसे पार्टी मंच पर उठाना चाहिए था, न कि सार्वजनिक रूप से।

सीयूआर क्षेत्र में एक लाख इंदिरम्मा आवासों के लिए जल्द जारी होंगे टेंडर : पोंगुलेटी

हैदराबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार इनर रिंग रोड के भीतर स्थित सिटी अर्बन रीजन (सीयूआर) क्षेत्र में एक लाख इंदिरम्मा आवासों के निर्माण के लिए जल्द ही टेंडर आमंत्रित करेगी।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार इस परियोजना के लिए तीन नगर निगम क्षेत्रों में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अगले दो से तीन दिनों में पूरी कर ली जाएगी। गोशामहल विधानसभा क्षेत्र में डबल बेडरूम आवासों के आवंटन दस्तावेज वितरित करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रत्येक गरीब परिवार को आवास उपलब्ध कराना है।

उन्होंने बताया कि पायलट परियोजना के तहत सीयूआर के 19 विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्येक क्षेत्र में 500 से 1,000 आवासों का निर्माण किया जाएगा तथा आगामी चरणों में अतिरिक्त आवास भी स्वीकृत किए जाएंगे। मंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्रों में भूमि की ऊंची कीमतों के बावजूद सरकार शहर की सीमा के भीतर ही आवासों का निर्माण करेगी, ताकि लाभार्थियों को उनके रोजगार और आजीविका के निकट ही घर उपलब्ध हो सकें। उन्होंने बताया कि धूलपेट में लंबे समय से अधूरे पड़े 125 आवासों का निर्माण कार्य पूरा किया जा रहा है। साथ ही जिला कलेक्टरों को पात्र लाभार्थियों के लिए अतिरिक्त भूमि की पहचान करने के निर्देश दिए गए हैं।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने दोहराया कि कांग्रेस सरकार ढाई वर्षों के भीतर जितने आवासों का निर्माण करेगी, उतने आवास पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति सरकार अपने दस वर्षों के कार्यकाल में भी नहीं बना सकी। उन्होंने कहा कि यदि यह दावा गलत साबित होता है तो वह आगामी चुनाव नहीं लड़ेंगे।

बासर मंदिर में चोरी का मामला सुलझा, 3 आरोपी गिरफ्तार

आदिलाबाद, 2 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बासर स्थित प्रसिद्ध श्री ज्ञान सरस्वती देवस्थानम के उप-मंदिर से चांदी का मुकुट, पायल और मोबाइल फोन चोरी के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा कर दिया है।

गुरुवार को पुलिस ने आरोपियों को बासर में मीडिया के सामने पेश किया। पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने बताया कि 22 जून को श्री महाकाली मंदिर से 1.22 किलोग्राम चांदी का मुकुट और 260 ग्राम की पायल चोरी हुई थी। इस मामले में गुंटूर निवासी पल्लापु एडुकोंडालू, निजामाबाद के गैनी किरण उर्फ रामकृष्ण और महाराष्ट्र के सोलापुर के कोडमा आनंद को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे विलासितापूर्ण जीवन के लिए मंदिरों को निशाना बनाकर चोरी की घटनाओं को अंजाम देते थे और एक संगठित गिरोह के रूप में काम कर रहे थे। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सदस्य तेलंगाना के विभिन्न हिस्सों में कई चोरी की वारदातों में शामिल रहे हैं, जबकि चोरी का सामान स्वीकार कर उसे छिपाने का काम तीसरा आरोपी करता था। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करने वाली टीम की सराहना की है।

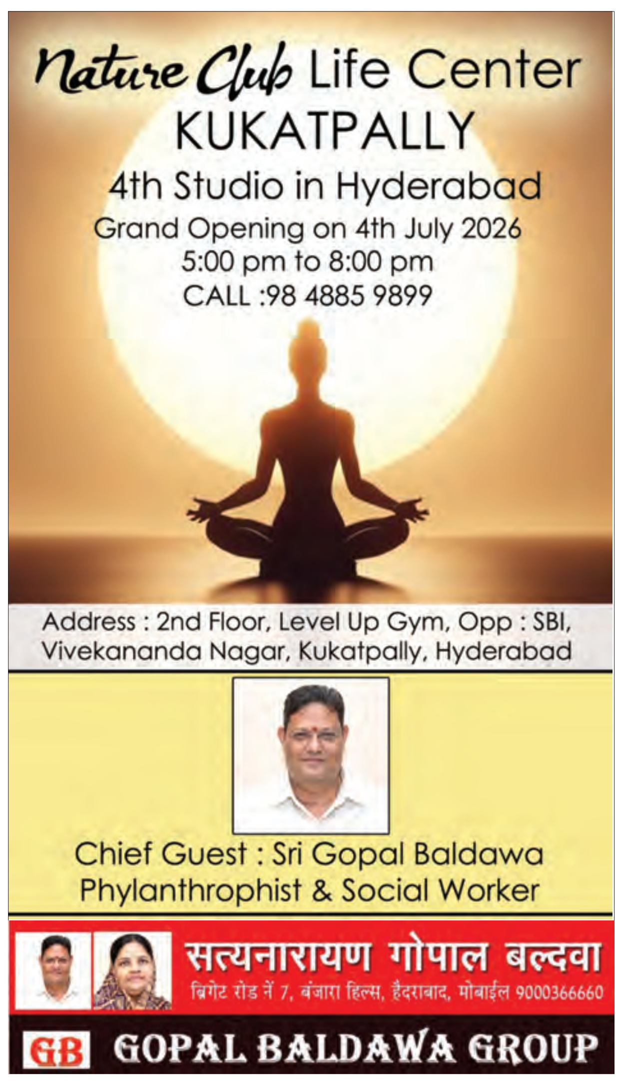

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.